आदर्श प्रश्न-बैंक

हायर सेकण्डरी परीक्षा

कक्षा - XI

हिन्दी विशिष्ट

स्वाति

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल
(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

{प्रथम भाषा (विशिष्ट हिन्दी) के विद्यार्थियों के लिए}

प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हायर सेकण्डरी

कक्षा :– XI **पूर्णांक :– 100**

विषय :– हिन्दी विशिष्ट **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्यांश की व्याख्या, कवि परिचय सौन्दर्य बोध एवं विषयवस्तु पर प्रश्न, पद्य का इतिहास	27	5	3	2	–	5
2.	**गद्य खण्ड –** गद्यांश की व्याख्या, लेखक परिचय, विषयवस्तु पर प्रश्न एवं गद्य इतिहास	23	5	2	2	–	4
3.	**सहायक वाचन –** विविध पाठों पर प्रश्न	10	5	–	1	–	1
4.	**भाषा बोध –** शुद्ध वाक्य रचना, विराम चिन्ह एवं भाव विस्तार	10	5	–	1	–	1
5.	**काव्य के तत्व –** काव्य के भेद, छंद, अलंकार	10	5	–	1	–	1
5.	**अपठित –** गद्यांश/पद्यांश	05	–	–	1	–	1
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
8.	**निबन्ध लेखन –**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**05**	**09**	**01**	**15+5 = 20**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

अनुक्रमाणिका

हिन्दी विशिष्ट (स्वाति)

कक्षा – XI

क्र.	ईकाई क्रमांक	विषय वस्तु का विवरण	पृष्ठ क्रमांक
		पाठ्य क्रम तथा प्रश्न पत्र का निर्धारित ब्लू प्रिन्ट	**1**
1.	1	**पद्य खण्ड –** पद्य साहित्य के इतिहास पर प्रश्न (वस्तुनि ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय) पाठ्य पुस्तक – संकलित पाठो से कवि परिचय, व्याख्या, सौन्दर्य बोध एवं वि ाय वस्तु आधारित प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय)	**3–43**
2	2	**गद्य खण्ड –** गद्य साहित्य के इतिहास एवं विविध विधाओं पर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय) पाठ्य पुस्तक – संकलित पाठो से लेखक परिचय, व्याख्या, विचार बोध एवं विषय बोध पर आधारित प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय)	**44–87**
3	3	**सहायक वाचन** विविध संकलित पाठो की विषय वस्तु पर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय)	**88–108**
4	4	**भाषा बोध** विराम चिह्न, शुद्ध वाक्य, मुहावरे–लोकोक्तियों और भाव विस्तार पर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय)	**09–117**
5	5	**काव्य बोध –** काव्य परिभाषा, भेद, शब्द–गुण, शब्द–शक्ति, छन्द एवं अलंकार पर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय)	**18–123**
6	6	**अपठित गद्यांश/अपठित पद्यांश** शीर्षक एवं सारांश लेखन	**24–133**
7	7	**पत्र लेखन –**	**34–137**
8	8	**निबंध लेखन –**	**38–140**
9	9	**योग्यता विस्तार –**	**–**

पद्य साहित्य का इतिहास

वस्तुनिष्ट प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. रीतिकाल के कवि धनानन्द ..... कवि थे।
(रीति बद्ध/रीति मुक्त)

ब. .....ज्ञान मार्गी शाखा के प्रमुख कवि हैं। **(सूरदास/कबीर)**

स. भक्तिकाल को .....भागों में बाँटा गया है। **(दो/चार)**

द. हिन्दी साहित्य के इतिहास को ..... भागों में विभाजित किया गया है।
(चार/पांच)

इ. सगुण काव्य धारा को ..... भागों में विभाजित किया गया है।
(तीन/दो)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. रीतिकाल को किन–किन अर्न्तभागों में बाँटा गया है ?

ब. रीतिकाल को और किस नाम से जाना जाता है ?

स. काव्य के प्रमुख दो रूप कौन कौन से है ?

द. कवि ''भूषण'' के बड़े भाई का क्या नाम था ?

इ. रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर जोड़ी बनाइए ?

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
रामचंद्रिका	–	चन्दवरदाई
रामचरितमानस	–	बिहारी
बीजक	–	केशवदास
पृथ्वीराज रासो	–	तुलसीदास
बिहारी सतसई	–	कबीर

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. रीतिकाल में श्रंगार रस की प्रधानता थी ।

ब. जायसी ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि हैं।

स. ईश्वर निराकार है की अवधारणा निर्गुण धारा में है।

द. रामभक्ति शाखा में वैष्णव मत को स्वीकार किया गया है।

इ. मीराबाई कृष्ण की अनन्य भक्त थीं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. लक्षण ग्रंथो का निर्माण किया गया है।
   - अ. आदिकाल में　　ब. रीतिकाल में
   - स. भक्तिकाल में　　द. किसी में नहीं
2. 'रामचरितमानस' की भाषा थी।
   - अ. खड़ी बोली　　ब. ब्रज
   - स. अवधी　　द. संस्कृत
3. कृष्ण भक्ति शाखा में आधार माना गया है।
   - अ. राम को　　ब. सूर को
   - स. निर्गुण बह्म को　　द. कृष्ण को
4. ''कामायनीं'' है
   - अ. महाकाव्य　　ब. खण्ड काव्य
   - स. मुक्तक काव्य　　द. गेय काव्य
5. रीतिकाल के प्रथम आचार्य और महाकवि थे।
   - अ. चिन्तामणि　　ब. बिहारी
   - स. केशव　　द. भूषण

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक है)

प्रश्न 1. कविता के मुख्य पक्षों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2. प्रबंध काव्य के प्रमुख भेदों को लिखिए।

प्रश्न 3. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ कौन–कौन सी है ?

प्रश्न 4. भक्तिकाल की विशेषताएँ लिखिए ।

प्रश्न 5. आदिकाल का परिचय देकर उसके दो प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ लिखिए ।

प्रश्न 6. भक्तिकाल को किन दो भागों में बाँटा गया है । संक्षिप्त में लिखिए ।

प्रश्न 7. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' विषय का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न 8. रीतिबद्व, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त के किन्ही एक–एक कवियों के नाम व उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 9. महाकाव्य से आप क्या समझते हैं। लिखिए।

प्रश्न 10. मुक्तक काव्य के प्रमुख भेद समझाइए लिखिए।

प्रश्न 11. प्रेममार्गी शाखा की प्रमुख विशेषताएँ एवं दो कवियों के नाम बताइए ।

प्रश्न 12. 'कृष्ण' भक्ति शाखा से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. 'ज्ञानमार्गी शाखा' की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

1. भक्ति

– गोस्वामी तुलसीदास

– मीराबाई

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. जाऊँ कहाँ तजि .....तुम्हारे'। **(चरन / वरन)**

ब. 'ज्यों गच काँच बिलोकि सेन जड़ छाँह आपने तन की' पंक्ति में ..... अलंकार है।
(उपमा / रूपक)

स. तुलसीदास के पदो में प्रधान ..... रस है। **(वात्सल्य / शांत)**

द. अबलौं नसानी, अब न नसैहों पंक्ति में ..... रस है। **(शांत / रोद्र)**

इ. कृष्ण ने ..... का घमंड दूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था।
(बादल / इन्द्र)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. मीरा की पीड़ा किस वैद्य के इलाज से मिट सकती है ?

ब. संसार सागर को कैसे पार किया जा सकता है ?

स. मीरा बाई किसके चरणों की दासी थीं ?

द. तुलसीदास की प्रमुख कृति का नाम बताइए ?

इ. तुलसी दास जी अपना शेष जीवन किसे समर्पित करना चाहते है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

	स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ.	गिद्वराज	–	परमात्मा
ब.	चातक	–	कमल
स.	चरण	–	जटायू
द.	सूली	–	पक्षी
इ.	आत्मा	–	सेज

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. 'गगन मंडल में सेज पिया की किस विध मिलणा होय' पंक्ति में लक्षणा शब्द शक्ति है।

ब. अहल्या का उद्वार श्रीकृष्ण ने किया था।

स. घायल की गति घायल ही जानता है।

द. मीरा ने जीवन को क्षण भंगुर बताया है।

इ. तुलसीदास जी ने मानव को अज्ञानता के पथ पर चलने की प्रेरणा दी है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

अ. मीराबाई की अधिकांश रचनाएँ केन्द्रित है।

(अ) राम पर (ब) कृष्ण पर

(स) शिव पर (द) गणेश पर

ब. तुलसीदास जी की माता का नाम था।

(अ) अलसी बाई (ब) हुलसी बाई

(स) चित्रलता (द) चित्रलेखा

स. तुलसीदास कवि हैं।

(अ) भक्ति काल के (ब) रीति काल के

(स) आदि काल के (द) आधुनिक काल के

द. मीराबाई का जन्म स्थान है।

(अ) जोधपुर (ब) चित्तौड़

(स) द्वारका (द) मथुरा

इ. मीराबाई की भाषा है।

(अ) अवधी (ब) राजस्थानी मिश्रित ब्रज

(स) ब्रज (द) खड़ी बोली

लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक के लिए चार अंक हैं)

प्रश्न 1. मीराबाई की कोई चार रचनाओं के नाम लिखिए।

प्रश्न 2. तुलसीदास के काव्य में कला पक्ष की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 3. मीरा ने अपने प्रियतम से मिलने में क्या कठिनाई बताई है ?

प्रश्न 4 तुलसीदास के अनुसार मानव मन की मूढ़ता क्या है ?

प्रश्न 5. 'करहु लाज निजपन' की पंक्ति में 'निजपन' से कवि का क्या आशय है ?

प्रश्न 6. तुलसी ने रामनाम को चितांमणि की उपाधि क्यों दी है ?

प्रश्न 7 मीरा ने हरि के चरणों की कौन–कौन सी विशेषताएँ बताई हैं ?

प्रश्न 8. सूली ऊपर सेज हमारी से मीरा का क्या आशय है ?

प्रश्न 9. तुलसीदास के अनुसार राम के चरणों से किन किन का उद्धार हुआ है ?

प्रश्न 10. तुलसीदास जी मानव को सुपथ पर चलने की प्रेरणा क्यों देते हैं ?

प्रश्न 11 मीरा ने जीवन को 'क्षण भंगुर' क्यों बताया है ?

प्रश्न 12. तुलसीदास जी की कोई चार रचनाओं के नाम लिखिए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. मीराबाई के अनुसार भक्ति मानव जीवन के लिए क्यों आवश्यक है ?

प्रश्न 2. अपना जीवन भगवान राम को समर्पित करने के पीछे तुलसीदास जी का क्या उद्देश्य है ?

प्रश्न 3. 'हेरी मैं तो प्रेम दीवाणी, मेरा दरद न जाणे कोय' में मीरा किस दरद की बात कर रही हैं। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. 'अबलौ नसानी अब न नसैहों' में अब न नसैहों से तुलसीदास जी का मन्तव्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5. मीराबाई का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

1) जीवन परिचय
2) रचनाएँ
3) साहित्य में स्थान

6. तुलसीदास जी के भावपक्ष एवं कलापक्ष पर प्रकाश डालिए ।

7. मीरा के पदो में किन–किन बोली अथवा भाषाओं के शब्दों का प्रयोग हुआ है ? उदाहरण सहित लिखिए।

8. निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

अ. जिन चरन ब्रह्मांड भेंट्यो, नख सिखौ श्री भरन ।।
जिन चरन प्रभु परसि लीनें, तरी गौतम धरन ।
जिन चरन कालीहि नाश्यो, गोप लीला करन ।।
जिन चरन धारयो गोबर्द्धन, गरब मघवा हरन ।
'दास मीरा' लाल गिरिधर, अगम तारन तरन ।।

ब. नहिं ऐसो जन्म बारम्बार ।
क्या जानूँ कछु पुन्य प्रकटे, मानुसा अवतार ।।
बढ़त पलपल घटत छिनछिन, चलत न लागे बार ।
बिरछ के ज्यों पात टूटे, लागे नहिं पुनि डार ।।

स. ऐसी मूढ़ता या मन की ।
परिहरि राम–भक्ति–सुरसरिता आस करत ओसकन की ।।
धूम–समूह निरखि जातक ज्यों, तृषित जानि मति घन की।
नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होत लोचन की।।

द. जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे।
काको नाम पतित–पावन जग, केहि अति दीन पियारे।।
कौने देव बराइ बिरद–हित, हठि हठि अधम उघारे।
खग, मृग, ब्याध, पषान, बिटप जड़, जवन कवन सुर तारे।।

2. वात्सल्य

– सूरदास

– स्वामी रामभद्राचार्य गिरधर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. श्रीराम का मुख मण्डल ..... के समान प्रतीत होता है।

(पूर्णिमा के चाँद / सूरज)

ब. श्रीराम के गालों पर काजल का टीका उन्हें ..... से बचाने के लिए लगा है।

(बुराई / नजर)

स. सूर की भाषा में ..... बोली का माधुर्य है। **(खडी / ग्रामीण)**

द. कृष्ण के माथे पर ..... का तिलक उनके सौन्दर्य को और बढ़ा देता है।

(गोरोचन / चंदन)

इ. रामभद्राचार्य ..... के कवि है। **(भक्तिकाल / आधुनिक काल)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. राम के किलकारी मारने पर किसकी बरसात होती है ?

ब. श्रीकृष्ण किसकी गोद में भोजन कर रहे है ?

स. 'बार–बार बलि श्याम सों कछु बोल बकावत' में कौन सा अलंकार है ?

द. सभी खाद्य पदार्थो में श्रीकृष्ण को विशेष रूप से क्या पसंद है ?

इ. राम को आँगन में खेलता देखकर कौन प्रसन्न होता है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
मनसिज	–	विवाह करने
महर	–	मिट्टी
बियावन	–	चंद्रमा
सुधाकर	–	कामदेव
रेनु	–	यशोदा

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. पूर्व दिशा को प्राची कहते है।

ब. सूरदास की काव्य भाषा अवधि है।

स. शिशु क्रीड़ाओं से हृदय में आनन्द भावना की उत्पत्ति वात्सल्य रस कहलाती है।

द. माता कौशल्या राम की नजर उतारने के लिए झाड़ फूँक करवाती हैं।

इ. श्रीराम नख से शिख तक सौन्दर्य से परिपूरित हैं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

अ. श्री कृष्ण की माता का नाम था।

(i) यशोदा (ii) कौशल्या

(iii) देवकी (iv) पूतना

ब. कौशल्या बालक राम को क्या खाने के लिए कहती है ?

(i) दही (ii) मलाई

(iii) नवनीत (iv) मिश्री

स. बालक कृष्ण का जूठन कौन मांग रहा है ?

(i) बलराम (ii) गोपियाँ

(iii) यशोदा (iv) सूरदास

द. बहुरंगी खिलौनों से कौन सा बालक खेल रहा है ?

(i) कृष्ण (ii) बलराम

(iii) राम (iv) सूरदास

इ. सूरदास कवि हैं।

(i) वात्सल्य रस के (ii) श्रृंगार रस के

(iii) शांत रस के (iv) वीर रस के

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. बालक राम की सुन्दरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 2. सूर के पद में बाल स्वभाव की कौन–कौन सी प्रवृत्तियाँ आपको देखने को मिलीं ? बताइए।

प्रश्न 3. बालक राम का शरीर किन–किन अलंकारो से सुशोभित है ?

प्रश्न 4. सूरदास जी ने श्रीकृष्ण के बाल रूप को किस प्रकार चित्रित किया है ?

प्रश्न 5. माता यशोदा कृष्ण को बहलाने के लिए उसे कौन सी बात बताती हैं ?

प्रश्न 6. बलराम कृष्ण को किस प्रकार चिढ़ाते हैं ?

प्रश्न 7. बालक कृष्ण के भोजन में सम्मलित व्यंजनों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 8. माता कौशल्या राम को स्नान कराने के पश्चात कौन–कौन सी हिदायतें देती हैं ?

प्रश्न 9. 'कृष्ण' चंद्र खिलौने को लेने के लिए क्या–क्या हट करते हैं ?

प्रश्न 10. माता कौशल्या की प्रसन्नता को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 11 बालक कृष्ण खेलते समय कौन कौन सी क्रीडाए करते हैं ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. वात्सल्य रस के पदों में वात्सल्य के किन भावों का चित्रण हुआ है ? समझाइए।

प्रश्न 2. कवि रामभद्राचार्य के पदों में बालक राम की छवि का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. सूरदास जी के द्वारा चित्रित बाल सुलभ ईर्ष्या को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 4. वात्सल्य के पदों में बालक राम और कृष्ण की समानताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. चँद्रमा के प्रति बालकों में स्वाभाविक आकर्षण का चित्रण सूरदास जी ने किस प्रकार किया है ?

प्रश्न 6. सूर वात्सल्य रस का कोना–कोना झांक आए हैं। उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 7. कवि रामभद्राचार्य 'गिरिधर' का परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर दीजिए।

(i) जीवन परिचय

(ii) रचनाएँ

(iii) साहित्य में स्थान

(iv) भाषा शैली

प्रश्न 8. ''सूर की भाषा में ग्रामीण बोली का माधुर्य है।'' सूर की भाषा की विशेषताएँ बताते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

राघव जननी अंक बिराजत।

नख सिख सुभग धूरि घूसर तनु चितइ काम सत लाजत।

ललित कपोल उपर अति सोहत द्वै द्वै असित डिठोना।।

जनु रसाल पल्लव पर बिलसत द्वै पिक तनय सलौना।।

प्रश्न 10 निम्नलिखित काव्यांश में निहित काव्य सौन्दर्य लिखिए।

ह्वै हौं पूत नंद बाबा कौ, तेरो सुत न कहैहौं।

आगैं आउ, बात सुनि मेरी, बलदेवहिं न जनैहौं।

प्रश्न 11. सूर का परिचय देते हुए उनका साहित्य में स्थान बताइए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

सोभित कर नवनीत लिये।

घुटुरूवन चलत रेनु मंडित मुख में लेप किये ।।

चारू कपोल लोल लोचन छविगौरोचन को तिलक दिये ।

लर लटकन मानो मत्त मधुप गन माधुरी मधुर पिये ।।

******

3. प्रेम और सौन्दर्य

– पद्माकर

– मतिराम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. भँवरो की गुंजन ..... राग के समान लगती है। **(बादल / मल्हार)**

ब. होली ..... के महीने में आती है। **(फागुन / चैत)**

स. ज्यौं–ज्यौं निहारिए नेरे नैनहिं में .....अलंकार है।

(पुनरूक्ति / रूपक)

द. श्री कृष्ण के गले में ..... शोभित हो रही है।

(मणिमाला / वनमाला)

इ. श्री कृष्ण का रूप सुन्दर एवं रंग .....है। **(गौरवर्ण / श्यामल)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. मतिराम के प्रमुख दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

ब. होली खेलते समय गोपियों की आँखो में कौन–सा रंग समा गया था जो निकाले नहीं निकला ?

स. श्री कृष्ण कौन–सा वाद्य यंत्र बजाते हैं ?

द. गोप सुता, पार्वती माँ से क्या वरदान माँगती हैं ?

इ. पद्माकर जी के प्रमुख दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
बोर	–	समीप
गुमान	–	समूह
नेरे	–	किनारे
वृन्द	–	सुंदर
चारू	–	घमंड

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. श्री कृष्ण के मुकुट में हीरा जड़ा है।

ब. मतिराम की नासिका के सम्मुख चाँदी की चमक भी फीकी पड़ जाती है।

स. मतिराम कवि भूषण के भ्राता थे।

द. पद्माकर का भाषा पर पूर्ण अधिकार था।

इ. लुनाई का तात्पर्य नमक से है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. ''घट की न औघट की घाट की न घर की'' पंक्ति में अलंकार है।

   अ. यमक ब. श्लेष

   स. अनुप्रास द. उपमा

2. पद्माकर प्रमुख कवि हैं।

   अ. आदि काल के ब. भक्ति काल के

   स. रीति काल के द. आधुनिक काल के

3. 'मोहन की मुसकानि मनोहर, कुंडल डोलनि मैं छवि छाई' पंक्ति में रस है।

   अ. वीर ब. श्रृंगार

   स. शांत द. अद्भुत

4. 'रसराज' रचना है।

   अ. बिहारी की ब. मतिराम की

   स. वृन्द की द. तुलसी की

5. जहाँ एक ही शब्द पुनः दोहराया जाए वहाँ होता है।

   अ. यमक अलंकार ब. पुनरूक्ति अलंकार

   स. अनुप्रास अलंकार द. रूपक अलंकार

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. कवि मतिराम ने ''को बिन मोल बिकात नही'' क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. श्री कृष्ण की बाँसुरी गोपियों के क्रिया कलाप को किस प्रकार प्रभावित करती है ?

प्रश्न 3. 'कढ़िगो अबीर पै अहीर तों कढ़ै नहीं' में पद्माकर ने किस अहीर के बारे में चर्चा की है

प्रश्न 4. कवि मतिराम ने दो सखियों के मध्य प्रियतम के वियोग का जो वार्तालाप प्रस्तुत किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 5. पूजा के दौरान गोप बालाएँ माता पार्वती से क्या–क्या प्रार्थनाएँ करती हैं ?

प्रश्न 6. पद्माकर के वर्षा ऋतु चित्रण को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 7. कृष्ण को सम्मुख पाकर मानिनी का मान स्वतः नष्ट क्यों हो जाता है ?

प्रश्न 8. घट की न औघट की धार की न घाट की कवि पद्माकर ने इस मुहावरे का प्रयोग क्यों किया है ?

प्रश्न 9. श्री कृष्ण की मोहक छवि का वर्णन कवि मतिराम के शब्दों में करिए।

प्रश्न 10. 'कुन्दन को रंग फीको लागे झलके अति अंगन चारू गुराई' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. ''एक पग भीतर औ एक देहरी पै धरे, एक कर कंज, एक कर है किबार पर'' पंक्ति का आशय समझाइए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. मतिराम के श्री कृष्ण का रूप सौन्दर्य और उनके द्वारा पहने गए अलंकारो पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. मतिराम के नायक और पद्माकर के नायक में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. पद्माकर का परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर दीजिए।

अ. जीवन परिचय

ब. रचनाएँ

स. साहित्य में स्थान

प्रश्न 4. मतिराम की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. मतिराम का परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर दीजिए।

अ. जीवन परिचय

ब. रचनाएँ

स. साहित्य में स्थान

प्रश्न 6. श्री कृष्ण की छवि को नेत्रों से बाहर निकालने में गोपिका क्यों असमर्थ है ?

प्रश्न 7. निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

अ. घर न सुहात न सुहात वन बाहिर हू।
बागन सुहात जो खुसाल सुखबोही सों।
कहै पद्माकर घनेरे धन धाम त्यौं ही
चैंन न सुहात चाँदनी हूँ जोग जोही सों।।

ब. एकै संग धाय नन्दलाल औ गुलाल दोऊ
दृगनि गए जुभरि आनन्द मढ़ै नहीं ।
धोइ–धोइ हारी पद्माकर, तिहारी सौं,
अब तो उपाय एकौ चित पै चढै नहीं।।

स. मोर–पँखा 'मतिराम' किरीट मनोहर मूरत सौं मनु लैगो
कुंडल डोलनि, गोल कपोलनि, बोल सनेह के बीज–से बैगो।

द. कुंदन कौ रंग फीको लगै, झलकैं अति अंगन चारू गुराई
आँखिन में अलसानि चितौन में मंजु बिलासन की सरसाई।

इ. देहि जो ब्याहि उछाह सो मोहनै, मातु–पिताहु को सो मन कीजै
सुंन्दर साँवरों नन्दकुमार, बसै उर में बरू सो बरूदीजै।

4. नीति

– वृन्द

– रहीम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. अच्छे लोग संपत्ति का संचय ..... के लिए करते है।

(स्वकाज / परकाज)

ब. जीवन में ..... के साथ काम करने से ही लक्ष्य हासिल होंगे।

(धैर्य / फुर्ती)

स. ..... आचरण वाले व्यक्ति से संबंध बनाना चाहिए। **(अच्छे / बुरे)**

द. बुराई छोड़ देने पर बुरा व्यक्ति भी ..... लगने लगता है।

(बुरा / अच्छा)

इ. इस संसार की सारी भौतिकता .....है। **(क्षण–भंगुर / स्थाई)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. कवि रहीम का पूरा नाम बताइए।

ब. वृन्द की कोई दो रचनाओं के नाम लिखिए ।

स. रहीम हिन्दी के अतिरिक्त और किन भाषाओं के जानकार थे ?

द. जगत में अपने पराए की पहचान कब होती है ?

इ. गुँजा के फूलों का हार किसे पसंद है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
सरोवर	–	प्रवीन
अपूर्व	–	अंगुर
गुणवान	–	अपूरब
प्रवीण	–	गुनी
अंगली	–	सरवर

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. अवसर पर कही अप्रासंगिक बातें अनुचित लगती है।

ब. काठ की हाँडी आग पर बार–बार चढ़ाई जा सकती है।

स. सुख आने पर सुखी और दुःख आने पर दुखी रहना चाहिए।

द. झूठ बोलने से भी राम का साक्षात्कार संभव है।

इ. रहीम के अनुसार जीवन में विपत्ति कभी नहीं आना चाहिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

अ. हाथी के सर से मिलने वाला मोती कहलाता है।

(i) मुक्तक (ii) गजमुक्तक

(iii) गंजन (iv) माणिक

ब. ऐसी कौन सी संपत्ति है जो खर्च करने पर बढ़ती है ?

(i) भूमि (ii) अनाज

(iii) सोना–चाँदी (iv) ज्ञान

स. किस प्रकार के मनुष्य के पेट में बात नहीं रहती है ?

(i) ओछे (ii) अच्छे

(iii) दयालु (iv) धर्मात्मा

द. 'दीन सबको लखत है, दीन ही लखै न कौय।
जो रहीम दीनहि लखै, दीन बन्धु सम होय' छन्द है।

(i) दोहा (ii) सोरठा

(iii) चौपाई (iv) उल्लाला

इ. औछा व्यक्ति यदि जीवन में कुछ थोड़ा भी पा लेता है तो वह ।

(i) सामान्य रहता है (ii) विनम्रता से झुक जाता है

(iii) इतराता है (iv) धर्मात्मा बन जाता है

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. रहीम ने विपदा को भली क्यों कहा है ?

प्रश्न 2. मन लगाकर काम करने के रहीम ने क्या लाभ बताए है ?

प्रश्न 3. किस उदाहरण के द्वारा वृन्द ने ज्ञान की महिमा बताई है ?

प्रश्न 4. अपनों की हानि को ही रहीम ने सच्ची हानि क्यों कहा है ?

प्रश्न 5. वृन्द के अनुसार अज्ञानी व्यक्ति का चरित्र बताइए।

प्रश्न 6. तुच्छ व्यक्ति के विषय में रहीम ने क्या कहा है ?

प्रश्न 7. वृन्द ने मुनष्य को धैर्य रखने के लिए क्यों कहा है ?

प्रश्न 8. वृक्ष के माध्यम से कवि क्या शिक्षा देना चाहता है ?

प्रश्न 9. रहिमन याचकता गहे, बडे छोट हवै जाति।
नारायण हू को भयो बावन आंगुर गात।।
उर्पयुक्त दोहे से मिलने वाली शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 10. निर्धन वर्ग पर धन का क्या प्रभाव पड़ता है ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. वृन्द के दोहों में दी गई शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 2. ''जो जेहि भावे सो भलों, गुन को कुछ न विचार '' का व्यावहारिक जीवन में विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3. रहीम के दोहे पढ़कर आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

प्रश्न 4. वृन्द के अनुसार मनुष्य के नेत्रों की विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 5. बुरा समय आने पर हमारे साथी हमें क्यों नहीं पहचानते ? अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 6. कवि रहीम की भाषागत विशेषताएँ उदाहरण देकर लिखिए।

प्रश्न 7. वृन्द का परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर दीजिए।

(अ) रचनाएँ

(ब) भाषा शैली

(स) साहित्य सेवा

प्रश्न 8. निम्नलिखित छंदों में मात्राएँ गिनकर छन्द का नाम लिखिए।

अ. भूप गनत लघु गुनिन को, गुनी गनत लघु भूप।
रहिमन गिरि ते भूमि लौं, लखो तो एकै रूप ।।

ब. हितहू की कहिये न तिहि, जो नर होय अबोध ।
ज्यों नरूकटे को आरसी, होत दिखाये क्रोध।।

स. बुरौ तऊ लागत भलो, भली ठौर परलीन ।
तिय नैननि नीको लगै, काजर जदपि मलीन।।

प्रश्न 9. निम्नलिखित दोहों की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

अ. कौन बड़ाई जलधि मिलि, गंग नाम भौं धीम।
केहि की प्रभुता नहि घटी, पर घट गये रहीम।।

ब. बड़ माया को दोष यह, जो कबहूँ घटि जाय ।
तो रहीम मरिबो भलो, दुख सहि जिये बलाय।।

स. फीकी पै नीकी, लगै कहिये समय विचारि।
सबको मन हर्षित करै, ज्यों विवाह में गारि।।

द. छमा खड्ग लीने रहै, खल को कहा बसाय।
अगिन परी तृनरहित थल, आपहिं ते बुझि जाय।।

******

5. प्रकृति – सौन्दर्य

– सेनापति

– सुमित्रानंदन पंत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. बसन्त ऋतु को ..... कहा जाता है। **(पर्वतराज /ऋतु राज)**

ब. .....पर सूर्य स्थित है। **(आसमान/वृष राशि)**

स. ''बरन – बरन तरू फूले उपवन वन पंक्ति में ..... अलंकार है।

(यमक /अनुप्रास)

द. ..... को प्रकृति के कुशल चितेरे कहा जाता है।

(सुमित्रानंदन पंत/जयशंकर प्रसाद)

इ. 'मेरे जानै सीरी ठौर कौ पकरि कौंनो' पंक्ति में ..... गुण है।

(माधुर्य/प्रसाद)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. किस ऋतु में सूर्य चन्द्रमा के समान दिखाई देता है ?

ब. चतुरंगिणी सेना किसे कहते है ?

स. खंजन पक्षी का दुःख किस ऋतु में मिट जाता है ?

द. कवि 'पन्त' किस नदी में नौका विहार करते है ?

इ. गंगा नदी की रेत पर चाँदनी की चमक किस प्रकार दिखाई देती है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
ब्रज	–	शब्द शक्ति
माधुर्य	–	अलंकार
चौपाई	–	गुण
सांगरूपक	–	छन्द
लक्षणा	–	भाषा

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. शिशिर ऋतु में ठण्डक बढ़ जाती है।

ब. सुमित्रानंदन पंत प्रगतिवादी कवि हैं।

स. सेनापति रीतिकालीन कवि हैं।

द. मधुप का आशय शहद से है।

इ. चकोर पक्षी ग्रीष्म ऋतु में सूर्य की ओर एकटक देखता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

अ. ''मानवीकरण '' अलंकार होता है।

(i) प्रकृति में (ii) पक्षी में

(iii) मानव में (iv) पशु में

ब. शुक्र तारे की छवि जल में किसके समान दिखाई दे रही है ?

(i) राजा (ii) राजकुमार

(iii) परी (iv) रानी

स. चकोर पक्षी किसको चाहता है ?

(i) चकोरी (ii) चन्द्रमा को

(iii) शुक्र तारे को (iv) सूर्य को

द. कांस के फूल खिलते हैं।

(i) शरद ऋतु में (ii) वर्षा ऋतु में

(iii) बंसत ऋतु में (iv) ग्रीष्म ऋतु में

इ. सूर्य प्रचंड होकर तपता है।

(i) मीन राशि में (ii) मकर राशि में

(iii) वृश्चिक राशि में (iv) बृषभ राशि में

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. गंगा की धार के मध्य स्थित द्वीप कवि को कैसा दिखाई देता है ?

प्रश्न 2. सेनापति के अनुसार वर्षा ऋतु में क्या–क्या परिवर्तन दिखाई देते हैं ?

प्रश्न 3. गंगा जल में प्रतिबिम्वित शुक्र तारे के लिए कवि पन्त की क्या कल्पना है ?

प्रश्न 4. वर्षा ऋतु में विरहणी की दशा का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 5. कवि पंत जी को कालाकांकर का राजभवन जल में सोया हुआ क्यों प्रतीत होता है ?

प्रश्न 6. शिशिर ऋतु में चकवे की हालत दयनीय क्यों हो जाती है ?

प्रश्न 7. सेनापति ने बंसत को ऋतुराज क्यों कहा है ?

प्रश्न 8. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अ. बरन–बरन तरू फले उपवन–वन, सोई चतुरंग संग दल लहियत है।

ब. शैया पर दुग्ध धवल, तन्वंगी गंगा ग्रीष्म विरल, लेटी है श्रान्त, क्लान्त, निश्चल।

स. बिमल अकास, होत वारिज विकास, सेनापति फूले कास हित हंसन के हीय कौ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. तपसा बाला के रूप में विश्राम कर रही गंगा के सौन्दर्य का वर्णन पंत जी ने किस प्रकार किया है ?

प्रश्न 2. गंगा की धार के मध्य पहुँचने पर कवि का अनुभव अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 3. शरद ऋतु का मनोरम दृश्य अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न 4. सेनापति द्वारा शिशिर ऋतु में प्रचलित विभिन्न प्रकार की भ्रान्तियों का वर्णन अपने शब्दों में करिए ।

प्रश्न 5. 'कविवर पंत के संकलित अंश में से मानवीकरण के कोई तीन उदाहरण देकर उनकी व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 6. रात्रि के प्रथम प्रहर की चाँदनी में नदी–तट और नाव का सौन्दर्य क्यों बढ़ गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 7. ग्रीष्म की प्रचण्डता का वर्णन 'ऋतु वर्णन' कविता के आधार पर करिए ।

प्रश्न 8. पंत ने नौका विहार की तुलना जीवन के शाश्वत रूप से किस प्रकार की है ?

प्रश्न 9. कविवर पंत के काव्य सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 10. सेनापति का परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

1. जीवन परिचय
2. रचनाएँ
3. भावपक्ष
4. कलापक्ष

प्रश्न 11. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

अ. वृष कौ तरनि तेज सहसौ किरन करि,
ज्वालन के जाल बिकराल बरसत हैं।
तचति धरनि, जग जरत झरनि, सीरी
छाँह कौ पकरि पंथी–पंछी बिरमत हैं।।

ब. पाउस निकास तातैं पायो अवकास, भयो
जोन्ह कौं प्रकास, सोभा ससि रमनीय कौं।
बिमल अकास, होत वारिज विकास, सेना–पति
फूले कास, हित हंसन के हीय कौ।।

स. शांत, स्निग्ध, ज्योत्सना, उज्ज्वल ।
अपलक अनंत, नीरव भूतल।
शैया पर दुग्ध धवल, तन्वंगी गंगा, गीष्म विरल
लेटी हैं श्रांत, क्लांत निश्चल
तापस वाला गंगा निर्मल, शशि, मुख से दीपित मृदु करतल,
लहरे उर पर कोमल कुंतल ।

द. सामने शुक्र की छवि झलमल, तैरती परी–सी जल में कल,
रूपहरे कचों में हो ओझल ।
लहरों कें घूंघट से झुक–झुक, दशमी का शशि निज तिर्यकमुख,
दिखलाता, मुग्धा–सा रूक–रूक।

****

6. शौर्य और देश प्रेम

– भूषण

– रामधारी सिंह दिनकर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. धर्मो में भिन्नता न हो, सभी लोग पर्वत की तराई में ..... कर प्रेम के गीत गाएँ। **(हिलमिल, झगड़)**

ब. यह संसार आज ..... बना हुआ है । **(जड़, चेतन)**

स. दावानल का ..... पर अधिकार है । **(पेड़ की शाखाओं, कामदेव)**

द. हे महाराज छत्रसाल! आपकी भुजा ..... के समान है। **(शेषनाग, लोह)**

इ. आदिकवि वाल्मिकि ने एक ..... पक्षी के वध पर करूणामयी कविता लिखी थी । **(गरूण, क्रोंच)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. क्रान्ति धात्रि ! कविते जाग उठ आडम्बर में आग लगा दे। पंक्ति में अलंकार है।

ब. राजा शिवराज के नगारन की धाक सुनि कैते बादसाहन की छाति दरकति है। पंक्ति में कौन सा शब्द गुण है ?

स. फूट–फूट तू कवि कंठों से बन व्यापक निज मुग की वाणी। पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

द. भूषण का जन्म कहाँ हुआ था ?

इ. दिनकर जी ने जनता को जगाने के लिए किसका आह्ववान किया है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
दिनकर	–	वीणा
वृन्द	–	कुरूक्षेत्र
भूषण	–	रामचरित मानस
तुलसीदास	–	बारहमासा
सुमित्रानंदन पंत	–	शिवाबावनी

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. रामधारी सिंह दिनकर लम्बे समय तक भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार रहे। (सत्य/असत्य)

ब. शिवाजी एक वीर राजा थे। (सत्य/असत्य)

स. फ्रांस की राज्य क्रांति के जनक मार्क्स थे । (सत्य/असत्य)

द. चित्रकूट तमसा नदी के किनारे बसा है । (सत्य/असत्य)

इ. अंधकार पर अंधेरे का अधिकार है। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

अ. भूषण की कविता में किस रस की प्रधानता है ?

(i) वीर रस (ii) श्रृंगार रस

(iii) शांत रस (iv) वीभत्स रस

ब. महाराज छत्रसाल के पिता का नाम था।

(i) महाराज चम्पतराय (ii) महाहवी

(iii) महाराज सहस्त्रबाहु (iv) जम्भ

स. भूषण किस काल के कवि हैं ?

(i) वीरगाथा काल (ii) आधुनिक काल

(iii) रीतिकाल (iv) भक्ति काल

द. गरीबों की गाढ़ी कमाई पर कौन वैभव पूर्ण जीवन जी रहा है ?

(i) राजा (ii) जमींदार

(iii) अंग्रज (iv) कोतवाल

इ. क्रांति की आवश्यकता क्यों होती है ?

(i) संघर्ष के लिये (ii) प्रेम के लिये

(iii) अनुकूल परिवर्तन के लिये (iv) प्रतिकूल परिवर्तन के लिये ।

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. ''तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती हैं'' पंक्ति का आशय अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए

प्रश्न 2. शिवाजी के नगाड़ो की आवाज सुनकर विरोधी राजाओं की दशा क्या होती है ?

प्रश्न 3. कविवर दिनकर कैसे समाज की रचना करना चाहते है ?

प्रश्न 4. जनता को जगाने के लिये दिनकर जी ने क्रान्ति धात्रि से क्या प्रार्थना की है ?

प्रश्न 5. छत्रसाल की बरछी की विशेषताओ का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 6. ''लाखों क्रोंच कराह रहे है'' से कवि का क्या आशय है ?

प्रश्न 7. शोषित वर्ग की दशा का वर्णन कवि दिनकर ने किस प्रकार किया है ?

प्रश्न 8. शिवाजी के युद्ध कौशल का वर्णन अपने शब्दों में करिए।

प्रश्न 9. भूषण के संकलित अंश में से वीररस का एक उदाहरण छाँटकर लिखिए।

प्रश्न 10. 'शिवाजी के शासन' की प्रशंसा कविवर भूषण ने किन रूपकों के माध्यम से की है ? समझाइए ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. शिवाजी के शौर्य से भयाक्रांत रानियों की दशा का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 2. 'कविता का आह्वान' के माध्यम से कवि दिनकर क्या कहते चाहते हैं ?

प्रश्न 3. कवि दिनकर की कहाँ अपना घर बसाने की कामना है ?

प्रश्न 4. शोषक वर्ग का व्यवहार किस प्रकार का है ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5. रीतिकालीन कवि भूषण की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन प्रस्तुत पाठ के आधार पर कीजिए ।

प्रश्न 6. महाराज छत्रसाल की वीरता और शोर्य का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 7. रामधारी सिंह दिनकर के काव्य में भावपक्ष और कलापक्ष को लिखिए ।

प्रश्न 8. निम्नांकित पंक्तियों की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

अ. चकित चकता चौंकि–चौंकि उठै
बार–बार दिल्ली दहसति चितै चाह करसति है।
बिलखि बदन बिलखात बिजैपुर पति
फिरत फिरंगिन की नारी फरकति है ।।

ब. देख कलेजा फाड़ कृषक, दे रहे हृदय शोणित की धारें।
और उठी जातीं उन पर ही वैभव की ऊँची दीवारें।।
बन पिशाच के कृषक मेघ में नाच रही पशुता मतवाली ।
आगन्तुक पीते जाते हैं, दीनों के शोणित की प्याली ।।

स. बरस ज्योति बन गहन तितिर में फूट मूक की बनकर भाषा।
चमक अन्ध की प्रखर दृष्टि बन, उमड़ गरीबी की बन आशा।।
गूँज शान्ति की सुखद साँस–सी, कलुष पूर्ण युग कोलाहल में ।
बरस सुधामय कनक वृष्टि बन, ताप तप्त जल के मरूस्थल में।।

द. ऊँचे घोर मन्दिर के अन्दर रहनवारी
ऊँचे घोर मंदिर के अन्दर रहाती हैं।
कन्दमूल भोग करें कन्दमूल भोग करैं
तीन बेर खाती सो तीन बेर खाती हैं।

****

7. सामाजिक समरसता

– कबीर

– अयोध्या सिंह उपाध्याय '' हरीऔध''

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. कबीर जी ने अपना गुरू ..... को स्वीकार किया था ।
(परमानंदजी, रामानंदजी)

ब. कबीर दास जी ..... शाखा के प्रमुख कवि है । (ज्ञानमार्गी, प्रेममार्गी)

स. राधा ..... के सिर की छाया थी । (दुर्जनो, सज्जनों)

द. संसार में उत्पन्न सभी प्राणी ..... को प्राप्त होते है। (मृत्यु, अमरता)

इ. अयोध्या सिंह ''हरिऔध'' ने ..... प्रसंगो को अपनी कविता का आधार बनाया है। (आधुनिक, पौराणिक)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. कबीर ने किस भाषा में अपना काव्य लिखा है ?

ब. ब्रजवासियों के व्यथित होने का क्या कारण था ?

स. ''राधा जैसी सहय–हृदया विश्व प्रेमानुरक्ता'' पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

द. कबीर दास जी के अनुसार जीवन का स्वरूप कैसा है ?

इ. हरिऔध जी का जन्म कहाँ हुआ था ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
मृत्यु	–	नयन
आँख	–	दयालु
दिन	–	हस्त
हाथ	–	वासर
सदय	–	मरण

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. राधा कृष्ण की प्रेमिका थी । (सत्य/असत्य)

ब. गोपियों को शांति पाठ की शिक्षा राधा से प्राप्त होती थी। (सत्य/असत्य)

स. कबीर ने बाह्य आडम्बरों का सदैव समर्थन किया । (सत्य/असत्य)

द. कबीर ने पुस्तकीय ज्ञान को सर्वोतम माना है । (सत्य/असत्य)

इ. कृष्ण के बृज छोड देने पर वहाँ के सभी लोग उनको भूल गये थे। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 5. निम्न कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. संसार में सत्य बात कहने पर लोग ।

   अ. विश्वास करते है ब. पूजा करते है

   स. मारने दौड़ते है द. पागल कहते है

2. कबीर दास जी के अनुसार ईश्वर के प्रति सच्चा दीवाना कौन है।

   अ. गुरू ब. पण्डित

   स. मौलवी द. कोई नही

3. सब कार्य सफल हो जाते हैं।

   अ. धैर्य से ब. जल्द बाजी से

   स. नही करने से द. डण्डे के बल से

4. माता यशोदा के शोक को दूर करने के प्रयास कौन करता है ?

   अ. राजा नंद ब. देवकी

   स. गोपियाँ स. राधा

5. ''हरिऔध'' के संभवित पदों में से कौन सा रस है ?

   अ. शांत रस

   ब. श्रृंगार रस

   स. वीर रस

   स. करूण रस

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक है)

प्रश्न 1. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अ. आतम छोड़ि पषानै पूजै, तिनका थोथा ज्ञाना।

ब. साधो देखो जग बौराना सांची कहौ तो मारन धावै झूठे जग पतियाना।

स. जो सुख पावों नाम भजन में, सो सुख नाहि अमीरी में।

प्रश्न 2. ब्रज वासियों के दुख दूर करने के लिये राधा ने क्या–क्या उपाय किये थे ?

प्रश्न 3. कबीर ने कर्मकाण्ड पर करारा प्रहार किया है। अपने शब्दों में इसे स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. कबीर का मन फकीरी में सुख क्यों पाता है ?

प्रश्न 5. राधा माता यशोदा की सेवा किस प्रकार करती है ?

प्रश्न 6. राधा गोपियों के दुख दूर करने के लिये क्या–क्या यत्न करती है ?

प्रश्न 7. राधा ने विरह में डूबे ब्रजवासियों को कर्तव्य पालन का उपदेश क्यों दिया था ?

प्रश्न 8. सद्गुरू मनुष्य का उद्धार किस प्रकार करते है ?

प्रश्न 9. कबीर ने संसार के लोगों को पागल क्यों कहा है ?

प्रश्न 10. कबीर के अनुसार जीवन किस प्रकार जीना चाहिये ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक है)

प्रश्न 1. ''पत्तों को भी न तरूवर से वृथा तोड़ती थी'' । आधुनिक संदर्भ में इसकी उपयोगिता समझाइए ?

प्रश्न 2. ''राधा की समाज सेवा'' विषय का केन्द्रीय भाव लिखिए।

प्रश्न 3. कबीर की भाषा के संबंध में अपने विचार विस्तार से दीजिए।

प्रश्न 4. ''अपने दुख को भुला देने का सबसे अच्छा उपाय है, अपने को किसी और काम में लगा देना'' राधा ने इस आदर्श का पालन किस प्रकार किया था ?

प्रश्न 5. कबीर दास जी पण्डित से क्यों असहमत हैं ? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. पुत्र विरह में दुखी कृष्ण के माता–पिता की सेवा राधा ने किस प्रकार की ?

प्रश्न 7. राधा के विविध रूपों का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 8. राधा से आपको समाज सेवा की प्रेरणा किस प्रकार मिलती है ?

प्रश्न 9. निम्नलिखित काव्यांशो को निम्न बिंदुओं के अंर्तगत विस्तारित कीजिए।

1. संदर्भ 2. प्रसंग

3. भाव सौन्दर्य 3. काव्य सौन्दर्य

अ. खो देती थीं कलह जनि, आधि के दुर्गुणों को।
धो देती थीं मलिन–मन की व्यापनी कालिमायें।।
बो देती थी हृदय–तल में बीज भावज्ञता का।
वे थी चिन्ता–विजित–गृह में शांति धारा बहाती ।।

ब. साधो, देखो जग बौराना।
साँची कहौ तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना।।
हिन्दू कहत है राम हमारा, मुसलमान रहमाना।
आपस में दोऊ लड़ै मरतु हैं, मरम कोई नहिं जाना ।।

स. सच्चे स्नेही अवनिजन के देश के श्याम जैसे।
राधा जैसे सद्य–हृदया विश्व प्रेमानुरक्ता।।
हे विश्वात्मा! भरत–भुव के अंक में और आवें।
ऐसी व्यापी विरह–घटना किन्तु कोई न होवे।।

द. मन लाग्यो मेरा यार फकीरी में।
जो सुख पावों नाम भजन में, सो सुख नाहि अमीरी में।।
भला–बुरा सबको सुनि लीजै, करि गुजरान गरीबी में।।
प्रेमनगर में रहनि हमारी, भलि बनि आई सबूरी में।।
हाथ में कूँड़ी बगल में सोंटा, चारों दिसा जगीरी में।।
आखिर यह तन खाक मिलैगा, कहाँ फिरत मगरूरी में।।

****

8. जीवन दर्शन

– केशव दास

– गिरजा कुमार माथुर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. लंका का राजा ..... था। (अंगद/रावण)

ब. रावण को ..... ने खेल–खेल में बांध लिया था। (हैहय/सुग्रीव)

स. जीवन का युद्व व्यक्ति को .....ही लड़ना पड़ता है। (अकेले/मिलकर)

द. विश्वास और आस्था का आधार .....ही है। (स्वार्थ/त्याग)

इ. मृगृनंदन शब्द का प्रयोग ..... के लिये किया गया है। (राम/परशुराम)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. अंगद किसका पुत्र था ?

ब. अंगद को रावण के पास किसने भेजा ?

स. 'कवच कुण्डल'' किसने दान किये थे ?

द. बालि ने काँख में किसको छिपा लिया था ?

इ. ''तुम पै धनु रेख गई न तरी'' किसके लिए कहा गया है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
केशव	–	कवितावली
कबीर	–	रामचंद्रिका
सूरदास	–	साखी
मतिराम	–	सूर सागर
तुलसी	–	रसराज

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. श्री राम ने शिवजी के धनुष के टुकड़े कर दिये थे। (सत्य/असत्य)

ब. रावण ने लक्ष्मण रेखा पार कर ली थी। (सत्य/असत्य)

स. हनुमान जी की पूँछ नहीं जली थी। (सत्य/असत्य)

द. जीवन में हमेशा आराम रहता है। (सत्य/असत्य)

इ. वृद्धावस्था में मुनष्य की सेवा बहुत सारे लोग करते है। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. केशव दास का काल था।

   अ. रीतिकाल　　ब. भक्तिकाल

   स. आधुनिक काल　　स. वीरगाथा काल

2. परशुराम का गर्व हरण किसने किया था ?

   अ. लक्ष्मण ने　　ब. राम ने

   स. अंगद ने　　द. सुग्रीव ने

3. श्रीराम ने पत्थर की शिला बनी किस स्त्री को पुर्नजीवन दिया था ?

   अ. सीता　　ब. अहिल्या

   स. इन्द्राणी　　स. पृथ्वी

4. बालि ने काँख में किसे छिपा लिया था।

   अ. अंगद　　ब. सुग्रीव

   स. इन्द्र　　द. रावण

5. गिरजा कुमार माथुर का जन्म स्थल है।

   अ. गुना　　ब. झाँसी

   स. काशी　　स. बैतूल

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिये चार अंक है)

प्रश्न 1. रावण अपने मुंह से अपनी प्रशंसा में क्या–क्या बखान करता है ?

प्रश्न 2. अंगद रावण को अपना परिचय किस प्रकार देता है ?

प्रश्न 3. नियति ने कवि पर क्या कटाक्ष किया ?

प्रश्न 4. कवि ने ''लौट आये युद्ध से हम हाय खाली हाथ'' क्यों कहा है ?

प्रश्न 5. कुछ न पाया जिन्दगी में – किसने किस कारण कहा है।

प्रश्न 6. ''असलियत में युद्ध होता है निहत्था जान के'' पंक्ति का आशय है ?

प्रश्न 7. ''सिंधु तर्‌यो उनको वनरा तुम पै धनुरेख गई न तरी

बाँध्योई बाँधन सो न बँध्यो उन वारिधि बाँधि कै बाट करी''

पंक्ति का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8. पाहन तै पतनी करि पावन, टूक कियौ हर को धनु को रे ?
छत्र विहीन करी छन में छिति गर्व हर्‌यो तिनके बल कौ रे।।
पंक्ति का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. '' नियति बोली आस्था वाले, अरे ओ होश कर
जिन्दगी में साथ देता है, कभी कोई बशर।।
पंक्ति का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10. केशव दास के कोई चार प्रमुख ग्रंथो के नाम लिखिए।

प्रश्न 11. देव कवि ने केशव दास को 'कठिन काव्य का प्रेत' क्यों कहा है ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक है)

प्रश्न 1. ''विश्वास की साँझ'' कविता से आपको क्या करने और क्या नहीं करने की प्रेरण मिलती है? अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न 2. केशव की रामचंद्रिका में अंगद–रावण संवाद अधिक सुन्दर और प्रभावशाली है। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. हिन्दी के प्रथम आचार्य कवि केशव दास के काव्य सौन्दर्य की विशेषता लिखिए।

प्रश्न 4. 'विश्वास की साँझ कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

प्रश्न 5. विश्वास की साँझ कविता के आधार पर गिरिजा कुमार माथुर की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए।

प्रश्न 6. ''रावण–अंगद'' संवाद में सभी संवाद पात्रों के अनुकूल है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. अंगद द्वारा राम की शक्ति का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 8. अंगद रावण के पास किस उद्‌देश्य से गया था ?

प्रश्न 9. निम्नलिखित काव्यांशो का भाव सौन्दर्य और काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अ. लोक लोकेस स्यौ सोचि ब्रह्मा रचे
आपनी आपनी सींव सो सो रहे ।
चारि बाहें धरे विष्णु रच्छा करैं
बान साँची यहै वेदवाणी कहै।।
ताहि भ्रूभंग ही देस देवेस स्यों –
विष्णु ब्रह्मादि दै रूद्रजू संहरै।
ताहि सौं छाँड़ि कै पायँ काके परों
आजु संसार तो पायँ मेरे परै।।

ब. महामीचु दासी सदा पाइँ धोवै
प्रतीहार ह्वै कै कृपा सूर जोवै।
क्षमानाथ लीन्हें रहै छत्र जाको।
करैगो कहा सत्रु सुग्रीव ताकौ''

स. एक था विश्वास, वह भी छोड़ता है साथ
अब अकेला हूँ झुका है माथ, सरल होगा आखिरी आघात
कहा मैने नियति से, सब खत्म कर दे।

द. नियति बोली, आस्था वाले
अरे ओ होश कर, जिन्दगी में साथ देता है
कभी कोई बशर, असलियत से युद्ध होता है निहत्था
जान ले, इसलिए तू
पूर्व इसके, कवच–कुण्डल दान दे।

****

9. विविधा – 1

– दीनदयाल गिरि

– दुष्यन्त कुमार त्यागी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. कोयल .....स्वर में बड़ी मधुर ध्वनि करती है। (पंचम/कर्कश)

ब. जगत का सागर..... के बल पर पार करना है। (नाव/भुजा)

स. भाग्य बहुत.....होता है। (कमजोर/बलवान)

द. ..... के बोझ से शरीर झुक जाता है। (पढ़ाई/यातना)

इ. कौए की पहचान उसके ..... से होती है। (बोलने /रंग)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. कौआ और कोयल में क्या समानता है ?

ब. कौआ स्वादिष्ट खीर का सेवन क्यों नहीं करता ?

स. हिरनी जंगल में मारी–मारी क्यों फिरती है ?

द. ''टूटा हुआ पंख'' दुष्यन्त जी के अनुसार किसका द्योतक है ?

इ. नगर में होने वाले शोर शराबे को सुनकर कवि को कैसा लगता है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
हकीकत	–	अधिवेशन
जलसा	–	यात्रा
इजाजत	–	भय
सफर	–	आज्ञा
खौफ	–	वास्तविकता

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. कवि ने कौए की मधुर बोली का बखान किया है। (सत्य/असत्य)

ब. व्यक्ति अपनी सामर्थ्य से संसार रूपी सागर को पार करेगा । (सत्य/असत्य)

स. दुष्यंत कुमार सामाजिक यर्थाथ के कुशल चितेरे हैं। (सत्य/असत्य)

द. संघर्ष शील जीवन को देखकर मनुष्य को घबड़ाना चाहिए । (सत्य/असत्य)

इ. रूप अस्थाई होता है। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. कोयल और कौए की पहचान होती है।

अ. उनके रंग से ब. उनकी बोली से

स. उनके रूप से स. उनके आकार से

2. कवि के अनुसार गरीब की मौत होती है।

अ. भूख से ब. रोग से

स. भय से द. चिंता से

3. कोयल प्रतीक है।

अ. नीचता का ब. श्रेष्ठता का

स. मधुरता का स. श्याम रंग का

4. कवि दीन दयाल के अनुसार 'रूप और धन' –

अ. स्थायी हैं ब. अस्थायी हैं

स. धनी के पास रहते हैं द. निर्धन के पास रहते हैं

5. ''वायस'' का अर्थ है

अ. कबूतर ब. कौआ

स. कोयल स. तोता

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिये चार अंक है)

प्रश्न 1. कौआ और कोयल की पहचान कैसे होती है।

प्रश्न 2. ''यहाँ तो सिर्फ गूंगे और बहरे लोग बसते हैं'' से कवि का क्या आशय है।

प्रश्न 3. यथार्थ जीवन की यातनाओं के विषय में कवि क्या कहता है ?

प्रश्न 4. व्यक्ति को कल्पनाजीवी न होकर यथार्थ वादी होने की प्रेरणा कवि क्यों देता है ?

प्रश्न 5. भाग्य के विषय में कवि दीनदयाल का क्या कहना है ?

प्रश्न 6. केले के पौधे को देखकर कवि अचंभित क्यों होता है ?

प्रश्न 7. ''कुण्डलियाँ छन्द किन मात्रिक छन्दों के योग से बना है ? उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 8. ''मिट्टी का भी घर होता है'' इसका आशय अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न 9. सपनों में डूब जाने से कवि क्यों मना करता है ?

प्रश्न 10. 'जगत रूपी दरिया' व्यक्ति किस प्रकार पार कर सकता है ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक है)

प्रश्न 1. दीनदयाल गिरि की कुण्डलियों का सार अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 2. दुष्यन्त कुमार की गजलों की विशेषताएँ लिखिए ।

प्रश्न 3. वर्तमान में जो जीवन की यर्थाथ परिस्थितियाँ हैं । उनका वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 4. संघर्ष शील संसार में अकेले रहने की प्रेरणा कवि किस प्रकार देता है ?

प्रश्न 5. सज्जनों के मध्य पहुँचकर भी दुर्जन अपने नीच स्वभाव को क्यों नहीं छोड़ता ?

प्रश्न 6. निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कवि दुष्यंत कुमार का परिचय दीजिए ।

अ). रचनाएँ ब). भावपक्ष स). कलापक्ष

प्रश्न 7. 'अस्थायी रूप' पर गर्व क्यों नहीं करना चाहिए ?

प्रश्न 8. कुण्डलियाँ पाठ के आधार पर कवि दीनदयाल गिरि की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. करनी विधि की देखिये, अहो न बरनी जाति ।
हरनी के नीके नयन बसै बिपिन दिनराति।।
बसै बिपिन दिनराति बराबर बरही कीने ।
कारी छवि कलकंठ किये फिर काक अधीने।।

2. रोज जब रात को बारह का गजर होता है
यातनाओं के अन्धेरे में सफर होता है,
कोई रहने की जगह है मेरे सपनों के लिए
वो घरौंदा सही, मिट्टी का भी घर होता है।

3. कई फाके बिताकर मर गया, जो उसके बारे में
वो सब कहते हैं अब, ऐसा नहीं, ऐसा हुआ होगा
यहाँ तो सिर्फ गूंगे और बहरे लोग बसते हैं
खुदा जाने यहाँ पर किस तरह जलसा हुआ होगा।

4. वे सहारे भी नहीं अब, जंग लड़नी है तुझे
कट चुके जो हाथ, उन हाथों में तलवारें न देख
दिल को बहला ले, इजाजत है, मगर इतना न उड़
आज सपने देख, लेकिन इस कदर प्यारे न देख ।

****

10. विविधा – 2

– वीरेन्द्र मिश्र

– शिवमंगल सिंह 'सुमन'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. 'बरसो रे' कविता में कवि ने ..... ऋतु के बादलों का आह्वान किया है। (शरद / वर्षा)

ब. सूरज का रथ धीमा हो गया है ..... के कारण। (बादल / वर्षा)

स. 'जो गिर गए सो गिर गए' पंक्ति में .....अलंकार है। (यमक / अनुप्रास)

द. संसार में सभी के जीवन में .....आते हैं। (सुख–दुख / पैसे)

इ. व्यक्ति को ..... से निराश नहीं होना चाहिए। (दुःख / बाधाओं)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. कजरी कब गाई जाती है ?

ब. कवि के अनुसार मनुष्य को कब तक विराम नहीं करना चाहिए ?

स. मानव जीवन को कवि ने अपूर्ण क्यों कहा है ?

द. वर्षा होने की अफवाह क्यों होने लगी थी ?

इ. बादलों से मिलने के लिए कौन–कौन से प्राणी आतुर रहते है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
सागर	–	घन
हाथी	–	नभ
सूर्य	–	जलधि
आकाश	–	हस्ति
बादल	–	भानु

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. मनुष्य को मंजिल पाने के लिए दर–दर भटकना नहीं पड़ता। (सत्य/असत्य)

ब. जीवन चलने का नाम है। (सत्य/असत्य)

स. कवि बादलों से भेदभाव करके बरसने का आग्रह करता है। (सत्य/असत्य)

द. हिल–मिलकर चलने से जीवन की राह बड़ी कठिनता से कटती है।
(सत्य/असत्य)

इ. कवि बादल से आकाश की चोटियों से उतरने का आग्रह कर रहा है ।
(सत्य/असत्य)

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. आपस मे दुःख दर्द कहने सुनने से मनुष्य के हृदय का कम हो जाता है।

अ.	भार	ब.	रूपया
स.	समय	स.	सामान

2. कवि के अनुसार सफलता मिलती है।

अ.	चालाकी से	ब.	पैसों से
स.	निरन्तर काम करने से	द.	आलस से

3. मनुष्य असफलता पाने पर हो जाता है।

अ.	निराश	ब.	आश्चर्य चकित
स.	उदास	स.	प्रसन्न

4. चारों ओर की प्रतिध्वनियाँ पुकार रही है –

अ.	बादलों को	ब.	वर्षा को
स.	धरती को	द.	ईश्वर को

5. दुख आने पर भाग्य को दोष देना –

अ.	उचित है	ब.	अनुचित है
स.	थोड़ा उचित है	स.	थोड़ अनुचित है

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक है)

प्रश्न 1. सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र क्या है ?

प्रश्न 2. कवि मेघों से पृथ्वी पर उतरने का आग्रह क्यों कर रहा है ?

प्रश्न 3. ''विराद विश्व प्रवाह'' में बहने का क्या अर्थ है ?

प्रश्न 4. ''पग पर कुछ न कुछ रोड़ा अटकता ही रहा'' में रोड़ा से कवि का क्या आशय है ?

प्रश्न 5. कवि ने सूरज के रथ को धीमा–धीमा क्यों कहा है ?

प्रश्न 6. आपस में दुःख दर्द बाँट लेने से मन का भार क्यों कम हो जाता है ?

प्रश्न 7. कवि द्वार द्वार पर खड़ा क्यों नहीं रहता ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8. ''गागर से सागर ढुलकाओ'' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 9. कवि असफलता के लिए भाग्य पर दोष देने को अनुचित क्यों कहता है ?

प्रश्न 10. ''जो गिर गए सो गिर गए'' के माध्यम से कवि किसके गिरने की बात कर रहा है ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक है)

प्रश्न 1. 'चलना हमारा काम है' कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न 2. ''गति–मति न हो अवरूद्ध'' इसके लिए कवि ने क्या क्या प्रयास किए हैं ?

प्रश्न 3. वर्षा होने पर छाए वातावरण का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 4. कवि बादलों को हँसते–गाते आने के लिए क्यों कहता है ?

प्रश्न 5. कवि 'सुमन' के अनुसार मंजिल प्राप्त करने के लिए क्या–क्या प्रयास करने चाहिए ?

प्रश्न 6. निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कवि ''वीरेन्द्र मिश्र'' का परिचय दीजिए।

1. जीवन परिचय
2. भाव पक्ष
3. कला पक्ष
4. रचनाएँ

प्रश्न 7. कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' की काव्यगत विशेषताएँ प्रस्तुत पाठ के आधार पर कीजिए।

प्रश्न 8. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

1. अब तो हँसते– गाते आओ, घन।
इन मिलनातुर बाहों में
पुरवैया नैया के पालों में
नभ के नारंगी रूमालों में,
सूरज का रथ धीमा–धीमा है
सपनों की क्या कोई सीमा है ।

2. कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया
कुछ बोझ अपना बँट गया,
अच्छा हुआ तुम मिल गए
कुछ रास्ता ही कट गया ।

3. मैं पूर्णता की खोज में
दर–दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ–न–कुछ
रोड़ा अटकता ही रहा
पर हो निराशा क्यों मुझे ? जीवन इसी का नाम है,
चलना हमारा काम है।

4. जीवन अपूर्ण लिए हुए
पाता कभी खोता कभी,
आशा निराशा से घिरा
हँसता कभी रोता कभी,
गति–मति न हो अवरूद्ध, इसका ध्यान आठों याम है,
चलना हमारा काम है।

****

हिन्दी गद्य का इतिहास

वस्तुनिष्ट प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. हिन्दी गद्य का सूत्र पात ..... शताब्दी के प्रारंभिक वर्षो से हुआ।

(उन्नीसवीं / बीसवीं)

ब. हिन्दी का उपन्यास सम्राट ..... को कहा जाता है ।

(प्रेमचद / हरिवंशराय बच्चन)

स. ..... में भाषा की शुद्धता एवं वर्तनी की एक रूपता पर बल दिया गया ।

(द्विवेदी काल / भारतेन्दु काल)

द. सरस्वती पत्रिका के सम्पादक ..... थे।

(पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी / मोहन राकेश)

इ. ..... अंधेर नगरी नाटक के लेखक थे।

(जयशंकर प्रसाद / भारतेन्दु)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. हिन्दी गद्य के तृतीय उत्थान काल का समय है।

ब. द्विवेदी युग के कोई दो प्रमुख निबंधकारों के नाम बताइये।

स. सन् 1920 से 1945 तक के काल को हिन्दी गद्य में किस नाम से पुकारा जाता है।

द. गोदान के लेखक का नाम बताइए।

इ. रंगमंच परम्परा को विकसित करने वाली संस्था का नाम बताइये।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर जोड़ी बनाइए ?

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
हरिवंशराय बच्चन	–	कलम का सिपाही
जय शंकर प्रसाद	–	चंद्रकान्ता
अमृतराय	–	क्या भूलूं क्या याद करूँ
देवकी नंदन खत्री	–	अंधेर नगरी
भारतेन्दु हरिशचन्द्र	–	चन्द्रगुप्त

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. 'प्रेमचन्द महान कवि थे।

ब. पण्डित प्रतापनारायण मिश्र शुक्ल युग के प्रमुख लेखक थे।

स. फणीश्वरनाथ रेणु आंचलिक उपन्यासकार है।

द. शुक्लोत्तर युग में राष्ट्रीय जागरण के बारे में लिखा गया है।

इ. तुलसी दास जी महान उपन्यास कार थे।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनो के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. जय शंकर प्रसाद के समकालीन रचनाकार थे।

   अ. यशपाल ब. प्रेमचंद

   स. चन्द्रधर शर्मा द. लल्लू लाल

2. डॉ. रामकुमार वर्मा प्रमुख रूप से एक –

   अ. कहानीकार थे ब. संस्मरणकार थे

   स. एकांकीकार थे द. उपन्यासकार थे

3. निम्न में से बेमेल कौन है।

   अ. भारतेन्दु ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी

   स. रामचन्द्र शुक्ल द. महादेवी वर्मा

4. हिन्दी का नवजागरण काल कहा गया है।

   अ. द्विवेदी युग को ब. शुक्ल युग को

   स. भारतेन्दु युग को द. शुक्लोत्तर युग को

5. हरिश्चन्द्र मैग्जीन के सम्पादक थे।

   अ. रामचन्द्र शुक्ल ब. इंशा अल्लाह

   स. सदासुख लाल द. भारतेन्दु

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. हिन्दी गद्य के इतिहास को कितने भागों में विभाजित किया गया है। कालावधि व कालक्रम अनुसार विवरण दीजिए ।

प्रश्न 2. हिन्दी के चार प्रमुख उपन्यासकारों के नाम बताइये।

प्रश्न 3. भारतेन्दु काल के 4 प्रमुख साहित्य कारों के नाम बताईये।

प्रश्न 4. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने हिन्दी को नई दिशा दी इस बारे में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 5. गद्य की कोई आठ प्रमुख विधाओ के नाम लिखिए।

******

गद्य की विविध विधाएँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

प्रश्न 1 रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ) भारत दुर्दशा के नाटककार ..... हैं।

(महाकवि कालिदास/भारतेन्दु)

ब) हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास .....है।

(परीक्षा गुरू/चन्द्रकांता सन्तति)

स) ..... हिन्दी साहित्य के श्रेष्ठ व्यंग्य निबंध लेखक है।

(शरद जोशी/विद्या निवास मिश्र)

द) जीवनी साहित्य के विषय की दृष्टि से ..... भेद होते है। **(चार/पाँच)**

इ) 'कुटज' निबंध के लेखक ..... है।

(आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी/महावीर प्रसाद द्विवेदी)

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ) निबंध का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

ब) आत्मकथा कौन लिखता है ?

स) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के कहानीकार कौन हैं ?

द) कहानी की मुख्यतः कितनी शैलियाँ प्रचलित है ?

इ) भीष्म साहनी के एक उपन्यास का नाम लिखिए।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से 'ब' का मिलानकर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
क्या भूलूँ क्या याद करूँ	–	एकांकी
आषाढ़ का एक दिन	–	उपन्यास
एक घूँट	–	आत्मकथा
कंकाल	–	जीवनी
कलम का सिपाही	–	नाटक

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ) प्रेमचन्द के श्रेष्ठतम उपन्यासों में से गबन भी एक है।

ब) प्रतापनारायण मिश्र कहानीकार हैं।

स) जयशंकर प्रसाद का नाटक 'अजातशत्रु' है।

द) नाटक और एकांकी विद्या में कोई अंतर नहीं है।

इ) 'आवारा मसीहा' एक आत्मकथा है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

अ) भारतेन्दु युग के निबंधकारों में से नहीं हैं।

(i) बद्रीनारायण चौधरी (ii) भारतेन्दु हरिशचन्द्र

(iii) बालमुकुन्द गुप्त (iv) विद्यानिवास मिश्र

ब) हिन्दी कहानी को बाँटा गया है।

(i) चार भागों में (ii) तीन भागों में

(iii) पाँच भागों में (iv) छः भागों में

स) ''हार की जीत'' कहानी है।

(i) सुदर्शन की (ii) प्रेमचन्द की

(iii) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की (iv) जयशंकर प्रसाद की

द) 'अतीत के चलचित्र' विधा है।

(i) डायरी (ii) रिपोर्ताज

(iii) रेखाचित्र (iv) जीवनी

लघुउत्तरीय प्रश्न –

1. रेखाचित्र से आपका क्या आशय है ?
2. संस्मरण की परिभाषा दीजिए।
3. द्विवेदी युग के निबन्धों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
4. कहानी के देशकाल एवं वातावरण पर प्रकाश डालिए।
5. एकांकी और नाटक में कोई चार अंतर बताइए।
6. निबंध के प्रमुख भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. जीवनी और आत्मकथा में अंतर बताइए।

8. यात्रावृत्तान्त से आपका क्या आशय है ? किन्ही दो यात्रावृत्तान्त एवं उनके रचनाकारों के नाम लिखिए ।
9. एकांकी में अभिनेयता के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
10. निबंध लिखते समय ध्यान रखने योग्न बातें कौन – कौन सी हैं।
11. किन्ही चार उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

1. भारतेन्दु युग के निबंध की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
2. उपन्यास और कहानी में अंतर बताइए।
3. कहानी के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।
4. रेखाचित्र और संस्मरण में क्या अंतर है ?
5. हिन्दी गद्य के इतिहास को कितने भागों में बाँटा गया है ? संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।
6. पत्र विधा का आशय एवं पांच प्रमुख लेखकों के नाम लिखिए।
7. निबंध लेखन की विभिन्न शैलियों के नाम लिखिए।
8. गद्य की प्रमुख और गौण विधाओं को लिखिए।
9. नाटक के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।
10. किन्ही पाँच प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानियों के नाम लिखिए।
11. प्रेमचन्द के किन्ही पाँच उपन्यास के नाम बताइए।
12. शुक्ल युग के निबंधों की पाँच प्रमुख विशेषताऐं लिखिए।

1. उत्साह

– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ..... युग के प्रमुख निबंधकार हैं।

(शुक्ल / द्विवेदी)

ब. दु:ख के वर्ग में जो स्थान भय का है, वही स्थान आनंद वर्ग में ..... का है।

(उत्साह / निरूत्साह)

स. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल मौलिक, चिंतक, विचारक और ..... के रूप में जाने जाते हैं। **(समालोचक / नाटककार)**

द. चित्त में यही आता है कि कर्म बहुत सरल करना पड़े और .....बहुत सा मिल जाए **(धन / फल)**

इ. ..... आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रसिद्ध रचना है।

(चिंतामणि / शिरीष के फूल)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. साहस क्या है ?

ब. सूर, तुलसी और जायसी पर केन्द्रित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचनायें किस संग्रह में संग्रहित हैं ?

स. युद्ध वीर में विजेतव्य को क्या कहा जाता है ?

द. सबसे प्राचीन और प्रधान युद्ध क्या है ?

इ. किस भावना के कारण उत्साह उत्पन्न होता है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

	स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ.	झुंझलाहट	–	फल
ब.	लोकोपकारी कार्य	–	उत्साह
स.	कार्य भावना	–	मनोविकार
द.	कर्म	–	वीरों का सच्चा सुख
इ.	फलाशक्ति	–	कार्य मार्ग में बाधक

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ।

अ. आधुनिक निबंध साहित्य में शुक्ल जी युग प्रवर्तक साहित्यकार हैं।

ब. दान केवल कीर्ति और लोभ वश दिया जाता है।

स. प्रत्येक कर्म में बुद्धि का कोई योग नहीं होता।

द. बुद्धि द्वारा पूर्ण रूप से निश्चित की हुई व्यापार परम्परा का नाम प्रयत्न है।

इ. क्रोध की रक्षा का प्रयत्न झुंझलाहट है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. उत्साह है :–

   अ. दुर्गुण ब. मनोविकार

   स. अच्छा गुण स. भ्रमक स्थिति

2. वीर के उत्साह का विषय है :–

   अ. देश प्रेम ब. साहसिक यात्राएँ

   स. बलिदान द. विजय–विधायक कर्म

3. बिना बेहोश हुए भारी फोड़ा चिराने तैयार होना है :–

   अ. बुद्धिमत्ता ब. साहस

   स. नैतिकता स. उत्साह

4. कर्म की उत्तेजना करने वाला आनंद है –

   अ. साहस ब. क्रोध

   स. झुंझलाहट द. उत्साह

5. श्री कृष्ण का संदेश है :–

   अ. फलासक्ति का ब. कर्म–मार्ग

   स. युद्ध मार्ग स. मातृत्व

लघुउत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न 1. प्रत्येक कर्म में कौन–कौन से तत्व का योग समाहित रहता है ? 4

प्रश्न 2 फलासक्ति का कर्म पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 4

प्रश्न 3. भय और उत्साह में क्या अन्तर है ? 4

प्रश्न 4. उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में क्यों नहीं होती है ? 4

प्रश्न 5. उत्साह के प्रमुख लक्षण क्या हैं ? 4

प्रश्न 6. प्रयत्न की अवस्था में जीवन का कुछ अंश कैसे माहौल में बीतता है। 4

प्रश्न 7. साहित्य–मीमांसकों ने वीरों के कितने भेद बताये हैं ? 4

प्रश्न 8. कर्म के अच्छे या बुरे होने का निश्चय किस आधार पर होता है ? 4

प्रश्न 9. प्रयत्न किसे कहते हैं ? उत्साह का दर्शन कब होता है ? 4

प्रश्न 10. समुद्र लांघने के पीछे हनुमान जी के मन में कौन सी भावना थी ? उत्साह से इस भावना का क्या संबंध है ? 4

प्रश्न 11. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए । 5

'' साहस पूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है''

प्रश्न 12. '' कर्म में आनंद उत्पन्न करने वालों का नाम ही कर्मण्य है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न 13. अत्याचारों का दमन और क्लेश का शमन करना किस का कार्य है ? और क्यों ? 5

प्रश्न 14. ''झुंझलाहट, क्रोध की रक्षा का प्रयत्न है।'' इस कथन से क्या आशय है ? 5

प्रश्न 15 कर्म के मार्ग पर चलने वालों की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 16. कर्म के अनुष्ठान में जो आनंद होता है उसका विधान किन–किन रूपों में दिखाई देता है?

प्रश्न 17. अधिकांश भारतवासी कर्म से तो उदास बैठें हैं लेकिन फल के पीछे पड़े हैं । इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? 5

प्रश्न 18. ''वे काम बड़े उत्साह से किए जा रहे हैं'' इसका क्या अभिप्राय है ? 5

प्रश्न 19. धीरता और साहस से आप क्या समझते हैं ? इन दोनों को उत्साह के अंतर्गत कब लिया जा सकता है ? 5

प्रश्न 20 ''किसी प्रिय मित्र के आने का समाचार प्राप्त करके थोड़ा हँस देना ही उत्साह है।'' इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ? 5

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम कि विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मो के प्रति इतना सुन्दर दिखाई पड़ता है, अकर्तव्य कर्मो की ओर होने पर वैसा शलाध्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, पररक्षा, देश–रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है उसके सौन्दर्य को पर–पीड़न, डकैती आदि कर्मो का साहस कभी नहीं पहुंच सकता।

ब. थोड़ा यह भी देखना चाहिए की उत्साह में ध्यान किस पर रहता है। कर्म पर, उसके फल पर अथवा व्यक्ति या वस्तु पर ? हमारे विचार में उत्साही वीर का ध्यान आदि से अंत तक पूरी कर्म–श्रंखला पर से होता हुआ उसकी सफलता रूपी समाप्ति तक फैला रहता है। इसी ध्यान से जो आनंद की तरंगे उठती हैं वे ही सारे प्रयत्न को आनंदमय कर देती हैं।

स. फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है, चित्त में यही आता है कि कर्म बहुत सरल करना पड़े और फल बहुत सा मिल जाए। श्रीकृष्ण ने कर्म –मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया, पर उनके समझाने पर भी भारतवासी इस वासना से ग्रस्त होकर कर्म से तो उदास हो बैठे और फल के इतने पीछे पड़े कि गरमी में ब्राहण को एक पेठा देकर पुत्र की आशा करने लगे।

द. कर्म में आनंद का अनुभव करने वालों का ही नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मो के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुये चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्म–वीर का सच्चा सुख है। कर्म की और हाथ बढ़ाने से सुख मिलना शुरू हो जाता है।

****

2. शिरीष के फूल

– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. शिरीष पक्के ..... की भांति है। **(अवधूत / मेघदूत)**

ब. जरा और मृत्यु चिरपरिचित प्रमाणिक .....हैं। **(तथ्य / सत्य)**

स. महात्मा गाँधी और शिरीष के फूलों के गुणों में ..... है।

(असमानता / समानता)

द. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म .....गाँव में हुआ था।

(बाबई / छापरा)

इ. ''शिरीष के फूल'' एक .....है। **(संस्मरण निबंध)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. शिरीष के फूल में लेखक ने बापू को क्या कहा है ?

ब. किस ऋतु के आगमन के साथ शिरीष का फूल लहक उठता है ?

स. शिरीष का फूल किस साहित्य के अनुसार कोमल माना गया है ?

द. ''प्रेखादोला'' क्या है ?

इ. ''जरा और मृत्यु'' ये दोनों जगत के अतिपरिचित और अति प्रमाणिक सत्य को तुलसी दास ने किन पंक्तियों से स्पष्ट किया है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

	स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ.	अमलतास	–	शकुंतला
ब.	कालजयी अवधूत	–	प्रामाणिक सत्य
स.	कालिदास	–	बसंत ऋतु का पलाश
द.	प्रेखादोला	–	झूला
इ.	जरा और मृत्यु	–	शिरीष

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ।

अ. शिरीष का फूल चिलकती धूप में कुम्हला जाता है।

ब. शिरीष के फूल कोमल हैं लेकिन उनके फूल मजबूत होते हैं।

स. शिरीष के वृक्ष बड़े छायादार होते हैं।

द. शिरीष के पुष्प पक्षियों का दवाब भी सहन कर सकता है।

इ. शिरीष के फूल, भादों तक हमेशा निर्घात फूलता रहता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. शिरीष के फूल की विशेषता नहीं है :–

   अ. छायादार　　ब. गर्मियों में फूलना

   स. सुन्दर　　स. वर्षा में लहकना

2. शिरीष के फूल को ''अद्‌भुत अवधूत'' की संज्ञा दी गई है क्यों कि वह :–

   अ. अनुयय है　　ब. अतिप्राचीन है

   स. कभी हार नहीं मानता　　द. अतिसुन्दर है

3. ''शिरीष के फूल'' समान थे :–

   अ. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी　　ब. सूरदास

   स. रविदास　　स. कबीर

4. शिरीष पुष्प केवल दवाब सहन कर सकता है :–

   अ. लकड़ी का　　ब. तितली का

   स. भौंरों के पदों का　　द. टिड्डे का

5. पुराने भारत में अक्सर रईस लोगों के घर शिरीष का पौधा लगाया जाता था :–

   अ. आंगन में　　ब. छत पर

   स. चहारदीवारी पर　　स. कहीं भी

लघुउत्तरीय प्रश्न – (चार एवं पांच अंक)

प्रश्न 1. 'शिरीष' और 'अमलतास' में क्या प्रमुख अंतर हैं ? 4

प्रश्न 2. शिरीष के संदर्भ में किन–किन विद्वानों का उल्लेख है ? 4

प्रश्न 3. शिरीष किन परिस्थितियों में जीवन जीता है ? 4

प्रश्न 4. शिरीष निर्घात फूलता रहता है, कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? 4

प्रश्न 5. ''कालिदास अनासक्त योगी थे'' कथन स्पष्ट कीजिए। 4

प्रश्न 6. हमारे जीवन में किस गुण का संचार शिरीष के फूल द्वारा किया जाता है ? 4

प्रश्न 7. लेखक ने शिरीष के फूलों की तुलना किससे की है ? और क्यों ? 4

प्रश्न 8. संस्कृत साहित्य के अनुसार शिरीष के फूल की प्रकृति क्या है ? 4

प्रश्न 9. भयंकर लू के समय भी शिरीष कुम्हलाता नहीं है। क्यों ? 4

प्रश्न 10. बसंत के आगमन के समय शिरीष के पुराने फल के बुरी तरह लडखडाने से लेखक को किस की याद आती है ? और क्यों ? 4

प्रश्न 11. लेखक ने कबीर की तुलना शिरीष से क्यों की है ? समझाइए ? 5

प्रश्न 12. 'जरा और मृत्यु ये दोनों ही जगत के अति परिचित और अति प्रामाणिक सत्य हैं'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ? 5

प्रश्न 13. ''शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है जो दुःख या सुख में हार नहीं मानता'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए । 5

प्रश्न 14. शिरीष के फूलों के संदर्भ में तुलसीदास जी के क्या कथन हैं ? 5

प्रश्न 15. कालिदास द्वारा लिखित वह श्लोक लिखिए जिसमें शकुंतला के कानों में ''शिरीष के पुष्प'' होने का उल्लेख है। 5

प्रश्न 16. जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न होने पर भी उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए। शिरीष के फूलों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए । 5

प्रश्न 17. ''अनासक्त और फक्कड़ कवि ही वास्तविक रूप से कवि हैं'' इस कथन से आप कहां तक सहमत है। 5

प्रश्न 18. ''शिरीष के पुष्प'' लेखक के मानस में थोड़ा हिल्लौल क्यों पैदा करते हैं ? 5

प्रश्न 19. ''धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा जो बरा सो बताना'' से तुलसीदास ने किस सच्चाई को प्रकट किया है ? 5

प्रश्न 20. कर्णाट–राज्य की प्रिया विज्जिका देवी ने गर्वपूर्वक क्या कहा था ? ''शिरीष के फूल'' पाठ के आधार बतलाइये। 5

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. बसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प–पत्र से सर्मपित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह फडफड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओ की बात याद आती है, जो किसी प्रकार जमानें का रूख नहीं पहचानते और जब नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमें रहते है।

ब. शिरीष एक अद्भुत अवधूत है दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते हैं तब भी यह हजरत न जाने कहॉ से अपना रस खींचते रहते हैं। अवधूतों के मुंह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएं निकली हैं कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह पर सरस और मादक।

स. कविवर रविन्द्रनाथ ने एक जगह लिखा है – राजोद्यान का सिंह द्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुन्दर क्यों न हो वह यह नहीं सोचता कि हम में आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गन्तव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है। यही बताना उसका कर्तव्य है। फूल हो या पेड़ वह अपने आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिये उठी हुई ॲगूली है। यह इशारा है।

द. शिरीष तरू सचमुच पक्के अवधूत की भांति मेरे मन में ऐसी अग्नि जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती है। इसे चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन –धूप आंधी, लू अपने आप में सत्य नहीं है ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मारकाट, अग्निदाह, लूटपाट, खून–खच्चर का बवंडर बह गया है उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है।

****

3. जननी जन्मभूमिश्च

– विद्यानिवास मिश्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. ..... का कोई विकल्प नहीं है। **(कर्मभूमि / जन्मभूमि)**

ब. विद्यानिवास मिश्र का जन्म गोरखपुर जिले के ..... नामक गांव में हुआ था। **(पकड़डीहा / फतेहपुर)**

स. जननी और जन्मभूमि ..... से अधिक श्रेष्ठ होते हैं। **(स्वर्ग / नरक)**

द. स्वर्ग के स्वाद से बेहतर है ..... द्वारा परसी गई रोटियां। **(बहन / माँ)**

इ. माँ और जन्मभूमि का ..... से वरण नहीं किया जा सकता। **(परइच्छा / स्वेच्छा)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. '' जननी जन्मभूमिश्च'' पाठ में 'बड़ा घर' से क्या आशय है ?

ब. ईश्वर को बार–बार भूमि पर क्यों उतरना पड़ा है ?

स. विरक्त शंकराचार्य को मुमूर्ष मां की पुकार पर कहां आना पड़ता है ?

द. बड़प्पन कैसे आता है ?

इ. कुछ प्रवासी भारतीयों के अनुसार वे नरक में क्यों पड़े हैं ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

	स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ.	प्रवासी भारतीय जन	–	वीर–पथ
ब.	स्वर्ग से श्रेष्ठ	–	जेल–खाना
स.	''भारतीय संस्कृति का एक प्रतीक	–	स्वदेश–स्मरण
द.	बड़ा घर	–	गंगा नदी
इ.	पुष्प की अभिलाषा	–	मातृभूमि

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ।

अ. श्री राम के चित्रकूट की कुटिया और राधा की गौशाला, मेरे देश के सबसे बड़े घर हैं।

ब. आमतौर पर हर व्यक्ति अपनी निजता को खोना चाहता है।

स. मातृभूमि तो आपकी लात भी सहती है, स्वर्ग नहीं सहता ।

द. ''जननी जन्मभूमिश्च'' पाठ में लेखक ने पारंपरिक लोकगीत के माध्यम से माँ के दूध को प्रतिष्ठित किया है।

इ. माँ का दूध बहुमूल्य है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. डेढ़ वर्ष के प्रवास के बाद लेखक कहां लौट रहे थे :–

   अ. करांची ब. तेहरान

   स. स्वदेश स. विदेश

2. हम क्या हैं :–

   अ. माता और जन्म भूमि के स्नेह के पिण्ड

   ब. भौतिक संपदा

   स. चेतन शरीर

   द. इनमें से कोई नहीं

3. आमतौर पर विवाह के पूर्व एक भारतीय लोकाचार है :–

   अ. लोकनृत्य करना ब. दावत देना

   स. विवाह गीत गाना स. गांव के देवी देवताओं की परिक्रमा करना

4. विद्यानिवास मिश्र का कविता संग्रह है :–

   अ. विंध्य भूमि ब. तमाल के झरोखे से

   स. पानी की पुकार द. चितवन की छाँह

5. लंका के आतिथ्य सत्कार को अस्वीकार करते हुए भगवान रामचन्द्र ने कहा था :–

   अ. लंका रोचक नहीं है ब. लंका, विदेश में है

   स. लंका में रावण रहता है

   द. जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से अधिक गौरवशाली हैं।

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. मातृभूमि और स्वर्ग में मूलभूत अंतर क्या है ?

प्रश्न 2. ''गंगा और गंगा के कछार को मेरा सलाम कहें'' ये कथन लेखक से किसने कहा और क्यों?

प्रश्न 3. गाय के दूध और माँ के दूध की तुलना नहीं की जा सकती । क्यों ?

प्रश्न 4. पुष्प की अभिलाषा क्या है ? और क्यों ?

प्रश्न 5. लेखक ने अपने भारतीय हमवतन के चार सौ साला स्वर्ग को किस सुख पर हजार बार न्यौछावर किया है ?

प्रश्न 6. श्री राम के चित्रकूट, राधा की गौशाला और बापू के साबरमती आश्रम में क्या समानता है ?

प्रश्न 7. भारत में जन्मे लेकिन अमरीका के अन्न से दसेक वर्षों तक पले भारत के सपूत, हिन्दुस्तान क्यों नहीं लौटना चाहते ?

प्रश्न 8. पुष्प की अभिलाषा क्या है ? पंक्तियों से स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 9. स्वर्ग अधिक लुभावना क्यों हो गया है ?

प्रश्न 10. मां के द्वारा परसी गई रोटी का स्वाद और स्वर्ग का कोई भी स्वाद में से कौन श्रेष्ठ है ? और क्यों ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न –(प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1 जन्मभूमि के प्रति प्रेम और राष्ट्रप्रेम में कोई अंतर्विरोध नहीं है। ''जननी जन्मभूमिश्च'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. लेखक के नीग्रो कविमित्र ने अमेरिका के संबंध में क्या विचार व्यक्त किये ?

प्रश्न 3. 'मुल्क बदल जाये वतन तो वतन होता है '' का भाव पल्लवन कीजिये।

प्रश्न 4. ''जननी जम्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसि'' का भाव पल्लवन कीजिये।

प्रश्न 5. ''गहरी मानवीय ममता की फसल किसी स्वर्ग में तैयार नहीं हुई बल्कि पृथ्वी पर हुई है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 6. हाड़मांस के पुतले के अलावा मनुष्य और क्या है ?

प्रश्न 7. अपभ्रंश के पुराने दोहे के अनुसार देश का सबसे बड़ा घर क्या है ?

प्रश्न 8. विदेशों में रह रहे भारतीयों के अंतर्मन में स्वदेश के प्रति क्या विचार हैं ?

प्रश्न 9. अनेक प्रवासी भारतीयों के विचार, विदेशों के बारे में क्या हैं ? और क्यों ? बावजूद इसके ऐसे प्रवासी भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं ? क्यों ?

प्रश्न 10. ''बड़ा होना अच्छा है कि बड़प्पन'' और क्यों ?

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. मनुष्य जब कभी अपने बावजूद कहीं बेकाबू हो जाता है, वही उसकी मनुष्यता उभरकर ऊपर आ जाती है । राष्ट्रीयता के दायित्व का वरण एक चरम मानवीय मूल्य के आगे कुछ छोटा पड़ जाता है । इससे राष्ट्रीय भावना को क्षति नहीं होती, वह भावना भी और संस्कृत होती है, क्यों कि तभी व्यक्ति दूसरे की भावना को आदर देना सीखता है, देश भक्ति का सही अर्थ पाता है। देशभक्ति मानवीय मूल्यों की कीमत पर पाना, पाना नही ं।

ब. माँ जब देती है, वतन जब देता है, तो हमें उस समय कहां सुधि रहती है कि हम कुछ पा रहे हैं, उस समय तो हमारा धीरे–धीरे पलना, बढ़ना और इनके प्यार का बरसना – एक साथ घटित होते रहते हैं, मानो उनका देना ही हमारा आकार बन रहा हो। माता और जन्मभूमि के स्नेह के पिंड के सिवा हम है। क्या ? हमारे क्षेत्र में वर जब विवाह करने चलता है तो अंत में माँ से विदा लेता है और उससे कहा जाता है कि माँ का एक बार दूध पियो।

स. मातृभूमि और स्वर्ग में अंतर है, मातृभूमि तो आपकी लात भी सहती है, स्वर्ग नहीं सहता। भगवान राचन्द्र जी ने और भगवान श्रीकृष्ण ने स्वर्ग की अपेक्षा झूठे ही नहीं की । मेरे मन में विचार बहने लगे। मनुष्य हॉड़मांस ही नहीं है, वह कुछ और भी है, वह हवा, पानी मिट्टी का स्पर्श भी है, एक ऐसा रेग भी है, जो उसे सूरज से मिलता है।

द. यह कचरा फेंक उपभोक्ता सभ्यता का देश, यह आदमी और आदमी के बीच अदृश्य झिल्ली की दीवार बनाने वाली संस्कृति का देश, यह खरीदो–खरीदो के पागलपन वाला देश अगर स्वर्ग है तो फिर नरक कहॉ है ? मैं भीतर ही भीतर उद्वेलित हो गया कि यह पहेली बडी अनबूझी पहेली है, मन देश के लिये, देश की छोटी –छोटी चीजों के लिये तरसता रहता है।

******

4. धूपगढ़ की सुबह सांझ

– श्रीराम परिहार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. श्रीराम परिहार की लेखनी में ..... के दर्शन अनायास होते हैं।
(प्राकृतिक सौन्दर्य / लोकसंस्कृति)

ब. श्रीराम परिहार की भाषा ..... खड़ी बोली है। **(विशुद्ध / संस्कृतनिष्ठ)**

स. धूपगढ़ ..... जिले में स्थित है। **(नरसिंहपुर / होशंगाबाद)**

द. प्रकृति, सुख–दुख से .....है। **(भरी / परे)**

इ. धूपगढ़ से सांध्य क्षितिज तक फैली सतपुड़िया भूमि पर .....के नूपुरों के धूलिकण तैरने लगते हैं। **(नील कबरी / नृत्यांगना)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. सतपुड़ा पर्वत श्रंखला की सबसे ऊँची चोटी का नाम क्या है ?

ब. 'धूपगढ़ की सुबह–सांझ' में लेखक ने किसका चित्रण किया है ?

स. सुबह और सांझ में क्या पारस्परिक संबंध है ?

द. सुबह और सांझ प्रकृति की किस गति के प्रतीक हैं ?

इ. धूपगढ़ की सांझ, पृथ्वी को क्या देने वाली है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ. तमतमाते दिवस की अवसान	–	मनोभयकाशे के अनुराग का राग
ब. प्रकृति की सहजातगति	–	समभाव
स. धूपगढ़ की सांझ	–	पचमढ़ी
द. सुबह की लालिमा और सांझ की पीताभ	–	शांत
इ. पर्वत की रानी	–	सुबह और शाम

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए ।

अ. सबेरा पांवों में पंख लगाकर जीवन को अग्निकण चुनने भेजता है।

ब. मां की सी ममता और हृदय रसज्ञता सांझ के पास है।

स. यह सांझ वनैले पुशओं की सुप्त बेला है।

द. धूपगढ़ का पूर्वी छोर जहां से सूर्योदय दिखाई देता है वह सतपुड़ा की सबसे ऊँची चोटी है।

इ. धूपगढ़ की सुबह, सांझ से अधिक सुन्दर है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. सांझ, पृथ्वी को प्रदान करती है :–

   अ. उष्णता　　ब. शीतलता

   स. नमी　　स. शांति

2. प्रकाश का सबसे लंबा स्नान करता है :–

   अ. पचमढ़ी　　ब. श्रीनगर

   स. धूपगढ़　　द. कोई भी ग्रामीण क्षेत्र

3. प्राकृतिक चेतन सौंदर्य का सप्तवर्णी ज्वार हृदय में पूरी तरह समेटना :–

   अ. असंभव　　ब. संभव

   स. कभी–कभी संभव　　स. कभी असंभव कभी संभव

4. धूपगढ़ की सुबह को देखने के लिए जागरण काल है :–

   अ. ब्रह्ममुहूर्त　　ब. विवाह मुहूर्त

   स. कोई निश्चत नहीं　　द. द्वितीय पहर

5. धूपगढ की अवसान बेला में शांत नहीं है :–

   अ. वनस्पति　　ब. पक्षी

   स. सांसारिक प्रपंच　　स. पशु

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. धूपगढ़ किस जिले के किस प्रसिद्व पर्यटक स्थल में स्थित है ?

प्रश्न 2. सतपुड़ा का गौरव क्या है ? और क्यों ?

प्रश्न 3. एक समय, मध्य प्रदेश की ग्रीष्म कालीन की राजधानी पचमढ़ी होती थी । क्या ये सत्य है? यदि हां तो क्यों ?

प्रश्न 4. लेखक ने सुबह और सांझ की तुलना माता–पिता के किन गुणों से की है ? और कैसे ?

प्रश्न 5. सांझ की आंखों में करूणा क्यों उभर आती है ?

प्रश्न 6. धूपगढ़ की सुबह और सांझ की परस्पर तुलना करना कठिन है। क्यों ?

प्रश्न 7. धूपगढ के गर्वोन्नत और अचंचल शिखर पर पहुंचते हुये क्या आभास होता है ?

प्रश्न 8. धूपगढ़ में सूर्योदयिक क्षण को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिये।

प्रश्न 9. प्राची के हिरण्य गर्भ से बलारूण की जन्मबेला का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

प्रश्न 10. ''भोर और सांझ पलक उठने और गिरने के सिवाय और कुछ नहीं है'' ? इस कथन का क्या आशय है ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. लेखक सुबह और सांझ के माध्यम से क्या कहना चाहता है ?

प्रश्न 2. तमतमाते दिवस की अवसान बेला कैसी है ?

प्रश्न 3. लेखक ने ''धूपगढ़ की सुबह सांझ'' में प्रातः कालीन पूर्ण सूर्य बिंब की तुलना किन–किन बातों से की है ?

प्रश्न 4. पचमढी को पर्वतों की रानी क्यों कहा गया है ?

प्रश्न 5. धूपगढ़ की सुबह और सांझ में से किसका प्रभाव गहरा है ? और क्यों ?

प्रश्न 6. 'धूपगढ़ की सुबह सांझ' पाठ का केन्द्रीय भाव क्या है ?

प्रश्न 7. सतपुड़ा का सारा निसर्गगत सौन्दर्य पचमढ़ी की गोदी में झूल रहा है। इस कथन से आप कहां तक सहमत है ?

प्रश्न 8. ''धूपगढ़ की सुबह सांझ'' पाठ में लेखक ने सुबह और सांझ को गतिशील कालचक्र से संबद्ध किया है ? कैसे ?

प्रश्न 9. ''धूपगढ़ की सुबह सांझ'' पाठ में सुबह और सांझ के मध्य प्रमुख रूप से क्या अंतर बतलाया गया है ?

प्रश्न 10. भौतिक निर्धनता की पूर्ति उस क्षेत्र में प्रकृति अपने सानिध्य के सुख से करती है। इस कथन को स्पष्ट कीजिये।

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. समय की डाली पर सुबह और सांझ के दो फूल खिले हैं। दोनों का वर्ण एक होते हुए भी सुगंध भिन्न–भिन्न है । दोनों, दो समय स्थितियों के प्रस्थान बिन्दु है। वसुंधरा पर मासूम रंगो की अदृश्य कूँची से उकेरे जाने वाले दिक्काल के उद्‌गम हैं। सुबह पखेरूओं के पंखो पर गतिमान होकर नये देश क्षितिज तक जाती है। सांझ उन्ही पंखो पर ढेर सारा आत्मविश्वास और कर्म पूर्णता की तृप्ति लेकर अपने घर गाँव लौटती है।

ब. धूपगढ़ की सुबह को देखने के लिये ब्रह्ममुहूर्त में जागना होता है घर्र–घर्र नाद वाली लौह–गाड़ी पर सवार होकर वन–वल्लरियों के बीच से ऊपर चढ़ना होता है बीच में छोटी गहरी नदी पार करनी होती है। फिर एक अनबूझी और अनमापी चढ़ाई पर बढ़ते जाना। परिकल्पना के पंखों पर तैरते हुये ऊपर और ऊपर चढ़ते चले जाना गोल घुमावदार पथ पर कहीं–कहीं हल्का सा टकराता हुआ भय दबे पॉव आता है।

स. धूपगढ़ की सुबह देखी है सॉझ भी देखी है। दोनों में किसका सौंदर्य ज्यादा है ? किसका रंग घना है ? किसका प्रभाव गहरा है ? नहीं कह सकते। यह तुलना ही अनुचित है। सुबह–सुबह है। सॉझ–सॉझ है। दोनों की अपनी दुनिया है। अपनी महिमा है। अपना सम्मोहन है। सामान्यतः सुबह और सांझ अपने प्राकृतिक चक्र के कारण सहज रूप से आती जाती हैं।

द. पचमढ़ी में स्थित धूपगढ़ । सुबह आकर सबसे पहले इसे प्रणाम करती है। सॉझ जाते–जाते सबसे आखिरी में इससे विदा लेती है। प्रकाश का सबसे लंबा स्नान यही करता है। धूपगढ़ की सुबह निराली है। धूपगढ़ की सॉझ सुहानी है। ये सतपुड़ा का गौरव है। इस गौरव को सुबह सॉझ धूपस्नान कराती है। कुंकुम और रोली का टीका लगाती है। धूपगढ़ की उज्जवल हंसी वनवासियों कील रूखी नंगी देह को शीतल स्पर्श देने की कोशिश करती है।

****

5. नीरा

– जय–शंकर प्रसाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. ''नीरा'' हिन्दी गद्य की ..... विधा है। **(एकांकी / कहानी)**

ब. छायावादी काव्य के प्रवर्तक ..... हैं। **(जयशंकर प्रसाद / कबीर)**

स. नीरा के साथ विवाह का प्रस्ताव ..... ने प्रस्तुत किया । **(अमरनाथ / देवनिवास)**

द. जय शंकर प्रसाद की ..... नामक रचना अपूर्ण है। **(कंकाल तितली / इरावती)**

इ. ''चन्द्रगुप्त'' और ''स्कंदगुप्त'' ..... हैं। **(एकांकी / नाटक)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. ''नीरा'' कहानी अभाव और किसके बीच संघर्षरत पात्र की व्यथा–कथा है ?

ब. नीरा की माँ का क्या नाम है।

स. बूढ़े बाबा अपने कृत्यों के लिए किसको उत्तरदायी समझते है ?

द. जय शंकर प्रसाद की कौन सी रचना अपूर्ण है ?

इ. बूढ़े बाबा का व्यवसाय क्या था ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ. नीरा	–	विवाह का प्रस्ताव
ब. देवनाथ	–	वृक्ष
स. अमरनाथ	–	मातृहीन
द. मौलसिरी	–	नास्किता को धिक्कार
इ. धुव्रस्वामिनी	–	नाटक

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए ।

अ. देवनिवास के अकाट्य तर्क से सारे काम हो गये ।

ब. झोपड़ी के भीतर बुड्ढा, मनोयोग से लाई फांक रहा था और नीरा बासी रोटी खा रही थी।

स. नीरा की मां की मृत्यु सेन्फ्रांसिस्को में हुई थी।

द. किशोरावस्था में नीरा का मस्तिष्क उदासीन और शांति परिलक्षित होने से देवनिवास मन ही मन नीरा के सामने प्रणत हुआ।

इ. ''नीरा'' कहानी के अंत में बूढ़े को खांसी के साथ ढेर सारा रक्त गिरा था।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. स्टीमर नहीं है :–
   - अ. बादशाह
   - ब. पंडित
   - स. सतलज
   - स. ऐलिफेंटा
2. अमरनाथ बूढ़े के विचार को :–
   - अ. नहीं बदल पाता
   - ब. बदल देता है
   - स. परिवर्तित कर देता है
   - द. जस का तस रखता
3. झोपड़ी में बुड्ढा कहां पड़ा था :–
   - अ. खटिया पर
   - ब. पुआल पर
   - स. जमीन पर
   - स. पलंग पर
4. ''बाबा चुप न रहोगे खांसी आने लगेगी'' किसने कहा था :–
   - अ. देवनिवास ने
   - ब. अमरनाथ ने
   - स. नीरा ने
   - द. मौलसिरी ने
5. बुड्ढे को आशंका थी कि :–
   - अ. नीरा कैद होगी
   - ब. नीरा अस्वस्थ होगी
   - स. किसी अत्याचारी के हाथों पकड़ी जाएगी
   - स. नीरा की दुर्घटना होगी

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. अपराधों का दण्ड तत्काल ने मिलने पर क्या परिणाम हुआ है ?

प्रश्न 2. नीरा के पिता को किस बात की चिंता थी ?

प्रश्न 3. ''भगवान यदि हो तो आपका भला कहने'' के पीछे नीरा के पिता बूढ़े बाबा के किस भाव का आभास होता है ?

प्रश्न 4. देवनिवास द्वारा नीरा के साथ विवाह का प्रस्ताव रखने पर बूढ़े बाबा की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्रश्न 5. 'नीरा' कहानी के आधार पर बूढ़े बाबा की प्रमुख चारित्रिक विशेषताएं लिखिए ।

प्रश्न 6. 'आलोचक' में लिखे लेख की उलाहना क्या थी ? 'नीरा कहानी के आधार पर बतलाइये।

प्रश्न 7. बूढे बाबा को मोटरों की बजाय साइकिल से अधिक डर लगता था। क्यों ?

प्रश्न 8. बूढ़े बाबा का नीरा के प्रति व्यवहार कैसा था ? क्या नीरा बूढ़े बाबा के इस व्यवहार का प्रतिकार करती थी ?

प्रश्न 9. 'मटिया बुर्ज' क्या है ? ''नीरा'' कहानी के आधार पर बतलाइये ?

प्रश्न 10. 'बूढ़ा अभावग्रस्त है लेकिन जागरूक भी है' नीरा कहानी के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. 'छायावादी काव्य के प्रवर्तक जयशंकर प्रसाद की रचनाएं आदर्शों का प्रतिमान स्थापित करती हैं। इस कथन के आधार पर जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 2. देवनिवास कौन था ? वह नीरा के किन गुणों से प्रभावित है ?

प्रश्न 3. कहानी का शीर्षक 'नीरा' कितना सार्थक है ?

प्रश्न 4. देवनिवास या बूढ़े बाबा के चरित्र के आधार पर सिद्ध कीजिए कि ये कहानी अपने पात्रों के चरित्र चित्रण में सफल रही है।

प्रश्न 5. बूढ़े बाबा के अनुसार ''मेरे जीवन की संसार से झगड़ते रहने की कथा है'' इस कथन से क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 6. कुलसम का बूढ़े बाबा से क्या संबंध था ? कुलसम की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 7. 'बूढ़ा प्रारंभ में अविचारी था' ''नीरा'' कहानी के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 8. 'जो काम देवनिवास अपने तर्कों से नहीं कर सका उसे उसके कार्य ने संभव बनाया । बूढ़े बाबा के नास्तिक से आस्तिक बनने के घटनाक्रम को दृष्टिगत रखते हुये इस कथन को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 9. 'नीरा' कहानी में किस पात्र ने आपको अधिक प्रभावित किया है और क्यों ?

प्रश्न 10. 'नीरा' कहानी में बूढ़े बाबा को अखबार से बहुत अधिक लगाव था । इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. मैं कहता न था, मुझे मोटरों से उतना डर नहीं लगा, जितना इस बे–दुम के जानवर साइकिल से। मोटर वाले तो दूसरों को ही चोट पहुँचाते हैं, पैदल चलने वालों को कुचलते हुए निकल जाते है, पर ये बेचारे तो आप ही गिर पड़ते हैं। क्यों बाबू साहब आपको चोट नहीं लगी ? हम लोग तो चोट–घाव सह सकते हैं।

ब. क्या करूँ ? बिना भीख मांगे इस सर्दी में पेट गालियां देने लगता है। नींद भी नहीं आती चार–छः पहरों पर तो कुछ न कुछ इसे देना ही पड़ता है। और भी मुझे एक रोग है। दो पैसों बिना वह नहीं छूटता–पढ़ने के लिये अखवार चाहिए, पुस्तकालयों में चिथड़े पहनकर बैठते पाऊँगा, इसलिये नहीं जाता । दूसरे दिन का बासी समाचार–पत्र दो पैसे में ले लेता हूँ।

स. दुःख की बात सोचकर ही तो हॅसी आ गई । हम मूर्ख मनुष्यों ने त्राण की आशा से ईश्वर पर पूर्वकाल में विश्वास किया था। परस्पर विश्वास और सदभाव को ठुकराकर। मनुष्य, मनुष्य का विश्वास नहीं कर सका। इसलिए एक सुखी दूसरे दुखी की और घृणा से देखता था। दुःख ने ईश्वर का अवलंबन लिया, तो भी भगवान ने संसार के दुःखो की सृष्टि बंद कर दी क्या ? मनुष्य के बूते का न रहा।

द. आपको क्रोध आ गया, क्यों महाशय! आने की बात ही है। ले लीजिए अपनी अठन्नी। अठन्नी देकर ईश्वर में विश्वास नहीं कराया जाता । उस चोट के बारे में पुलिस में जाकर न कहने के लिये भी अठन्नी की आवश्यकता नही। ऐश्वर्य वालों को, जिन पर भगवान की पूर्ण कृपा है , अपनी सहृदयता से ईश्वर का विश्वास कराने का प्रयत्न करना चाहिए। कहिए, इस तरह भगवान की समस्या सुलझाने के लिये आप प्रस्तुत हैं।

****

6. स्नेह बंध

– मालती जोशी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. 'स्नेह बंध' कहानी में ..... संबंधों का चित्रण है। **(मां–बेटी / सास–बहू)**

ब. श्रीमती मालती जोशी प्रसिद्ध .....है। **(कहानीकार / नाटककार)**

स. मीता के पति का नाम .....है। **(ध्रुव / शिव)**

द. शिव, मीता का ..... है। **(पति / देवर)**

इ. ध्रुव्र को दी गई सूची दरअसल बहू के लिए ..... थी ।

(आचार संहिता / कर्तव्य निष्ठा)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. मीता के उन्मुक्त, सहज और स्वाभाविक व्यवहार को मीता की सास क्या समझती है?

ब. जब मीता के ससुर की तबियत खराब हो जाती है तब मीता कहां थी ?

स. मीतू का पूरा नाम क्या था ?

द. मीता के ससुर को प्राइवेट वार्ड में क्यों नहीं रखना चाहते थे ?

इ. मीता के ससुर को होश आने के बाद उनके पास कौन बैठा था ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ. मीता	–	प्रशिक्षण के लिये जर्मनी
ब. ध्रुव	–	कॉलेज विद्यार्थी
स. शिव	–	आर्किटेक्ट
द. मालती जोशी	–	ननद
इ. सविता	–	कहानीकार

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए ।

अ. ''स्नेह बन्ध'' कहानी में अंत तक मीता की सास का हृदय परिवर्तित नहीं हुआ ।

ब. मालती जोशी की कहानियों में नारीमन के सूक्ष्म–स्पंदनों का चित्रण है।

स. ''स्नेह बन्ध'' कहानी में शिव ने किस सूची को बीस सूत्री कार्यक्रम कहा और क्यों?

द. मीता की सास को ननद को उसके साड़ी पहनने पर आपत्ति नहीं थी।

इ. शिव और मीता ने फर्स्ट शो में ''अंगूर'' फिल्म देखी ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. मीता ने किया था :–

   अ. राघव विवाह　　ब. अंतरजातीय विवाह

   स. प्रेमविवाह　　स. बहुविवाह

2. अक्सर नई बहू के साथ समस्या होती है :–

   अ. पहनने–ओढ़ने की　　ब. भोजन पकाने की

   स. घूमने फिरने की　　द. उपरोक्त सभी की

3. ध्रुव को प्रशिक्षण के लिए जर्मनी कितने महीनों के लिए जाना था :–

   अ. दो माह　　ब. तीन माह

   स. पांच माह　　स. छः माह

4. मीता के ससुर को अचानक कहां दर्द हुआ :–

   अ. सिर में　　ब. कान में

   स. हृदय में　　द. पेट में

5. शादी के बाद मीता और उसका पति कहां घूमने गये थे :–

   अ. देहरादून　　ब. श्रीनगर

   स. मसूरी　　स. बम्बई

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. ध्रुव ने मीता के पिता को किस प्रकार आश्वस्त किया।

प्रश्न 2. मीता की सास को मीता की कौन सी बातें खटकती थीं ?

प्रश्न 3. मीता विदेश क्यों नहीं जाना चाहती थी ?

प्रश्न 4. शादियों में कुछ लोग किस उद्वेश्य से जाते हैं ? सबसे अधिक आलोचना किसे झेलनी पड़ती है ?

प्रश्न 5. मीता से पहली भेंट का उसकी सास की क्या प्रभाव पड़ा ?

प्रश्न 6. मीता के ससुराल वालों ने जात–पात की बजाय किन बातों को महत्व दिया था ?

प्रश्न 7. मीता के ससुर को जनरल वार्ड में क्यों भर्ती करना चाहते थे ?

प्रश्न 8. ध्रुव जर्मनी जाने के बाद मीता कहां रही और क्यों ?

प्रश्न 9. जनरल वार्ड में एक रात कैसे बीती ? मीता की सास के अन्तर्मन की बात अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 10. ''शादी में सचमुच कुछ लोग मीनमेख निकालने के लिए ही आते हैं। इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. अंतरजातीय विवाह के बारे में मीता की सास के क्या विचार थे ?

प्रश्न 2. 'स्नेह बन्ध' कहानी का केन्द्रीय भाव लिखिये।

प्रश्न 3. 'स्नेह बन्ध' कहानी के आधार पर मीता की चारित्रिक विशेषतायें लिखिये ।

प्रश्न 4. मीता की सास के व्यवहार में किस प्रसंग के कारण परिवर्तन हुआ ?

प्रश्न 5. 'हम लोग इतने दकियानूसी नहीं है कि एक आर्किटेक्ट लड़की में सोलहवीं सदी की बहू तलाशें। कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. मीता की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 7. मीता की और देखकर उसकी सास को किसकी याद आ गई ? और क्यों ?

प्रश्न 8. मीता की सास ने ध्रुव को जो सूची दी थी उसमें बहू के लिये क्या आचार संहिता थी ? किन्ही पांच संहिताओं के नाम लिखिए ?

प्रश्न 9. किन बच्चों को, किसने मोटूमल कहा और क्यों ? इसकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?

प्रश्न 10 ''मीता, घर के प्रति उत्तरदायी है और अपने व्यवहार से सास का हृदय परिवर्तित कर देती है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. जब से सविता ससुराल गई है, बच्चे इसी तरह माँ का हाथ बँटा लेते हैं । पर पता नहीं क्यों आज मुझे यह सब अच्छा नहीं लगा । थोड़ा सब्र तो किया होता इन लोगों ने! मैं भी तो देखती मीतू नाम की यह लड़की कितना अदब–कायदा जानती है । घर की बहू बनकर आ रही है, यह तो दुआ नहीं कि खुद चलकर रसोई घर तक आती, झूटमूठ ही सही, मद्द के लिये पूछती । बस लाट साहब की तरह बाहर बैठी रही । लड़के बेचारे बैरों की तरह दौड़–धूप कर रहे है ।

ब. अंतरजातीय विवाह को लेकर एक शूल था मन में, वह भी जाता रहा । इसी बात को लेकर ननदरानी कोंचती रही है । अब सर उठा के सबके सामने कह सकूँगी, "भाई हमने तो लड़की का रूप–गुण देखा, विद्या–बुद्धि देखी और घर–परिवार देखा । बस जात–पात को आजकल पूछता कौन है ? मीता को जब देखा तो बस आँखें जुड़ा गई । अपना रूप–लावण्य इतने दिनों तक उसने कहाँ छिपा रखा था ।

स. शादी में सचमुच कुछ लोग मीनमेख निकालने के लिए ही आते हैं । नयी–नवेली दुल्हनों को सबसे ज्यादा आलोचना झेलनी पड़ती है । झूठ क्यों बोलूँ– खुद ही मैं कई बार इस अभियान में सम्मिलित हुई हूँ । दोनों ओर के परिवारों में अब तक जितनी बहूएँ आई हैं । सबके लिए मेरे पास कहने के लिये कुछ न कुछ है । सुरेश की बहु रसोई तक में चप्पलें पहनकर घूमती है ।

द. बच्चों के पापा तक को तो उसने नहीं बखशा था । सुबह वे अखबार पढ़ते तो उनकी कुर्सी के हत्थे पर बैठकर ही पूरा अखबार पढ़ जाती । घर में रहती तब तक उनके आसपास मँडराया करती, पापा का जाप किए जाती । उन्हें इसरार कर–करके खाना खिलाती, दवाई समय पर न लेने के लिए डाँटती है शाम को लौटती तो चाय का प्याला हाथ में लेकर सीधे बगिया में पहुँच जाती और छोटे से पीढ़े पर बैठकर उनसे बतियाती रहती ।

****

7. मर्यादा

– विष्णु प्रभाकर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. ..... मानवतावादी एकांकीकार हैं।

(हरिशंकर परसाई / विष्णु प्रभाकर)

ब. मर्यादा एकांकी में ..... परिवार का चित्रण है। **(संयुक्त / एकल)**

स. मर्यादा एकांकी में जगदीश की पत्नि का नाम ..... है। **(रीता / मालती)**

द. कठिनाई के समय ..... की भावना होना अधिक महत्वपूर्ण है।

(विश्वास / सहयोग)

इ. ''मर्यादा'' एकांकी में ..... पाठ पृष्ठभूमि में सुनाई देता है।

(रामायण / महाभारत)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. जगदीश अपनी पत्नि को प्रेम से किस नाम से पुकारता है ?

ब. विष्णु प्रभाकर ने समाज के किस वर्ग के समाज की भावनाओं का चित्रण किया है ?

स. मनुष्य की मर्यादाओं का मंजूषा कौन सा महान ग्रंथ है ?

द. 'मर्यादा' एकांकी में सभा सोसाइटियों में कौन व्यस्त रहता है ?

इ. अनिल के पैर की हड्डी कैसे टूट गई ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

	स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ.	सबसे छोटा भाई	–	सुमन
ब.	प्रदीप की बेटी	–	प्रदीप
स.	परिवार का मुखिया	–	रीता
द.	जगदीश की पत्नि	–	जगदीश
इ.	विनय की पत्नि	–	मालती

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए ।

अ. संयुक्त परिवारों के विघटित होने का सर्वाधिक प्रभाव बच्चों पर होता है।

ब. विनय, अशोक, जगदीश के बड़े भाई का नाम प्रदीप है।

स. विनय, तीन वर्ष के लिये अमेरिका जा रहा था।

द. 'मर्यादा' एकांकी में रीता रामायण पाठ करती है।

इ. छत से गिरने के कारण जगदीश के पैर की हड्डी टूट गई ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. संयुक्त परिवार की नींव है :–

   अ. भाई चारा ब. सद्भाव और त्याग

   स. परस्पर भावनाओं का सम्मान द. उपर्युक्त सभी

2. किसी भी परिवार का अस्तित्व है :–

   अ. सूझ बूझ से ब. परिश्रम से

   स. धन से द. इन सबके सामंजस्य से

3. मर्यादा एकांकी में निहित आदर्श है :–

   अ. सामाजिक ब. पारिवारिक

   स. धार्मिक स. सांस्कृतिक

4. संयुक्त परिवार में शामिल नहीं थे :–

   अ. सुमन और अनिल ब. रीता और सुनील

   स. जगदीश और प्रीति द. सुमन और प्रदीप

5. ताऊ जी (जगदीश) से रामायण सुनने को इच्छुक थी :–

   अ. मालती ब. रीता

   स. सुमन स. प्रीति

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. स्वप्न देखने से पहले जगदीश क्या सोचता था ?

प्रश्न 2. प्राचीन समय में संयुक्त परिवार के सदस्य किस प्रकार रहते थे ?

प्रश्न 3. प्रदीप किस बात को कहने में शर्म अनुभव कर रहा था ?

प्रश्न 4. सुमन और रीता जगदीश के घर क्यों गए थे ?

प्रश्न 5. मालती के कथन ''घर न कोरे धन से चलता है, न कोरे परिश्रम से, घर चलता है सूझबूझ से'' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. ''मर्यादा'' एकांकी में एक बिखरे हुए संयुक्त परिवार का चित्रण है। इस कथन का क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 7. संयुक्त परिवार को बनाए रखने का प्रमुख आधार क्या है ?

प्रश्न 8. 'आज संयुक्त परिवार मात्र किसी एक व्यक्ति के त्याग तपस्या समर्पण प्रभाव या आतंक पर टिके नहीं रह सकते। ' इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

प्रश्न 9. विष्णु प्रभाकर की एकांकियों की प्रमुख विशेषताएं लिखिए ।

प्रश्न 10. विनय का पत्र किसके पास आया था ? जगदीश ने इस बारे में क्या कहा था ? और क्यों?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)

प्रश्न 1. बिखरे हुए परिवार को फिर एक होने में कौन सी घटनाएँ सहायक सिद्ध होती हैं ?

प्रश्न 2. ''मर्यादा'' एकांकी में उल्लेखित चौपाइयों के आधार पर रामचन्द्र जी और भरत जी के भेंट का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 3. ''अब हम किसी एक के नहीं रहेंगे एक दूसरे के होंगे।'' इस कथन के आधार पर संयुक्त परिवार की आधार शिला स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4. ''संयुक्त परिवार आज भी प्रसांगिक हैं'' इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ? तार्किक उत्तर दीजिए ।

प्रश्न 5. यदि आप किसी संयुक्त परिवार के मुखिया बनेंगे तो आप परिवार के अस्तित्व के लिये क्या करेगें ?

प्रश्न 6. ''मर्यादा'' एकांकी का केन्द्रीय भाव लिखिए ।

प्रश्न 7. ''मर्यादा'' एकांकी के आधार पर परिवार के मुखिया (बड़े भाई) की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए ।

प्रश्न 8. विष्णु प्रभाकर की एकांकियों को प्रमुख रूप से कितने भागों में बाँटा जा सकता है ?

प्रश्न 9. 'मर्यादा' एकांकी के प्रारंभ में दूर देश से उठ रहे – विद्रोह के स्वर क्या हैं ?

प्रश्न 10. आज जब रामायण और महाभारत का युग नहीं है और मर्यादाएँ क्षीण हो रहीं हैं, संयुक्त परिवार का अस्तित्व बनाये रखना दुष्कर कार्य है। इस कथन को समझाइये।

****

8. कोणार्क

– जगदीश चन्द्र माथुर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. कोणार्क का सूर्य मंदिर .....राज्य में है। **(पश्चिम बंगाल/उड़ीसा)**

ब. कोणार्क का सूर्य मंदिर ..... पर स्थित है। **(पर्वत/समुद्रतट)**

स. कोणार्क के लेखक श्री जगदीश चन्द्र माथुर, ... के महानिदेशक थे। **(आकाशवाणी/दूरदर्शन)**

द. कोणार्क में ..... मंदिर है। **(सूर्य/शनि)**

इ. जगदीश चन्द्र माथुर प्रमुख रूप से ..... हैं। **(कहानीकार/नाटककार)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. ''कोणार्क'' में मंदिर के किस व्यवधान काल का चित्रण है ?

ब. ''कोणार्क'' एकांकी में महाशिल्पी किस अवस्था में बैठे हैं ?

स. भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, बिहारी के पूर्व शिक्षा सचिव और प्रसिद्ध नाटककार का नाम बताइए ?

द. महाराज नरसिंहदेव बंग प्रदेश में किनको पराजित करने में लगे है ?

इ. जीवन के आदि और उत्कर्ष के बीच की सीढ़ी क्या है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ. विशु	–	राजनगरी के ज्योतिषी
ब. भानुदत्त	–	ज्योतिषी
स. श्री नरसिंहदेव	–	महाशिल्पी
द. मंदिर आकाश में उड़ना	–	भारतीय प्रशासनिक सेवा
इ. जगदीश चन्द्र माथुर	–	पृथ्वीपति

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ।

अ. धर्मपद आशुशिल्पी है।

ब. कोणार्क मंदिर, जीवन की गति का रूपक है।

स. कोणार्क मंदिर, सूर्य की ऊर्जा के प्रतिरूपों में निर्मित है।

द. नाटक ''कोणार्क'' में कलश स्थापित न होने पर महादण्डपाशिक ने कैद का दण्ड निश्चित किया था।

इ. धर्मपद, महाशिल्पी था।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. उड़ीसा राज्य का पुराना नाम था :–

   अ. बंग प्रदेश ब. उरू प्रदेश

   स. उत्कल स. बंगाल

2. सभी शिल्पियों को समय दिया गया था :–

   अ. चार दिन ब. सात दिन

   स. ग्यारह दिन द. पन्द्रह दिन

3. ''कोणार्क का कमल'' से अभिप्राय है :–

   अ. छप्र के ऊपर कमलाकार अम्ल

   ब. कोणार्क में खिलने वाला कमल

   स. कमल की पंखुड़ियां

   स. सर्वश्रेष्ठ कृति

4. धर्मपद का प्रवेश इस तरह था :–

   अ. मानो अंधे को टिमटिमाता प्रकाश दिखा हो ।

   ब. मानो प्यासे को पानी मिला हो ।

   स. मानो भूखे को भोजन मिला हो।

   द. इनमें से कोई नहीं

5. बंग विजय का अर्थ है :–

   अ. उत्कल अभियान ब. बंगाल पर विजय

   स. बंगालियों का विजय अभियान द. उपरोक्त में से कोई नहीं

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. धर्मपद कौन था ? विशु का उसके प्रति अति स्नेह क्यों था ?

प्रश्न 2. विशु ने मंदिर को पूरा होने पर धर्मपद को क्या देने का वचन दिया ?

प्रश्न 3. महामात्य कौन थे ? उन्होंने कितने समय में मंदिर पूरा करने का आदेश दिया था ?

प्रश्न 4. धर्मपद, विशु से क्यों मिलना चाहता था ?

प्रश्न 5. ''कोणार्क'' नाटक के आधार पर महामात्य के चरित्र की तीन विशेषताएं बताइए ?

प्रश्न 6. विशु की प्रमुख चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ?

प्रश्न 7. सौम्य कौन थे ? जीवन की किस घटना का पश्चाताप करने के लिए वे विशु को कहते थे?

प्रश्न 8. विशु, धर्मपद से क्यों प्रभावित हुये ?

प्रश्न 9. ''कोणार्क'' नाटक का केन्द्रीय भाव क्या है ?

प्रश्न 10. मंदिर पूरा न बनने की स्थिति में विशु ने क्या निर्णय लिया और क्यों ? कारण सहित लिखिए।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए पांच अंक)?

प्रश्न 1. कला के संबंध में आचार्य विशु और धर्मपद के दृष्किोणों के अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. कोणार्क नाटक में शिल्पियों की किन समस्याओं का उल्लेख किया गया है ? विस्तार से लिखिए ।

प्रश्न 3. कोणार्क नाटक के किस पात्र ने आपको अत्यधिक प्रभावित किया है ? कारण सहित लिखिए ?

प्रश्न 4. धर्मपद ने कोणार्क के कलश को स्थापित करने में किस प्रकार सहायता की ? समझाइए।

प्रश्न 5. 'कोणार्क' एकांकी के आधार पर धर्मपद की चारित्रिक विशेषतायें लिखिए ।

प्रश्न 6. ''जीवन के आदि और अत्कर्ष के बीच एक और सीढ़ी है – जीवन का पुरूषार्थ'' इस कथन का क्या आशय है ?

प्रश्न 7. ''कला जीवन भी है और जीवन यापन का साधन भी'' इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं।

प्रश्न 8. विशु का किस बात से मोह था ? विशु को किस युवक में आशा की किरण दिखाई दी और क्यों ?

प्रश्न 9. 'आज से आठवे रोज या तो मंदिर में सूर्य देव की मूर्ति का प्रतिष्ठान होगा या तुम बारह सौ व्यक्तियों की भुजाओं पर प्रहार' ये घोषणा किसने ? किसके लिए ? और क्यों की ?

प्रश्न 10. ''धर्मपद न केवल तर्क निपुण है बल्कि शिल्पियों की पीड़ाओं की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट करने वाला आशुशिल्पी है।'' इस कथन को प्रमाणित कीजिए।

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. हमने पत्थर में जान डाल दी है, उसे गति दे दी है । वह भूल रहा है कि वह धरती का पदार्थ है । उसके पैर धरती पर नहीं टिकते । पत्थर का यह मंदिर आज कल्पना के स्पर्श से हवा की तरह गतिमान, किरण की तरह स्पर्शहीन, सुगंध की तरह सर्वव्यापी हो रहा है । लेकिन. .....लेकिन धरती उसे जकड़े हुए है, ईर्ष्या से.....। मुझे लगता है, जैसे अनजाने ही हम लोगों ने पृथ्वी और आकाश के बीच भी भीषण संघर्ष खड़ा कर दिया है ।

ब. वह सारे जीवन का प्रतिबिंब है । देखो हमारे कोणार्क देवालय को आँखें भरकर देखो । यह मंदिर नहीं सारे जीवन की गति का रूपक है । हमने जो मूर्तियाँ इसके स्तम्भों,इसकी उपपीठ और अधिस्थान में अंकित की हैं उन्हें ध्यान से देखो । देखते हो, उनमें मनु य के सार कर्म,उसकी सारी वासनाएँ,मनोरंजन और मुद्राएँ चित्रित है । यही तो जीवन है ।

स. मैं तो एक ऐसे संसार की ओर आपका ध्यान खींचना चाहता हूँ जो कि आपके निकट होते हुए भी आपकी आँखों से ओझल हो गया है इस मंदिर में वर्षो से 1200 से अधिक शिल्पी काम कर रहे हैं । इनमें से कितनों की पीड़ा से आप परिचित है ? जानते हैं आप कि महामात्य के भृत्यों ने इनमें से बहुतों की जमीन छीन ली हैः कइयों की स्त्रियों को दासियों की तरह काम करना पड़ा रहा है ।

द. धर्मपद, तुम भूल रहे हो कि तुम महाशिल्पी आचार्य विशु के सामने खड़े हो । पिछले दस दिन से निरंतर चेष्टा करने पर भी ये मंदिर पर कलश स्थापित नहीं कर सके और तुम–शास्त्रीय अध्ययन और अनुभव से शून्य– तुम कहते हो, इसे पूरा करना कठिन नहीं । अपनी शक्ति से बाहर की बात न करो युवक । यह साधारण समस्या नहीं है

****

9. भोलाराम का जीव

– हरिशंकर प्रसाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई ..... का प्रतिनिधित्व करते थे।
(उ0प्र0 / म0प्र0)

ब. भोलाराम का जीव ..... पर व्यंग्य है। **(आतंकवाद / भ्रष्टाचार)**

स. भोलाराम का जीव साहित्य की ..... विधा का एक उदाहरण है।
(संस्मरण / व्यंग्य)

द. पांच दिन पहले देह त्यागी और यमदूत के साथ यम–लोक के लिए ..... का जीव रवाना हुआ था । **(भोलाराम / दयाराम)**

इ. चित्रगुप्त के अनुसार वर्तमान में दोस्तों को भेजने वाली सामग्री .....वाले बीच में ही उड़ा लेते हैं। **(डाक / रेलवे)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. हरिशंकर परसाई का जन्म मध्यप्रदेश में कहां हुआ था ?

ब. 'भोलाराम का जीव' यमलोक तक पहुंचने पर नारद ने क्या आशंका व्यक्त की ?

स. 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य के अनुसार फाइलें किससे दबती है ?

द. भोलाराम किस शहर का रहने वाला था ?

इ. पिछले सालों में नरक में कौन–कौन लोग आ गये हैं ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ. स्वर्ग या नरक में निवास स्थान अलाट करना	–	नारदमुनि
ब. पृथ्वी लोक	–	यमदूत
स. लेखाजोखा	–	भोलाराय
द. देवभक्त	–	धर्मराज
इ. जीवन को नरक या स्वर्ग में ले जाने वाला	–	चित्रगुप्त

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ।

अ. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य खेल अव्यवस्थाओं को उजागर करते हैं ।

ब. भोलाराम जीव को पृथ्वी लोक पर ढूँढने धर्मराज गये थे।

स. परसाई जी की भाषा में जिंदादिली और फक्कड़पन है।

द. भोलाराम की फाइल में पेंशन का प्रकरण मुख्य रूप से था।

इ. एक मान्यता के अनुसार मरणोपरांत धन के आधार पर स्वर्ग या नरक में जीव के जाने का फैसला होता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. परसाई जी ने प्रमुख रूप से व्यंग्य किया है :–

   अ. भ्रष्टाचार पर　　ब. अनीतियों पर

   स. सामाजिक विसंगति पर　　स. इन सभी पर

2. 'भोलाराम का जीव'' व्यंग्य में भोलाराय की अवस्था है :–

   अ. युवा　　ब. वृद्ध

   स. बाल　　द. इनमें से कोई नहीं

3. नारद मुनि का प्रिया वाद्य यंत्र है :–

   अ. तबला　　ब. हारमोनियम

   स. सितार　　स. ढोलक

4. भोलाराम की पत्नि के अनुसार भोलाराम को कौन सी बीमारी थी :–

   अ. कैंसर　　ब. गरीबी

   स. दमा　　द. टी.बी.

5. नारद जी पृथ्वी लोक पर गए थे :–

   अ. अस्पताल में　　ब. सरकारी दफ्तर में

   स. मेले में　　द. विद्यालय में

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. साहब ने नारदमुनि की वीणा क्यों मांगी ?

प्रश्न 2. ''भोलाराम की दरख्वास्तें उड़ रही हैं उन पर 'वजन' रखिए ।'' वाक्य में वजन शब्द किसकी ओर संकेत कर रहा है ?

प्रश्न 3. भोलाराम की जीवात्मा कहां अटकी थी ? वह स्वर्ग क्यों नहीं जाना चाहता था ?

प्रश्न 4. भोलाराम की स्त्री ने नारद जी से क्या प्रार्थना की ?

प्रश्न 5. भोलाराम को कितने सालों से पेंशन नहीं मिली थी ? ऐसी स्थिति में उनके परिवार का भरण पोषण कैसे हो रहा था ?

प्रश्न 6. नारद मुनि, बड़े साहब से मिलने के पहले किन–किन लोगों से मिले और उन्होंने क्या जवाब दिये ?

प्रश्न 7. 'वजन' की मांग होने पर नारद मुनि ने क्या किया ?

प्रश्न 8. फाइल में से आई काल्पनिक आवाज क्या थी ?

प्रश्न 9. चित्रगुप्त के रजिस्टर में भोलाराम के बारे में क्या विवरण लिखा था ?

प्रश्न 10. 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य में मंदिर और सरकारी दफ्तर की कैसे तुलना कैसे की गई है ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

प्रश्न 1. लेखक ने 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य के माध्यम से प्रमुख रूप से किन अव्यवस्थाओं पर चोट की है ?

प्रश्न 2. भोलाराय की पेंशन होने में देर होने की वजह क्या थी ?

प्रश्न 3. धर्मराज के अनुसार नरक की आवास समस्या किस प्रकार हल हुई ?

प्रश्न 4. सोवा निवृत्ति के बाद भोलाराम और उसके परिवार को किन परेशानियों का सामना करना पड़ा ?

प्रश्न 5. नारद मुनि के आने के बाद भी भोलाराम स्वर्ग क्यों नहीं जाना चाहता था ?

प्रश्न 6. मान्यता के अनुसार नरक में कौन लोग जाते हैं ? और क्यों ? 'भोलाराम का जीव'व्यंग्य के आधार पर बताइए ।

प्रश्न 7. धर्मराज के अनुसार ऐसा कभी नहीं हुआ था । इस कथन से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 8. चित्रगुप्त के अनुसार पृथ्वी लोक पर आजकल किस प्रकार का व्यवहार हो रहा है ?

प्रश्न 9. धर्मराज के कथन 'भोलाराम का जीव नहीं मिला तो पाप–पुण्य का भेद ही मिट जाएगा'' से क्या आशय है ?

प्रश्न 10. 'परसाई के पैने व्यंग्य हिन्दी साहित्य के अमूल्य निधि हैं'' इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. आजकल पृथ्वी पर इस प्रकार का व्यापार बहुत चला है । लोग दोस्तों को कुछ भेजते हैं और उसे रास्ते में ही रेलवे वाले उड़ा लेते हैं। हौजरी के पार्सलों के मोजे रेलवे अफसर पहनते हैं । मालगाड़ी के डिब्बे के डिब्बे रास्ते में कट जाते हैं । एक बात और हो रही है, राजनैतिक दलों के नेता विरोधी नेता को उड़ाकर बंद कर देते हैं । कहीं भोलाराम के जीव को भी तो किसी विरोधी दल ने मरने के बाद दुर्गति के लिए तो नहीं उड़ा दिया ?

ब. नरक में पिछले सालों में बड़े गुणी कारीगर आ गये हैं । कई इमारतों के ठेकेदार हैं, जिन्होंने पूरे पैसे लेकर रद्दी इमारतें बनाई । बड़े–बड़े इंजीनियर भी आ गए हैं, जिन्होंने ठेकेदारों से मिलकर पंचवर्षीय योजनाओं का पैसा हड़पा, जो कभी काम पर गए ही नहीं । इन्होंने बहुत जल्दी नरक में कई इमारतें तान दी हैं । वह समस्या तो हल हो गई, पर एक बड़ी विकट उलझन आ गई है ।

स. साहब बोले, ''आप हैं बैरागी! दफ्तरों के रीति रिवाज नहीं जानते । असल में भोलाराम ने गलती की । भई, यह भी एक मंदिर है । यहाँ भी दान पुण्य करना पड़ता है । आप भोलाराम के आत्मीय मालूम होते हैं । भोलाराम की दरख्वास्तें उड़ रही हैं, उन पर वनज रखिए । नारद ने सोचा फिर समस्या खड़ी हो गई । साहब बोले–''भई, सरकारी पैसे का मामला है पेंशन का केस बीसों दफ्तरों में जाता है । देर लग ही जाती है । जितना पेंशन मिलती है, उतनी ही स्टेशनरी लग जाती है, हाँ जल्दी भी हो सकता है, मगर .....साहब रूके ।

द. नारद उस बाबू के पास गये । उसने तीसरे बाबू के पास भेजा, तीसरे ने चौथे के पास, चौथे ने पाँचवे के पास । जब नारद पच्चीस–तीस बाबुओं और अफसरों के पास घूम आए तब एक चपरासी ने कहा–''महाराज! आप क्यों इस झंझट में पड़ गये । आप अगर साल भर भी यहाँ चक्कर लगाते रहें, तो भी काम नहीं होगा । आप तो सीधे बड़े साहब से मिलिए । उन्हें खुश कर लिया, तो आपका अभी काम हो जाएगा ।''

******

10. मेरे बचपन के दिन

– महादेवी वर्मा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. सुभद्रा जी ..... में रहती थीं । **(छात्रावास / स्वनिवास)**

ब. सुभद्रा जी को पुरस्कार में ..... मिला था **(स्मृति चिह्न / कटोरा)**

स. 'मेरे बचपन के दिन' संस्मरण में ..... पत्रिका का उल्लेख है।

(स्त्री दर्पण / नारी दर्पण)

द. कविता सुनाने पर सुभद्रा जी को **.....** का कटोरा मिला था।

(चांदी / सोना)

इ. 'मेरे बचपन के दिन' एक ..... है। **(कहानी / संस्मरण)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. महादेवी वर्मा हिन्दी साहित्य के किस काल की प्रमुख कवयित्री हैं।

ब. 'मेरे बचपन के दिन' संस्मरण में चांदी के कटोरे का पुरस्कार किसने दिया था ?

स. 'मेरे बचपन के दिन' में किसके बचपन के दिनों का उल्लेख है ?

द. लेखिका किस कालेज में पांचवे दर्जे में भर्ती हुई थीं ?

इ. जम्मू यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर कौन रहे थे ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

	स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
अ.	मराठी लड़की	–	लेखिका की माता
ब.	चांदी का कटोरा	–	जीनत बेगम
स.	जबलपुर	–	जेबुन्निसा
द.	ताई साहिबा	–	सुभद्रा जी
इ.	उस्तादिन	–	बेगम साहिबा

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए ।

अ. सुभद्रा जी ने अंत तक छात्रावास नहीं छोड़ा था।

ब. छात्रावास के हर कमरे में चार छात्राएं रहती थीं।

स. जवारा के नवाब साहिब की बेगम साहिबा को 'ताई साहिबा' कहते थे ।

द. जेबुन्निसा, महाराष्ट्र के औरंगाबाद से आई थीं।

इ. लेखिका और उसकी सहलियाँ जेब खर्च में से कुछ पैसे देश के लिये बचाते थे।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. लेखिका ने सर्वप्रथम किस ग्रंथ को पढ़ना सीखा :–

अ. पंचतंत्र ब. नैतिक सूत्र

स. रामायण स. महाभारत

2. लेखिका के अनुसार उनके परिवार में कितने वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं :–

अ. 100 ब. 200

स. 300 द. 400

3. महादेवी वर्मा प्रसिद्व संस्मरण लेखिका होने के साथ–साथ निम्न विद्या में भी पारंगत थीं :–

अ. कहानी ब. एकांकी

स. रेखाचित्र स. नाटक

4. भारत सरकार ने महादेवी वर्मा को किस पुरस्कार से अलंकृत किया :–

अ. भारत रत्न ब. पद्मविभूषण

स. पद्मभूषण द. परमवरी चक्र

5. 'मेरे बचपन के दिन' संस्मरण में कौन सी भावना परिलक्षित होती है :–

अ. धार्मिक ब. सांस्कृतिक

स. सर्वधर्म सद्भाव द. आर्थिक

लघुउत्तरीय प्रश्न – (प्रत्येक के लिए चार अंक)

प्रश्न 1. लेखिका और सहेलियां अपने जेब खर्च से पैसे क्यों बचाते थे ?

प्रश्न 2. लेखिक की ताई साहिबा उनके भाई के जन्म पर कपड़े लेकर क्यों आई थी ?

प्रश्न 3. पुरस्कार में मिले चांदी के कटोरे को देखकर लेखिका को दुःख के साथ–साथ प्रसन्नता क्यों हुई ?

प्रश्न 4. लेखिका के भाई का नामकरण किसने किया ? और क्या नाम रखा ?

प्रश्न 5. मराठी लड़की जेबुन्निसा, लेखिका की किस तरह से मदद करती थी ?

प्रश्न 6. लेखिका का बेगम साहिबा से क्या संबंध था ?

प्रश्न 7. राखी का त्यौहार और मुहर्रम समभाव से मनाया जाता था। 'मेरे बचपन के दिन' संस्मरण के आधार पर इस कथन को समझाइए ?

प्रश्न 8. 'छात्रावास में साम्प्रदायिकता का तनिक भी प्रभाव नहीं था। इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

प्रश्न 9. ''लेखिका के बाबा'' लेखिका को क्या बनाना चाहते थे ? इसके लिये उन्होनें क्या प्रयास किये ?

प्रश्न 10. ''लेखिका की माँ'' को भी लिखने और गाने का शौक था । इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

प्रश्न 1. लेखिका ने अपनी मां की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ?

प्रश्न 2. लेखिका के बचपन के दिनों के सामाजिक तथा भाषायी वातावरण का चित्रण कीजिए ।

प्रश्न 3. परिवारों में लड़कियों के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए?

प्रश्न 4. ''कभी–कभी बचपन के संस्कार ऐसे होते हैं कि हम बड़े हो जाते हैं, तब तक चलते हैं।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5. लेखिका के अनुसार ''ताई साहिबा'' के घर का वातावरण सर्वधर्म सद्भाव का जीवंत उदाहरण था, वह सपना आज खो गया है। क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं ? क्यों ?

प्रश्न 6. ''शायद वह सपना सत्य हो जाता तो भारत की कथा कुछ और होती'' इस कथन में सपना क्या था ? वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7. लेखिका के जन्म पर उनकी बड़ी खातिर हुई इसकी क्या कारण था ?

प्रश्न 8. 'मेरे बचपन के दिन' संस्मरण का केन्द्रीय भाव क्या है ?

प्रश्न 9. महादेवी वर्मा द्वारा लिखित संस्मरण ' मेरे बचपन के दिन' में किन–किन प्रमुख स्मृति अंशों को शामिल किया गया है ?

प्रश्न 10. 'मेरे बचपन के दिन' संस्मरण में सर्वधर्म समभाव की भावना परिलक्षित होती है। इस कथन को प्रमाणित करने वाले प्रसंगों का उल्लेख कीजिए ।

निम्नलिखित गद्यांश का आशय/भाव स्पष्ट कीजिए ।

अ. बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र सा आकर्षण होता है । कभी–कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा । परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं । आपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई । मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं । फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा पूजा की । हमारी कुल–देवी दुर्गा थीं । मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई ।

ब. उस समय यह देखा मैंने कि सांप्रदायिता नहीं थी । जो अवध की लड़कियाँ थीं, वे आपस में अवधी बोलती थीं: बुंदेलखंड की आती थीं वे बुंदेली में बोलती थीं । कोई अंतर नहीं आता था और हम पढ़ते हिन्दी थें । उर्दू भी हमको पढ़ाई जाती थी, परंतु आपस में हम अपनी भाषा में ही बालती थीं । यह बहुत बड़ी बात थी । हम एक मेस में खाते थे, एक प्रार्थना में खड़े होते थे, कोई विवाद नहीं होता था ।

स. बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएँगे । मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा । इसलिए पंचतंत्र भी पढ़ा मैंने, संस्कृत भी पढ़ी । ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू–फारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी । मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस, दूसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी । तब पंडित जी आए संस्कृत पढ़ाने ।

द. कभी–कभी बचपन के संस्कार ऐसे होते हैं कि हम बड़े हो जाते हैं, तब तक चलते हैं । बचपन का एक और संस्कार भी था हम जहाँ रहते थे वहाँ नवाब रहते थे । उनकी जवाबी छिन गई थी । बेगम साहिबा कहती थीं । हमको ताई कहो! हम लोग उनको 'ताई साहिबा' कहते थे । उनके बच्चे हमारी माँ को चाची जान कहते थे । हमारा जन्मदिन वहाँ मनाए जाते थे ।

******

(सहायक वाचन)

1. कर्मयोगी लाल बहादुर शास्त्री

– डॉ. शंकर दयाल शर्मा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. लाल बहादुर शास्त्री को निष्काम ..... कहा गया है।

(कर्मयोगी / मर्मयोगी)

ब. ..... के निधन के बाद शास्त्री जी देश के प्रधानमंत्री बने।

(जवाहरलाल नेहरू / इंदिरा गाँधी)

स. शास्त्री जी हमेशा अधिकार से ज्यादा ..... को महत्व देते थे।

(कर्तव्य / आत्मसंयम)

द. शास्त्री जी ने सन् ..... में नमक सत्याग्रह में भाग लिया । **(1935,1930)**

इ. शास्त्री जी ने देश को नारा दिया था .....

(करो या मरो / जय जवान जय किसान)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. लाल बहादुर शास्त्री को किस शक्ति पर अधिक भरोसा था ?

ब. शास्त्री जी का सम्पूर्ण जीवन किस भावना से ओतप्रोत था ?

स. शास्त्री जी स्वयं को क्या मानते थे ?

द. पण्डित नेहरू के बाद शास्त्री जी कितने समय के लिए देश के प्रधानमंत्री बने ?

इ. शास्त्री जी जनता में क्यों लोकप्रिय हुए ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
नमक कानून तोड़ो आन्दोलन	–	लाल बहादुर शास्त्री
पहले प्रधानमंत्री	–	सन् 1930
किसान आन्दोलन	–	सन् 1942
भारत छोड़ो आन्दोलन	–	सन् 1932
निष्काम कर्मयोगी	–	जवाहरलाल नेहरू

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. इंदिरा गाँधी शास्त्री जी को अपना राजनीतिक गुरू मानती थीं।

ब. लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे।

स शास्त्री जी ने कभी कोई काम स्वयं नहीं किया ।

द. शास्त्री जी अत्यन्त सम्पन्न परिवार के थे।

इ. शास्त्री जी में अदम्य साहस और अनुशासन की भावना थी।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. शास्त्री जी को विश्वास था :–

   अ. कर्म और ईश्वर पर ब. अपने आप पर

   स. भाग्य पर स. इंदिरा जी पर

2. लाल बहादुर शास्त्री को निष्काम कर्मयोगी कहा गया। क्यों कि :–

   अ. उनका जीवन कर्म से परिपूर्ण था।

   ब. वे प्रधानमंत्री थे।

   स. वे इंदिरा जी के राजनैतिक गुरू थे।

   द. दिखावे की प्रवृति के कारण

3. सन् 1930 से 1942 तक के कितने दिन शास्त्री जी ने जेल में बिताए :–

   अ. दस वर्ष ब. सात वर्ष

   स. तीन वर्ष स. पांच वर्ष

4. शास्त्री जी ने अनुसरण किया :–

   अ. श्रम सेवा और सादगी के सिद्धाँत का

   ब. भ्रष्टाचार का

   स. अकर्मण्यता का

   द. दार्शनिकता के सिद्धांत का

5. शास्त्री जी स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान रचनात्मक कार्यो में लगे रहे :–

   अ. गाँधी जी द्वारा निर्देशित ब. नेहरू जी द्वारा निर्देशित

   स. इंदिरा गाँधी द्वारा निर्देशित स. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा निर्देशित

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. लाल बहादुर शास्त्री को निष्काम कर्मयोगी क्यों कहा गया ?

प्रश्न 2. शास्त्री जी के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ?

प्रश्न 3. ''शास्त्री जी श्रम, सेवा और सादगी की प्रतिमूर्ति थे।'' उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 4. स्वतन्त्रता संग्राम में शास्त्री जी के योगदान का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 5. शास्त्री जी की प्रशासनिक क्षमता के बारे में अपनें विचार व्यक्त कीजिए ?

प्रश्न 6. शास्त्री जी के संसदीय जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

प्रश्न 7. शास्त्री जी अपने उद्‌देश्य को प्राप्त करने के लिए किस प्रकार प्रयास करते थे ?

प्रश्न 8. शास्त्री जी का जीवन दर्शन क्या था ?

प्रश्न 9. शास्त्री जी के अनुसार स्वैच्छिक प्रतिबंधो मे ही स्वतन्त्रता का उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है ?

प्रश्न 10 भारतीय जनता में शास्त्री जी जनता के सेवक के रूप में क्यों लोकप्रिय थे ?

******

2. सवा सेर गेहूँ

– मुंशी प्रेमचन्द

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. ''सवा सेर गेहूँ '' कहानी के कहानीकार ..... है।
(प्रेमचन्द / मोहन राकेश)

ब. महाराज वर्ष में ..... खलिहानी लेते थे। **(दो बार / एक बार)**

स. शंकर महाराज के यहाँ ..... वर्ष तक गुलामी करता रहा। **(बीस / पन्द्रह)**

द. गाँव का ..... आवश्यकता पड़ने पर सूद लेकर लोगो की मदद किया करता था। **(महाराज / महात्मा)**

इ. सवा सेर गेहूँ बढ़कर..... का हो गया । **(साढ़े पांचमन / चारमन)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. महाराज क्या काम करता था ?

ब. शंकर ने महाराज से कितना अनाज उधार लिया था ?

स. शंकर कैसा व्यक्ति था ?

द. शंकर बंधुआ मजदूर कैसे हो गया ?

इ. महाराज साल में कितनी बार खलिहानी लिया करता था ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
महाराज	–	किसान
शंकर	–	बखसीस सौ–सौ
लेखा जौ–जौ	–	महाजन
मंगल	–	कमल
चरण	–	छोटा भाई

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. मजदूर की कोई भी जमानत कर देता है।

ब. शंकर एक जमींदार था।

स. शंकर के पास पांच वीघा जमीन थी।

द. शंकर व्यवहार कुशल था।

इ. महाजन अत्यन्त संत प्रवृति का था।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. शंकर द्वारा महाजन से उधार लिए गए गेहूँ की मात्रा थी :–

   अ. एक सेर　　ब. सवा सेर

   स. पांच सेर　　स. साठ सेर

2. शंकर था :–

   अ. एक गरीब किसान　　ब. जमींदार

   स. एक सूदखोर　　द. महात्मा

3. शंकर के उधार लिए गेहूँ सात वर्ष बाद महाजनी हिसाब से हो गये थे :–

   अ. पांच सेर　　ब. साढ़े पांच सेर

   स. साढ़े पांच मन　　स. सात मन

4. हिसाब लगाने के बाद गेहूँ के कुल दाम हुए :–

   अ. पांच रूपये　　ब. साठ रूपये

   स. पच्चीस रूपये　　द. बीस रूपये

5. सारे जीवन महाराज की गुलामी करने के बाद भी शंकर के सिर पर कुल उधार रूपये थे :–

   अ. साठ रूपये　　ब. पन्द्रह रूपये

   स. एक सौ बीस रूपये　　स. पांच रूपये

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. ''सवा सेर गेहूँ'' कहानी के आधार पर शंकर के चरित्र की विशेषताए लिखिए।

प्रश्न 2. ''सवा सेर गेहूँ'' कहानी में महाराज का चरित्र चित्रण कीजिए ।

प्रश्न 3. पूरी मेहनत के बाद भी जब शंकर उधार नहीं चुका पाया तो उसके व्यवहार में क्या परिवर्तन आया ?

प्रश्न 4. शंकर के बाद उधारी चुकाने के लिए महाजन ने किसको अपना शिकार बनाया ?

प्रश्न 5. अपने यहाँ मजूरी के बदले महाजन शंकर को क्या क्या देने पर राजी हुआ ?

प्रश्न 6. शंकर को महाजन के किस प्रकार अपने जाल में फॅसाया ?

प्रश्न 7. पूरा गाँव महाराज की निंदा क्यों करता था ?

प्रश्न 8. '' शंकर एक धर्म भीरू व्यक्ति था'' उदाहरण देकर कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 9. '' शंकर एक गरीब किसान होते हुए भी समस्याओं से कभी घबराता नही था।'' उदाहरण देकर समझाइए ?

प्रश्न 10. ''सवा सेर गेहूँ कहानी के आधार पर शंकर का चरित्र चित्रण कीजिए ?

3. बंदी पिता का पत्र

– पंडित कमला पति त्रिपाठी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. मानवता का इतिहास ..... का ही इतिहास है।

(संघर्ष / परम साधना)

ब. जितने मुंड है उतने ही ..... भी हो सकते है। **(धड़ / दृष्टिकोण)**

स. जेल में ..... का उत्सव मनाया जा रहा था। **(होली / दीवाली)**

द. ..... जीवन का शक्ति स्त्रोत होती है। **(स्मृति / भूख)**

इ. लीलामय की महानटी ..... ने मनुष्य को विचित्र प्राणी बनाया है।

(प्रकृति / शांता)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. मानव की सबसे बडी विशेषता बताइये ।

ब. होलिका उत्सव किसका विकसित रूप है।

स. किन प्रवृतियों का उन्मूलन मनुष्य नहीं कर सकता है।

द. ''बंदी पिता का पत्र'' किसको लिखा गया है।

इ. जेल में कैदी क्या कर रहे थे।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
गाँधी जी	–	निष्ठुर
कमलापति त्रिपाठी	–	दृढ प्रतिज्ञ
ब्रिटिश सरकार	–	स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी
जीवन	–	उत्साह
बसंतोत्सव	–	अनुभूति

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. कमला प्रसाद त्रिपाठी जेलर थे।

ब. गांधी जी ब्रिटिश सरकार के परम सेवक थे।

स. कैदियों ने जेल में दीवाली मनाई थी।

द. पुरातन आर्यो में स्त्रियों को बडी स्वतन्त्रता थी।

इ. सभी का जीवन दुःखो से आकीर्ण होता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. मानव विषम परिस्थितियों में :–

   अ. सुख से जीता है　　ब. सामांजस्य स्थापित कर लेता है

   स. तृप्त हो जाता है　　स. खूब खाता है

2. श्याम ने गोपियों के साथ होली खेली थी :–

   अ. गंगा तट पर　　ब. समुद्रतट पर

   स. सरस्वती तट पर　　द. यमुना तट पर

3. प्रस्तुत पत्र का लेखक कैदी है :–

   अ. निहाड़ जेल का　　ब. जिला जेल का

   स. नैनी सेन्ट्रल जेल का　　स. फिरोजपुर जेल का

4. कैदियों के साथ कैसा व्यवहार होता था :–

   अ. सम्मानजनक　　ब. अच्छा

   स. पुशओ जैसा　　द. उपरोक्त में से काई नहीं

5. प्रस्तुत लेख में ब्रिटिश सरकार :–

   अ. नीति वादी है　　ब. साम्राज्य वादी है

   स. समाजवादी है　　स. लोकतांत्रिक है

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. बंदी पिता पत्र के माध्यम से अपने पुत्र को क्या कहना चाहता है ?

प्रश्न 2. मानव स्वभाव की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ?

प्रश्न 3. पुरातन आर्यो के समय स्त्रियों की दशा का वर्णन करो ?

प्रश्न 4. होलिका उत्सव का महत्व लेखक की दृष्टि से बताइए ?

प्रश्न 5. महात्मा गांधी की चरित्रगत विशेषताएँ बताइए ?

प्रश्न 6. जीवन में आने जाने वाले सुख–दुख को लेखक ने किन शब्दों में व्यक्त किया है ?

प्रश्न 7. केदियों ने जेल में होलिका उत्सव किस प्रकार मनाया ?

प्रश्न 8. जेल में कैदियों की स्थित का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 9. प्रस्तुत पाठ में पत्र लेखन का क्या महत्व बताया गया है ?

प्रश्न 10. ब्रिटेन सरकार की मनमानी से लेखक क्यों क्षोभ हुआ ?

******

4. असफलता दिखाती है नयी राह

– डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलॉम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलॉम भारत गणराज्य के .....रहे हैं।

(प्रधानमंत्री / राष्ट्रपति)

ब. डॉ कलॉम का बचपन ..... में बीता । **(दिल्ली / रामेश्वरम्)**

स. सन् .....के मध्य में एस.एल.वी. का सपना पूरा हुआ ।

(1979 / 1978)

द. डॉ कलाम के पिताजी .....वर्ष तक जीवित रहे। **(102 / 50)**

इ. एस.एल.वी. ..... एक विशुद्ध भारतीय डिजाइन है। **(तीन / चार)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. फ्रान ब्रान कौन है।

ब. डॉ कलॉम के बहनोई का नाम क्या था?

स. राकेट कितने सेकण्ड के बाद समुद्र में जा गिरा ?

द. शीर्ष पर पहुँचने के लिए किस चीज की परम आवश्यकता होती है ?

इ. एस.एल.वी. तीन का उड़ान परीक्षण किस देश में होना था ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
काठमांडू दर्शन	–	रामवृक्ष बेनीपुरी
असफलता दिखाती है नई राह	–	डॉ. नागेन्द्र
सरजू भैया	–	डॉ कलॉम
सवा सेर गेहूँ	–	पंडित कलापति त्रिपाठी
बंदी पिता का पत्र	–	मुंशीप्रेम चन्द्र

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. डॉ. अब्दुल कलॉम एक वैज्ञानिक है।

ब. असफलाताओं से भी निर्माण होते है।

स. विज्ञान एक पेशा है धर्म नहीं हो सकता।

द. सफलता के लिए वचन वद्धता मूलभूत गुण है।

इ. शीर्ष पर पहुँचने के लिए खूब सोना पड़ता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. डॉ. कलॉम क्या बनना चाहते थे :–

   अ. वैज्ञानिक　　ब. वायुसैनिक

   स. राजनीतिज्ञ　　स. सन्यासी

2. एस.एल.वी. 3 को तैयार करने का कार्य था :–

   अ. सामान्य कार्य　　ब. उत्साह पूर्ण कार्य

   स. कष्ट साध्य कार्य　　द. सरल कार्य

3. डॉ. कलाम को रास्ता दिखाने वाला कौन था :–

   अ. डॉ. एस. श्रीनिवास　　ब. फ्रान ब्रान

   स. डॉ. ब्रम्ह प्रकाश　　स. जनाब अहमद जलालुद्दीन

4. डॉ. कलाम की आत्म–कथा का नाम है :–

   अ. शेर की आवाज　　ब. उड़ान

   स. अग्नि की उड़ान　　द. सहारा

5. अपोलो मिशन को चाँद पर उतारा था :–

   अ. सूर्य राकेट ने　　ब. शनि राकेट ने

   स. गुरू राकेट ने　　स. एस.एल.बी. 3 ने

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. जीवन में शीर्ष पर पहुँचने के लिए व्यक्ति में कौन–कौन से गुण होने चाहिए ?

प्रश्न 2. बचपन में डॉ. कलाम की शामें किस प्रकार व्यतीत होती थी ?

प्रश्न 3. फ्रान ब्रान के साथ डॉ. कलाम ने कैसा अनुभव किया ?

प्रश्न 4. एस.एल.बी. 3 राकेट के निर्माण की पूर्ति प्रक्रिया में डॉ. कलॉम की व्यस्तता का वर्णन करो ?

प्रश्न 5. डॉ. कलाम के परिवार में लगातार मौतों के बाद भी उन्होने किस प्रकार धैर्य पूर्वक अपना

प्रश्न 6. बार–बार असफलता ने डॉ. कलाम को किस तरह प्रेरित किया ?

प्रश्न 7. डॉ. फ्रान ब्रान के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए ?

प्रश्न 8. जनाब अहमद जलालुद्दीन कौन थे ? और उनका डॉ. कलॉम के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ा ?

प्रश्न 9. डॉ. कलॉम को पहली बार राष्ट्र के विश्वास की प्रेरणा कब व कैसे मिली ?

प्रश्न 10. अपनी माँ की मृत्यु के बाद डॉ. कलाम ने क्या अनुभव किया ?

******

5. नेताजी का तुलादान

– गोपाल प्रसाद व्यास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. नेताजी का तुलादान .....में हुआ था। **(जर्मनी / सिंगापुर)**

ब. तुलादान ..... के जन्म दिवस पर आयोजित हुआ था।

(नेताजी / गांधी जी)

स. तुलादान के दिन नेताजी ने .....झंडा फहराया था। **(तिरंगा / फौजी)**

द. माँ ..... से भारत में प्रजातंत्र को फैलाने का वर माँगा गया ।

(भारती / कात्यायनी)

इ. तुलादान के अवसर पर लोगों ने नेताजी के .....होने की दुआ मांगी।

(शहीद / चिरंजीवी)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. 'नेताजी' से किसे संबोधित किया जाता है ।

ब. तुलादान में एक पलड़े पर स्वर्ण था दूसरे पलड़े पर क्या था ?

स. तुलादान का आयोजन किस कारण से हुआ था ?

द. तुलादान का काँटा सम पर कैसे आया ?

इ. लक्ष्मी कौन थी ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
पंजाबी रमणियाँ	–	इष्ट के सम्मुख शीश झुकाती थीं।
गुजराती बहनों ने	–	करन फूल दे डाले थे ।
महाराष्ट्र नंदनी बहने	–	ढोलक मंजीर बजाती थी।
बंग वासनी	–	स्वामी समर्थ के गीत गाती थी।
छोटी–छोटी कन्याओं ने	–	गरबे की तैयारी की थी।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. नेताजी एक सेनापति थे।

ब. लक्ष्मी का स्वतन्त्रता संग्राम से कोई लेना देना नहीं था।

स. तुलादान में नेताजी को खून से तोला गया था।

द. तुलादान रंगून में आयोजित हुआ था।

इ. नेताजी महिलाओं का सम्मान करते थे।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. ''हे बहन, देवता तरेसेंगे, तेरे पुनीत परवंदन को।'' ये शब्द नेताजी ने कहे थे :–

   अ. वृद्धा माँ से ब. कप्तान लक्ष्मी से

   स. शहीद की पत्नि से स. तरूणी से

2. नेताजी के तुलादान के अवसर पर सिंगापुर में :–

   अ. सन्नाटा था ब. मस्ती का आलम था

   स. कर्फ्यू लग गया था द. युद्ध हो गया था

3. नेताजी एक महान :–

   अ. देश भक्त थे ब. अंहिसा वादी थे

   स. जमींदार थे स. राजा थे

4. नेताजी ने शहीद की पत्नि का सम्मान किस प्रकार किया :–

   अ. पैर छू कर ब. टोपी उतार कर

   स. नमस्कार कर द. मुस्कुरा कर

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. नेताजी के तुलादान में क्या–क्या वस्तुएँ अर्पित की गई थी ?

प्रश्न 2. तराजू के पलड़े सम पर कैसे आये ?

प्रश्न 3. ''नेताजी का तुलादान'' पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

प्रश्न 4. तुलादान का काँटा सम पर आते ही नेताजी ने वृद्धा से क्या कहा ?

प्रश्न 5. सभी महिलाओं ने तुलादान के अवसर पर किस प्रकार बढ़ चढ़ कर भाग लिया इस का वर्णन अपने शब्दों में बताइए ?

प्रश्न 6. तुलादान के अवसर पर विभिन्न प्रांतो की महिलाओं द्वारा व्यक्त उत्साह को अपने शब्दों में बताइए ?

प्रश्न 7. तुलादान के अवसर पर सिंगापुर में छाई रौनक का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 8. तुलादान किस हेतु के लिए आयोजित किया गया था ?

प्रश्न 9. शहीद की वृद्धा माँ के तुलादान करते समय क्या भाव थे ?

प्रश्न 10. तुलादान कविता के आधार पर नेताजी की विशेषताओं को बताइये ?

******

6. डॉ. चन्द्रशेखर वेंकटरमन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. डॉ. रमन के पिताजी का नाम .....था।

(चन्द्रशेखर अय्यर / चन्द्रशेखर अम्मल)

ब. डॉ. रमन को सन् ..... में सर की उपाधि दी गई। **(1929 / 1930)**

स. डॉ. रमन जैसे वैज्ञानिक भारत का ..... है। **(गौरव / नागरिक)**

द. लहरो पर ..... के कारण जल नीला दिखाई देता है। **(प्रकाश / चलने)**

इ. डॉ. रमन स्वभाव के ..... थे। **(सरल / कठोर)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. डॉ. रमन को नोबल पुरस्कार किस खोज पर मिला ?

ब. रमन इन्स्टीट्यूट की स्थापना कहाँ हुई है ?

स. सोवियत रूस ने डॉ. रमन को कौन सा पुरस्कार प्रदान किया ?

द. डॉ. रमन का जन्म कहाँ हुआ था ?

इ. डॉ. रमन की पत्नी का नाम क्या था ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
देश	–	दुराग्रह
मौलिक	–	विदेश
आग्रह	–	पारम्परिक
लोकहित	–	अर्नथ
अर्थ	–	स्वहित

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. डॉ. रमन को नोबल पुरस्कार मिला था ।

ब. डॉ. रमन डाकतार विभाग में एकाउंटेंट भी रहे ।

स. डॉ. रमन के श्वसुर सामुद्रिक चुंगी विभाग में कार्यरत थे।

द. डॉ. रमन ने 12 वर्ष की अल्प आयु में ही मैट्रिकुलेशन की परीक्षा पास कर ली थी।

इ. डॉ. रमन की साहित्य में भी विशेष रूचि थी।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. डॉ. रमन का जन्म स्थान था :–

   अ. कोलकाता ब. त्रिचनापल्ली

   स. मद्रास स. बैगलौर

2. डॉ. रमन को पुरस्कार प्राप्त हुआ था :–

   अ. लेनिन शांति पुरूस्कार ब. नोबल पुरूस्कार

   स. फ्रेंकविन पुरूस्कार द. उपर्युक्त सभी

3. डॉ. रमन जो भी काम करते थे :–

   अ. लोक हित की भावना से ब. स्वहित की भावना से

   स. पुरूस्कार लेने की भावना से स. दूसरों को नीचा दिखाने की भावना से

4. ''जब अणु प्रकाश बिखेरते है तो मूल प्रकाश में परिवर्तन हो जाता है''। इसे कहते है :–

   अ. रंग प्रभाव ब. रमन प्रभाव

   स. विधुत प्रभाव द. प्रकाश प्रभाव

5. डॉ. रमन अपने खाली समय का उपयोग करते थे :–

   अ. बगीचे में ब. संगीत रस्वादन में

   स. बच्चों के साथ खेलने में द. उपर्युक्त सभी में

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. डॉ. रमन ने किन किन देशों का भ्रमण किया ?

प्रश्न 2. रमन प्रभाव के अंर्तगत डॉ. रमन ने किसका अध्ययन किया था ?

प्रश्न 3. डॉ. रमन को मिले विभिन्न पुरूस्कार व सम्मानों के नाम लिखो ?

प्रश्न 4. डॉ. रमन की चारित्रक विशेषताओं को लिखो ?

प्रश्न 5. ''डॉ. रमन का जीवन तत्परता, परिश्रम और एकाग्रता से परिपूर्ण था'' इस कथन की विवेचना कीजिए ?

प्रश्न 6. डॉ. रमन का विज्ञान की और झुकाव कैसे हुआ ?

प्रश्न 7. डॉ. रमन के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

प्रश्न 8. डॉ. रमन के अनुसंधान कार्य को बढ़ाने के लिये क्या सुझाव थे ?

प्रश्न 9. ब्रिटेन यात्रा के समय डॉ. रमन ने क्या–क्या देखा ?

प्रश्न 10. एक महान वैज्ञानिक के रूप में डॉ. रमन की उपलब्धियाँ बताइए ?

******

7. सरजू भैया

– रामबृक्ष बेनीपुरी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. सरजू भैया को विरासत में मिली संपत्ति ..... की भेंट चढ़ गई।
(परोपकार / उपकार)

ब. सरजू भैया के व्यक्तित्व में डॉक्टर एवं ..... के व्यक्तित्व समाए हैं।
(वकील / पादरी)

स. खपरैल, मिट्टी एवं ..... का घर सरजू भैया का है। **(पत्थर / फूस)**

द. सूदखोर महाजन ने रूपये के बदले कागज पर सरजू भैया का ..... लगवा लिया। **(अंगूठा / हाथ)**

इ. सरजु भैया को लोग सुधुआ समझकर ..... की चेष्टा करते हैं।
(मारने / ठगने)

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. सरजू भैया का बाह्य व्यक्तित्व कैसा था ?

ब. सरजू भैया दुबले क्यों थे ?

स. सरजू भैया कौन सा व्यवसाय करते थे ?

द. लेखक ने किससे रूपये उधार लिये थे ?

इ. सूदखोर ने कागज पर किसका अंगूँठा लगवा लिया ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
कृतघ्नता	–	नीलामी
परोपकार	–	मुसीबत
विपदा	–	भलाई
मनोविनोदी	–	उपकार न मानना
नालिश	–	मजाकिया

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. सरजू भैया का कद बहुत नाटा था।

ब. सरजू भैया का व्यक्तित्व अनुकरणीय नहीं है।

स. डॉ. का दरवाजा हमेशा बंद रहना चाहिए।

द. सरजू भैया ने महाजन से रूपये उधार लिये थे।

इ. भूकंप से सरजू भैया के घर खुशहाली आ गई।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. सरजू भैया का स्वभाव था :–

अ.	मिलनसार	ब.	मजाकिया
स.	परोपकारी	स.	उपर्यक्त सभी

2. पादरी का दरवाजा हमेशा :–

अ.	खुला होना चाहिए	ब.	बंद होना चाहिए
स.	कभी–कभी खुलना चाहिए	द.	कभी नहीं खुलना चाहिए

3. सुधुआपन का अर्थ है :–

अ.	सीधा–साधा	ब.	साधू
स.	कपटी	स.	कृतघ्न

4. सरजू भैया का व्यक्तित्व है :–

अ.	वंदनीय	ब.	कपटी
स.	प्रपंची	द.	शोभनीय

5. सरजू भैया के छोटे भाई के रूप में था :–

अ.	बिरजू	ब.	अंजू
स.	संजू	द.	लेखक स्वयं

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. सूद खोर किस प्रकार दूसरों का शोषण करते है ?

प्रश्न 2. सरजू भैया के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए ?

प्रश्न 3. सरजू अपने व्यवसाय में सफल क्यों नहीं हो पाया ?

प्रश्न 4. सरजू भैया किस प्रकार दूसरों की मदद करते थे ?

प्रश्न 5. महाजन ने सरजू भैया को किस प्रकार ठगा था ?

प्रश्न 6. ''सादगी, सरल स्वभाव और सहज भोलापन ग्रामीणों की विशेषता है।'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. सूदखोर किस प्रकार दूसरों का शोषण करते है ?

प्रश्न 8. सरजू भैया का रहन सहन किस प्रकार का था ?

प्रश्न 9. ''नर रत्न की कद्र कहाँ तक होगी'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 10. लेखक इस पाठ के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है ?

8. काठमांडू दर्शन

– डॉ नागेन्द्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. दिल्ली से नेपाल की विमान यात्रा मे लगभग .....घंटे का समय लगता है।
(तीन / पांच)

ब. नेपाल यात्रा का लेखक का सबसे प्रबल आकर्षण था .....।
(नेपाली लोग / हिमालय)

स. नागों का उपासक ..... वंश है। **(नागाइच / बहाइच)**

द. काठमांडू का हवाई अड्डा ..... श्रेणी का है। **(उत्तम / मध्यम)**

इ. नेपाल ....., शाक्त और बौद्ध धर्मो का केन्द्र रहा है। **(इसाई / शैव)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. विश्व के एक मात्र हिन्दू राज्य का नाम बताइए ?

ब. भगवान पशुपतिनाथ का मंदिर कहाँ स्थित है ?

स. नेपाल में कौन सी भाषा प्रचलित है ?

द. दिल्ली हवाई अड्डे का नाम क्या है ?

इ. पर्यटक नेपाल को क्या कहते है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
काष्ठ मण्डप	–	धर्मनिरपेक्ष
पाकिस्तान	–	काठमांडू
पाटन	–	भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा
भारत	–	कृष्ण मंदिर
स्वयंभूनाथ का मंदिर	–	धर्म प्रतिबद्ध

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. नेपाल एक धर्म प्रतिबद्ध राष्ट्र है।

ब. नेपाल में अंग्रेजी भाषा का अधिक प्रयोग होता है।

स. नेपाल एक विकसित राष्ट्र है।

द. स्वयंभूनाथ मंदिर में भगवान कृष्ण की विशाल प्रतिमा लगी है।

इ. लेखक का नाम उनके पितामह ने नागेंद्र रखा था।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. नेपाल भारत का :–

   अ. पड़ोसी देश है　　ब. राज्य है

   स. शत्रु देश है　　स. एक भाग है

2. काठमांडू काष्ठ मंडप शब्द का :–

   अ. तत्सम रूप है　　ब. देशज रूप है

   स. तद्भव रूप है　　द. कठिन रूप है

3. नेपाल और भारत के संबंध :–

   अ. अत्यंत आत्मीय है　　ब. सामान्य है

   स. कटु है　　स. वैमनस्यता पूर्ण है

4. त्रिभुवन विश्वविद्यालय स्थित है :–

   अ. कीर्तिपुर में　　ब. पाटन में

   स. इन्दौर में　　द. कोलकाता में

5. लेखक नेपाल गए थे :–

   अ. नेपाल में भारत के राजदूत से मिलने।

   ब. पर्यटन के लिए ।

   स. सामान खरीदने ।

   द. निर्वाचन समिति की बैठक में भाग लेने।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. काठमांडू के दार्शनीय स्थलो के नाम लिख कर उनका वर्णन कीजिये ?

प्रश्न 2. लेखक के अनुसार हिमालय के प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 3. काठमांडू नगर के सौन्दर्य का वर्णन अपनें शब्दों में कीजिए ?

प्रश्न 4. त्रिभुवन विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं को बताइए ?

प्रश्न 5. नेपाल की एक राष्ट्र के रूप में विशेषताए बताइए ?

प्रश्न 6. भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन के समय लेखक ने क्या–क्या देखा ? लिखिए।

प्रश्न 7. नेपाल और भारत के संबंधो पर टिप्पणी लिखिए ?

प्रश्न 8. हिमालय के संबंध में प्रस्तुत यात्रा वृतांत में उल्लेखित विभिन्न साहित्यकारों की टिप्पणी उद्धृत कीजिए।

प्रश्न 9. नेपाल में उपलब्ध हवाई सुविधा के बारे में बताइए ?

प्रश्न 10. नेपाल जाने और अन्य विदेश भ्रमण में पूरी की जाने वाली कार्यवाही में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. लेखक का नाम नगेन्द्र कैसे पड़ा ?

9. इत्यादि

– यशोदानन्दन अखोरी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. इत्यादि के पिता का नाम .....है । **(आदित्य / आदि)**

ब. जैसा ..... वैसा ही भेष। **(देश / रूप)**

स. इत्यादि की माता ..... घराने की है। **(अव्यय / प्रत्यय)**

द. वक्ता महाशय ..... देते हैं। **(वक्तृता / वाक्य)**

इ. मैं मूर्ख को .....बनाता हूँ। **(बुद्धिमान / पंडित)**

प्रश्न 2. निम्नखिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. इत्यादि की माता का नाम बताइए ?

ब. इत्यादि का प्रमुख गुण बताइए ?

स. इत्यादि का पहनावा कैसा है ?

द. इत्यादि का धंधा बताइए ?

इ. लेखकों की दरिद्रता कौन दूर करता है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
दर्शनकार	–	मैक्समूलर
धर्मशास्त्र कार	–	कर्मवाद
पाश्चात्य पंडित	–	कपिल
दार्शनिक तत्व	–	व्यास
पुराणकार	–	मनु

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. शब्द समाज में इत्यादि का कोई सम्मान नहीं है ।

ब. इत्यादि का जन्म सन् 1968 में हुआ था।

स. इत्यादि अत्यंत कपटी और अन्यासी है।

द. अलग–अलग भाषाओं में इत्यादि के भिन्न–भिन्न नाम है।

इ. इत्यादि का कोई मान सम्मान नहीं करता।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. शब्दों का महाअकाल पड़ने के समय जन्म हुआ था :–
   - अ. अव्यय का
   - ब. प्रत्यय का
   - स. इत्यादि का
   - स. इति का
2. पुराने जमाने में इत्यादि का :–
   - अ. थोड़ बहुत नाम था
   - ब. अत्यधिक नाम था
   - स. सम्मान जनक नाम था
   - द. कोई नाम नहीं था
3. इत्यादि का एक भारी गुण है कि वह किसी बात में :–
   - अ. मान मन्नैवल बहुत करता है
   - ब. अपनी मान–हानी नहीं समझता
   - स. आदर बहुत चाहता है
   - स. रूठ जाता है
4. कपिल मुनि थे :–
   - अ. धर्मशास्त्र कार
   - ब. दर्शनकार
   - स. पुराणकार
   - द. पंडित
5. इत्यादि क्या करता है :–
   - अ. मूर्ख को पंडित बनाता है
   - ब. कवि को उपमा बताता है
   - स. लेखक के लिए भाषा जुटाता है।
   - द. उपर्युक्त सभी कार्य करता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. इत्यादि शब्द का जन्म कब हुआ था? इसके खानदान के बारे में आप क्या जानते है?

प्रश्न 2. प्रस्तुत पाठ के आधार पर ''इत्यादि'' के गुणों को लिखिए ?

प्रश्न 3. ''जैसा देश वैसा ही भेष'' उक्ति का इत्यादि अपने जीवन में किस प्रकार अमल करता है?

प्रश्न 4. ज्योतिषी ने इत्यादि का भविष्य क्या बताया ?

प्रश्न 5. वक्ता महोदय की इत्यादि ने किस प्रकार सहायता की थी ?

प्रश्न 6. ''भिन्न–भिन्न भाषाओं के शब्द भण्डार में इत्यादि का नाम भिन्न–भिन्न हैं।'' उदाहरण देकर समझाइए ?

प्रश्न 7. सम लोचक महोदय का साथ इत्यादि ने किस प्रकार दिया ?

प्रश्न 8. इत्यादि दूसरों की दरिद्रता किस प्रकार दूर करता है ? एक उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 9. इत्यादि का सबसे अच्छा गुण क्या है ?

******

10. प्रेरक प्रसंग

– आचार्य श्रीराम शर्मा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक है)

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प का चयन कर कीजिए।

अ. प्रेस से रायल्टी के ..... रूपये प्राप्त हुय थे। **(100 / 104)**

ब. निराला जी ..... हृदय के कवि थे। **(विशाल / क्षुद्र)**

स. ''भारत मित्र'' एक प्रतिष्ठित .....था

(दैनिक अखवार / साप्ताहिक अखवार)

द. गरीबी मेरी ..... है। **(शान / बीमारी)**

इ. कई दिनों का ..... और उस पर पैदल । **(उपवास / त्यौहार)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द का अथवा एक वाक्य में दीजिए।

अ. महाकवि निराला कहाँ जा रहे थे।

ब. भारत मित्र के सम्पादक का क्या नाम था ?

स. पांच रूपये मिलने पर बुढ़िया को कितने दिनों तक भीख नहीं मांगनी पड़ती ?

द. पूरे पैसे बुढ़िया को देने के बाद निराला जी किसके घर गये ?

इ. मानवता कैसे आती है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए।

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
सूर्यकांत त्रिपाठी ''निराला''	–	सम्पादक
बुढ़िया	–	दैनिक अखबार
श्री बालमुकन्द गुप्त	–	महाकवि
महादेवी	–	भिखारिन
भारत मित्र	–	मुँहबोली बहन

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. निराला जी ने बुढ़िया को भीख में पांच रूपये दिए ।

ब. निराला जी ने प्राप्त पैसो से अपनी मुँहबोली बहन के लिये साड़ी खरीदी ।

स. बुढ़िया ने जीवन भर भीख मांगकर अपना गुजारा किया था।

द. गुप्त जी ने अपने मित्र के दिये पांच हजार रूपये ससम्मान लौटा दिये।

इ. गुप्त जी एक महान कवि थे।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का ह्रदय :–
   - अ. शेर जैसा निड़र था
   - ब. विशाल था
   - स. भौतिकता से मुक्त था
   - स. निराशावादी था
2. पेट पालने के लिये बुढ़िया ने :–
   - अ. परिश्रम किया
   - ब. भीख मांगना शुरू कर दिया
   - स. मछली पकड़ना शुरू कर दिया
   - द. दूध बेचना शुरू कर दिया
3. बालमुकुन्द गुप्त जी सम्पादक थे :–
   - अ. भारत एकता के
   - ब. भारत मित्र के
   - स. भारत चरित्र के
   - स. भारत भूमि के
4. मित्र ने गुप्त जी को पांच हजार रूपये क्यों देना चाहे :–
   - अ. सहायता स्वरूप
   - ब. मानवीयता के कारण
   - स. भेंट स्वरूप
   - द. सनसनी खेज लेख लिखने के एवज में
5. निराला जी के इक्के का किराया किसने दिया :–
   - अ. बुढ़िया ने
   - ब. प्रेस के मालिक ने
   - स. सम्पादक ने
   - द. महादेवी जी ने

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. ''गरीबों का मसीहा'' प्रसंग से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

प्रश्न 2. ''अर्थोपार्जन मेरा ध्येय नही है'' से सम्पादक महोदय का क्या आशय था ?

प्रश्न 3. आपके मन अनुसार निराला जी ने पैसे देकर सही काम किया या गलत अपने उत्तर के सर्मथन में अपनें विचार व्यक्त करें ?

प्रश्न 4. ''आदर्शवादी बिक नहीं सकता'' प्रसंग के आधार पर बालमुकंद गुप्त जी की विशेषताओं को लिखो ?

प्रश्न 5. महाकवि निराला के व्यक्तित्व की चार प्रमुख विशेषताएँ बताइए ?

प्रश्न 6. वृद्धा ने ''निराला'' जी से पूरे पैसे लेने के एवज में क्या वचन दिया था ?

प्रश्न 7. ''मानवता ह्रदय की विशालता से आती है।'' कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए ?

प्रश्न 8. ''आदर्शवादी बिक नहीं सकता'' प्रसंग में आगंतुक सज्जन के व्यवहार पर टिप्पणी कीजिए?

प्रश्न 9. '' आदर्शवादी बिक नहीं सकता'' प्रसंग से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

******

भाषा बोध – (शुद्ध वाक्य)

वस्तुनिष्ट प्रश्न – (प्रत्येक के लिए एक अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. सुबह के आठ ..... रहे है। **(बज / बजी)**

ब. मेरा नाम ..... मंदाकिनी है। **(कुमार / कुमारी)**

स. ..... खूब केले खाए । **(वह / उसने)**

द. मैने कल पुस्तकें..... । **(खरीदूंगा / खरीदीं)**

इ. वे वीर .....। **(है / हैं)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. वचन संबंधी अशुद्धि का कोई एक उदाहरण दीजिए ?

ब. शुद्ध लेखक के लिये वर्तनी की उपयोगिता बताइए ?

स. हिन्दी भाषा किस विपि में लिखी जाती है ?

द. वाक्य रचना में सामान्यतः होने वाली कोई चार अशुद्धियों के नाम लिखो ?

इ. क्रिया संबंधी अशुद्धि का कोई एक उदाहरण दीजिए ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' का 'ब' से मिलान कर सही जोड़ी बनाइये।

स्तंभ 'अ'	**स्तंभ 'ब'**
वे सज्जन पुरूष है	क्रिया संबंधी अशुद्धि
श्रीमान	मात्रा संबंधी अशुद्धि
आप स्नान करो	समास संबंधी अशुद्धि
राना सांगा	पुनरूक्ति संबंधी अशुद्धि
निर्दयी	हलंत संबंधी अशुद्धि

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

ब. शब्द केवल संकेत मात्र होते है।

स. मैनें आज फल आदि खरीदा।

द. वह एक फूलों की माला लाया ।

इ. हवा चल रही है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. शताब्दि को सही प्रकार से लिखा जाता है।

   अ. शतब्दि ब. शताब्दी

   स. शताबदि द. शताबदी

2. ''पूरे संसार जगत मे ईश्वर व्याप्त है'' वाक्य में अशुद्धि है।

   अ. अर्थ संबंधी ब. मात्रासंबंधी

   स. पुनरूक्ति संबंधी द. लिंग संबंधी

3. अर्थ संबंधी अशुद्धि का उदाहरण है।

   अ. वे सज्जन पुरूष है ब. सीता एक विद्ववान छात्रा है

   स. शोक है कि तुम अनुर्तीर्ण हो गए

   द. वे वीर है

4. श्रीमान का शुद्ध रूप है।

   अ. श्रिमान ब. श्रीमन

   स. श्रीमान् स. ब तथा स दोनों

5. उज्जवल का शुद्ध रूप है ।

   अ. उजज्वल ब. ऊज्ज्वल

   स. उज्ज्वल स. उज्जब्ल

अन्यमहत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. वाक्य रचना में होने वाली सामान्य अशुद्धियों के प्रकार लिखते हुए उन्हे उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. शुद्ध वर्तनी का वाक्य रचना में क्या महत्व है समझाइये ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यो को शुद्ध कीजिए।

अ. मैं आटा पिसाने जा रहा हूँ ।

ब. वह एक पैर से लंगड़ा है।

स. उसके बाद फिर क्या हुआ ।

द. कृपया शीघ्र उत्तर देने की कृपा करें।

इ. यह बड़ा सुन्दर चित्र है।

******

भाषा बोध – (विराम चिह्न)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. अल्प विराम उस स्थान पर लगाया जाता है जहाँ ..... समय के लिए रूकना हो। **(थोड़े / अधिक)**

ब. ..... चिन्ह वाक्य के आदि और अन्त में लगाया जाता है।

(प्रश्न चिह्न / उद्धरण चिह्न)

स. संयोजक चिह्न का अन्य नाम ..... है।

(समासिक चिह्न / निर्देशक चिह्न)

द. लाधव चिह्न के प्रयोग द्वारा किसी प्रसिद्ध शब्द को पूरा न लिखकर ..... में लिखा जाता है। **(संक्षेप / विस्तार)**

इ. किसी अध्याय की समाप्ति पर ..... का प्रयोग किया जाता है।

(पूर्णविराम चिह्न / समाप्ति सूचक चिह्न)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. प्रश्न चिह्न को परिभाषित कीजिए ?

ब. कोई चार विराम चिह्नों के नाम लिखिए ?

स. कोष्ठक का प्रयोग कब होता है ?

द. हंस पद चिह्न का संकेत बताइए ?

इ. पुनरूक्ति बोध चिन्ह का आशय बताइए ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' का 'ब' से मिलान कर सही जोड़ी बनाइये।

स्तंभ 'अ'		स्तंभ'ब'
बराबर सूचक चिह्न	–	!
अर्द्ध विराम चिह्न	–	:-
कोष्टक	–	=
विस्मयादिबोधक	–	( ) [ ]
आदेश चिह्न	–	(;)

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य असत्य का चयन कीजिए।

अ. शाब्दिक अर्थ के अनुसार विराम का अर्थ है सतत्। (सत्य/असत्य)

ब. विराम चिह्न के गलत उपयोग से वाक्य का अर्थ बदल जाता है। (सत्य/असत्य)

स. कोष्ठक का प्रयोग आदेश चिह्न के रूप में होता है। (सत्य/असत्य)

द. तुल्यता सूचक चिह्न को = संकेत से प्रदर्शित करते है। (सत्य/असत्य)

इ. निर्देशक चिह्न को आदेश चिह्न की कहते है। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. लोप निर्देशक चिह्न प्रदर्शित किया जाता है –

   अ. [ ] ब. (.....)

   स. (?) द. (;)

2. वाक्य पूरा होने पर अधिक समय तक रूकने के लिए लगाया जाता है ।

   अ. प्रश्न चिह्न ब. पूर्णविराम

   स. अर्द्धविराम स. अल्पविराम

3. किसी प्रसिद्व शब्द को पूरा न कर संक्षेप में लिखने के लिए प्रयोग किये जाते है।

   अ. पुनरूक्ति बोध चिह्न ब. वाधव चिह्न

   स. हंस पद स. विराम चिह्न

4. वाक्य के मध्य में किसी शब्द के अर्थ को स्पष्ट करने के लिये प्रयोग किया जाने वाला चिह्न है।

   अ. ! ब. ( )

   स. ? द. :–

5. विराम चिह्न वाक्य के एक भाग को दूसरे भाग से

   अ. अलग कर देते है। ब. जोड़ देते है

   स. नीचे कर देते है द. ऊपर कर देते है

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. निम्न उदाहरण में यथा स्थान संकेत चिह्न का प्रयोग कीजिए ।

अ. माँ जब देती है वतन जब देता है तो हमे उस समय कहाँ सुधि रहती है कि हम कुछ पा रहे हैं उस समय तो हमारा धीरे धीरे पलना बढ़ना और इनके प्यार का बरसना एक साथ घटित होते रहते हैं मानो उनका देना ही हमारा आकार बन रहा हो माता और जन्म भूमि के स्नेह पिंड के सिवा हम है क्या

ब. मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार लिप्सा क्यों नही समय रहते सावधान हो जाती जरा और मृत्यु ये दोनो ही जगत के प्रति परिचित और अति प्रमाणिक सत्य हैं तुलसीदास ने अफसोस के साथ इस गहराई पर मुहर लगाई थी धरा के प्रभाव यही तुलसी जो फटा सो झरा जो बरा सो बताना

प्रश्न 2. कोई आठ विराम चिह्नों के नाम लिख कर उनके संकेत बनाइये ?

प्रश्न 3. कोई चार विराम चिह्नों के नाम लिख कर उनके यथा स्थान उपयोग को उदाहरण सहित लिखिए ।

प्रश्न 4. विराम चिह्न किसे कहते है ? सामान्य बोलचाल में उनकी उपयोगिता को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ?

******

भाषा बोध – (विचार एवं भाव विस्तार)

वस्तुनिष्ट प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. ..... अविष्कार की जननी है। **(आवश्यकता / विवशता)**

ब. थोड़ी सी योग्यता में अधिक..... होता है। **(बल / आडम्बर)**

स. ..... ही जीवन है। **(आनंद / आलस्य)**

द. साहित्य समाज का ..... है। **(प्रतिबिम्ब / दर्पण)**

इ. दूर के ढोल .....होते हैं। **(बेसुरे / सुहावने)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. संसार गुणों से मिलकर बना है।

ब. धर्म में एकता नही है।

स. हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी उपयोग की जा सकती है ?

द. आवश्यकता अविष्कार की बहन है।

इ. अज्ञान सर्वत्र आदमी को पछाड़ता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. ''कविता कोमल ह्रदयो की चीज है'' से आशय है।

   अ. मानव मन की कोमल भावनायें ब. मानव की जिज्ञासा

   स. मानव का रहस्य द. मानव की रचनात्मक क्षमता

2. ''क्रोध अंधा होता है'' का आशय है।

   अ. क्रोध की आँख नही होती ब. झूठ के पाँव नहीं होते

   स. बिना सोचे विचारे कार्या करना द. क्रोध आलसी होता है

3. ''परहित सरिस धर्म नहीं भाई'' से आशय है ।

   अ. धर्म सबका भाई है ब. परहित महत्वपूर्ण है

   स. परहित आवश्यक नहीं है

   द. परहित के समान दूसरा कोई धर्म नहीं है

4. 'जैसी संगति बैठिये ते सोंई फल होत से' आशय है।

   अ. अच्छे परिणाम प्राप्त होना ब. सत्संगति के अच्छे परिणाम

   स. फल प्राप्त होना द. सदाचारी का साथ

5. ''मन के हारे हार है मन के जीते जीत'' से आशय है ।

अ. मन का हार जाना　　ब. मन की शक्ति

स. मन का जीत जाना　　द. मन का कमजोर होना

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

निम्नलिखित अंशो का भाव विस्तार कीजिए ।

1. दूर के ढोल सुहावने होते हैं।
2. प्रायश्चित से पिछले पाप के प्रति विरक्ति उत्पन्न होती है और आगे के लिए सावधानी ।
3. हिंसा बुरी चीज है पर दासता उससे भी बुरी है।
4. '' पर उपदेश कुशल बहुतेरे''
5. क्रोध शान्ति भंग करने वाला मनोविकार है।
6. ईश्वर किसी धर्म या जाति का नहीं ।
7. धर्म के मूल में पार्थक्य नहीं है।
8. क्रोध एक तरह का रोग होता है, जिसे क्षणिक पागलपन भी कह सकते हैं ।
9. जननी जन्म भूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है ।
10. जहाँ पारस्परिक भय होता है। वहाँ या तो पलायन वृति का पोषण होता है या हिंसा का ।
11. साम्प्रदायिक सामंजस्य के लिए परधर्म सहिष्णुता आवश्यक है।
12. क्रोध बैर का अचार या मुरब्बा है।
13. साहित्य समाज का दर्पण है।

******

भाषा बोध – (मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ)

वस्तुनिष्ट प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. मुहावरा एक ..... होता है । **(वाक्य / वाक्यांश)**

ब. मुहावरे का प्रयोग ..... अर्थ में होता है। **(मूल / गुढ़)**

स. लोगो द्वारा कहा गया कथन ..... कहलाता है। **(मुहावरा / लोकोक्ति)**

द. लोकाक्ति मुहावरे की अपेक्षा ..... होती है। **(विस्तृत / संक्षिप्त)**

इ. कहावत एक .....होती है। **(वाक्य / पंक्ति)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. मुहावरों के प्रयोग से भाषा पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

ब. लोकोक्ति का निर्माण किस प्रकार होता है ?

स. लोकोक्ति का शाब्दिक अर्थ बताइए ?

द. अपने मुँह मिया मिठ्ठू का गूढ़ अर्थ बताइए ?

इ. गिलोय और नीम चढ़ी का गूढ़ अर्थ बताइए ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर जोड़ी बनाइए ?

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
इधर कुआँ	–	हाथ जलना
होम करते	–	नयन सुख
आम के आम	–	उधर खाई
आंख के अंधे का नाम	–	न तेरह में
न तीन में	–	गुठलियों के दाम

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. लोकोक्ति मुहावरों की अपेक्षा अत्यन्त छोटी होती है।

ब. लोकोक्ति को लिंग वचन के अनुसार बदला जा सकता है।

स. मुहावरे का सही उपयोग उसके वास्तविक अर्थ का ज्ञान होने पर ही हो सकता है।

द. आठ आँसू रोना का अर्थ है अधिक दुखी होना ।

इ. लोकोक्ति का निर्माण जीवन के अनुभवों से होता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –

1. दांतो तले उंगली दबाना का गूढ़ अर्थ है।
   - अ. चकित होना
   - ब. दांतो से उंगली काट लेना
   - स. भ्रमित होना
   - द. दुःखी होना
2. दम मारना का गूढ़ अर्थ है।
   - अ. धूम्रपान करना
   - ब. थोड़ा विश्राम करना
   - स. निश्चिन्त होना
   - द. नींद न आना
3. लोकोक्ति का प्रयोग होता है।
   - अ. वाक्यांश के रूप
   - ब. वाक्य रूप में
   - स. कही भी
   - द. बड़ वाक्यों के साथ
4. घास खोदना का गूढ़ अर्थ है।
   - अ. घास की सफाई करना
   - ब. खरपतवार की सफाई करना
   - स. जंगली पौधों की सफाई
   - द. व्यर्थ समय गॅवाना
5. कान भरना का गूढ़ अर्थ है।
   - अ. कान में तेल डालना
   - ब. कान में रूई डालना
   - स. चुगली करना
   - द. चुपचाप सलाह करना

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. लोकोक्ति की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालिए ?

प्रश्न 2. लोकोक्ति किसे कहते है ? इसकी कोई चार विशेषताए लिखिए ?

प्रश्न 3. मुहावरे एवं लोकोक्ति में अंतर स्पष्ट करते हुए प्रत्येक के दो–दो उदाहरण दीजिए ।

प्रश्न 4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुये उन्हे वाक्यो में प्रयोग कीजिए –

1. सिर धुनना
2. हाथ धो कर पीछे पड़ना
3. पांचो उंगलियॉ घी में
4. अपना सा मुँह ले कर रहना
5. आँखों में पानी न रहना

प्रश्न 5. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए –

1. अपनी ढपली अपना राग
2. काठ के उल्लू
3. घर का जोगी जोगना , आन गाँव का सिद्ध
4. ओछे की प्रीत, बालू की भांति

काव्य बोध

(काव्य की परिभाषा, गुण, काव्य के भेद)

वस्तुनिष्ट प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. 'रसात्मकं वाक्यं काव्यम्' परिभाषा ..... की है।

(विश्वनाथ / पण्डितराज जगन्नाथ)

ब. सूरदास के पद ..... कहलाते हैं । **(मुक्तक काव्य / महाकाव्य)**

स. शब्द गुण ..... प्रकार के होते हैं। **(तीन / दो)**

द. प्रबंध काव्य के .....भेद हैं। **(दो / तीन)**

इ. ''वक्रोक्ति काव्यस्य जीवितम्'' परिभाषा ..... की है ।

(कुन्तक / आचार्य विश्वनाथ)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. नाटक और प्रहसन किस काव्य के अंतर्गत आते है ?

ब. किसी एक खण्ड काव्य का नाम लिखिए ।

स. माधुर्य गुण का एक उदाहरण लिखिए ।

द. ओज गुण किसे कहते हैं ?

इ. महाकाव्य की कोई एक विशेषता लिखिए।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर जोड़ी बनाइए ?

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
आकार बड़ा होता है	–	श्रव्य काव्य
आकार छोटा होता है	–	महाकाव्य
देखा और सुना जाए	–	गेय मुक्तक
केवल सुना जा सके	–	दृश्य काव्य
जिसमें गेयता हो	–	खण्ड काव्य

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए।

अ. हरिवंश राय बच्चन की ' मधुशाला' मुक्तक काव्य है।

ब. मैथिलीशरण गुप्त की रचना ''कुरूक्षेत्र'' है।

स. महाकाव्य में संपूर्ण जीवन का सम्पूर्ण चित्र होता है।

द. काव्य के जिस गुण से पाठक के हृदय में तेज का संचार हो वह माधुर्य गुण है।

इ. श्रंगार, करूण और शान्त रसों में प्रायः माधुर्य गुण होता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. ''नहिं पावस ओहि देसरा, ना हेमन्त ना बसंत'' पंक्ति में गुण हैं

   अ. ओज ब. प्रसाद

   स माधुर्य द. कोई नही

2. ''होंगे वे कोई और मनाएँ जन्म–दिवस'' पंक्ति में गुण है।

   अ. ओज ब. प्रसाद

   स माधुर्य द. कोई नहीं

3. मैथिलीशरण गुप्त की रचना ''साकेत'' है।

   अ. महाकाव्य ब. खण्ड काव्य

   स. मुक्तक काव्य द. कुछ नहीं

4. जिसमें जीवन की किसी एक घटना का वर्णन हो वह कहलाता है।

   अ. महाकाव्य ब. खण्ड काव्य

   स. मुक्तक काव्य द. पाठ्य मुक्तक

5. यह गुण प्रायः सभी रसों में पाया जाता है ।

   अ. ओज ब. प्रसाद

   स माधुर्य द. कुछ नहीं

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. प्रबंध काव्य और महाकाव्य में अंतर लिखिए ।

प्रश्न 2. महाकाव्य की विशेषताएं लिखिए ।

प्रश्न 3. काव्य के भेदों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 4. कोई चार महाकाव्य के नाम और उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न 5. काव्य गुण से आप क्या समझते है ? इसके प्रमुख भेद लिखिए ।

प्रश्न 6. ओज गुण के कोई दो उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 7. महाकाव्य और खण्ड काव्य में अंतर बताइए ।

प्रश्न 8. गेय मुक्तक के दो प्रमुख प्रकार लिखिए ।

******

काव्य बोध

(शब्द, शक्ति, अलंकार)

वस्तुनिष्ट प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. अलंकार से काव्य में ..... उत्पन्न होती है। **(सुन्दरता / दुरहता)**

ब. सुदेश बैल है। में .....शब्द शक्ति है। **(लक्षण / व्यंजना)**

स. शब्द शक्ति.....प्रकार की होती है। **(तीन / चार)**

द. ''बैल'' बड़ा उपयोगी पशु है वाक्य में ..... शब्द शक्ति है।
(अमिधा / लक्षणा)

इ. सुबह हो गई । वाक्य में ..... शब्द शक्ति है। **(लक्षणा / व्यंजना)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. शब्द कितने प्रकार के होते है ?

ब. शब्द शक्ति कितने प्रकार की होती है ?

स. अलंकार से क्या आशय है ?

द. विरोधाभास अलंकार को परिभाषित करो ?

इ. रामचन्द्र शुक्ल ने अलंकार को क्या कहा है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर जोड़ी बनाइए ?

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
कीर्ति ''गधा'' है	–	व्यंजन शब्द शक्ति
रात होने वाली है	–	अमिधा शब्द शक्ति
मटका फूट गया है	–	लक्षणा शब्द शक्ति
'अपहुति' अलंकार का अर्थ है।	–	सन्देह अलंकार
जहाँ अनिश्चय बना रहे	–	निषेध करना

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. अमिधा शब्द शक्ति में वाक्य का अर्थ समान्य होता है।

ब. शब्द शक्ति से काव्य को सौन्दर्य नहीं बढ़ता है।

स. संदेह अलंकार के प्रयोग से अंत तक संशय बना रहता है।

द. अलंकार का अर्थ दर्पण होता है।

इ. शब्द शक्ति से शब्द को बल मिलता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए ।

1. एक वस्तु में दूसरी वस्तु का झूठा निश्चय होता है।

   अ. भ्रांतिमान अलंकार मे ब. संदेह अलंकार मे

   स. विरोधाभास अलंकार मे द. उपमा अलंकार मे

2. जब अनिश्चय की स्थिति लगातार बनी रही तो अलंकार होता है।

   अ. उपमा अलंकार ब. अतिश्योक्ति अलंकार

   स. संदेह अलंकार द. भ्रांतिमान अलंकार

3. विरोधाभास अलंकार होता है जबकि –

   अ. संदेह अत्यन्त गहरा हो

   ब. वास्तविक विरोध न हो पर विरोध का आभास हो

   स. वास्तविक विरोध हो द. विरोध हो ही नहीं

4. रमेश के ''कान'' नहीं है। वाक्य में शब्द शक्ति है।

   अ. अमिधा शक्ति ब. व्यंजना शक्ति

   स. लक्षण शक्ति द. उपरोक्त में से कोई नहीं

5. व्यंजना शब्द शक्ति का उदाहरण है ।

   अ. चुल्लु भर पानी में डूब मरो। ब. संध्या हो गई।

   स. राम के पिताजी बीमार है। द. वह शेर है ।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. शब्द शक्ति किसे कहते है ?

प्रश्न 2. शब्द शक्ति कितने प्रकार की होती है ? उदाहरण सहित समझाइये ।

प्रश्न 3. '' अलंकार के उपयोग से काव्य का सौन्दर्य निखर जाता है। '' के समर्थन से अपने विचार व्यक्त कीजिए ?

प्रश्न 4. भ्रांतिमान अलंकार की परिभाषा सोदाहरण दीजिए ?

प्रश्न 5. भ्रांतिमान और संदेह अलंकार में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

काव्य बोध – (छन्द)

वस्तुनिष्ट प्रश्न –

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती उचित विकल्प का चयन कर कीजिए ।

अ. छन्दोबद्ध रचना का हृदय पर ..... प्रभाव पड़ता है। **(सीधा/उल्टा)**

ब. स्वर..... प्रकार के होते है। **(तीन/दो)**

स. छन्द शास्त्र में 'पाद' का अर्थ छन्द का ..... भाग होता है। **(तृतीय/चतुर्थ)**

द. एक छन्द में .....से अधिक चरण हो सकते है। **(चार/दो)**

इ. छन्द में ह्रस्वाक्षर को .....कहते है। **(लघु/गुरू)**

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए ।

अ. छन्द कितनें प्रकार के होते है ?

ब. मांत्रिक छन्द को परिभाषित कीजिए ?

स. छन्द के कोई दो अंगों के नाम लिखिए ?

द. सवैया छन्द कितने गणों से मिलकर बनता है ?

इ. यति किसे कहते है ?

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' से स्तंभ 'ब' का मिलान कर जोड़ी बनाइए ?

स्तंभ 'अ'		**स्तंभ 'ब'**
दीर्घ स्वर	–	लघु
ह्रस्व स्वर	–	गुरू
कुण्डलियाँ	–	वर्णो की गणना
मात्रिक छन्द	–	छः चरण
वर्णिक छन्द	–	मात्राओं की गणना

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों के लिए सत्य/असत्य का चयन कीजिए।

अ. गद्य की अपेक्षा छंद पढ़ने में आनंद नही आता।

ब. सम छन्द के चारों चरणो में समान मात्राएं होती है।

स. घनाक्षरी छन्द के प्रत्येक चरण में 24 वर्ण होते है।

द. मन्दाक्रान्ता में चार चरण होते है।

इ. 'छप्पय' एक सममात्रिक छन्द है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

1. मात्रा की गणना पर उद्धृत छन्द कहलाता है।

   अ. वर्णिक | ब. मात्रिक

   स. घनाक्षरी | द. कुण्डलियाँ

2. इस छन्द के प्रत्येक चरण में 24–24 मात्राएं होती हैं।

   अ. मन्दाक्रान्ता | ब. कुण्डलियाँ

   स. घनाक्षरी | द. कोई नहीं

3. 'यति' का छन्द में अर्थ है।

   अ. विराम | ब. लय

   स. अन्त्य वर्णो की आवृति | द. कुछ नहीं

4. ''छप्पय'' छन्द में चरण होते है।

   अ. चार | ब. छः

   स. आठ | द. दो

5. जिन छन्दो मे दो से अधिक चरण समान न हो उन्हें कहते हैं।

   अ. समचरण | ब. विषम चरण

   स. अर्द्धसम | द. कुछ नहीं

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न –

प्रश्न 1. छन्द की परिभाषा देते हुए वर्णवृत और मात्रावृत के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. लघु और गुरू के नियमों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. छन्द में 'चरण' से आपका क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. निम्नलिखित छन्दों के लक्षण सोदाहरण लिखिए ।

अ. कुण्डलियां

ब. मन्दाक्रान्ता

स. घनाक्षरी

प्रश्न 5. निम्न पंक्तियों में कौन सा छन्द है ? स्पष्ट कीजिए।

साई बैर न कीजिए गुरू पण्डित कवि मार।
बेटा बनिता पौरिया यज्ञ करावन हार ।
यज्ञ करावन हार राजमंत्री जो होई।
विप्र पड़ौसी वैध आपुको तपै रसोई।
कह गिरधर कविराय जुगत सों यह चलि आई।
इन तेरह को तरह दिए बनि आवै साई ।।

प्रश्न 6. निम्न पंक्तियों में कौन से छन्द का प्रयोग हुआ है ? स्पष्ट कीजिए ।

'जो मैं कोई विहग उड़ता देखती व्योम में हूँ।
तो उत्काण्ठा विवश हो चित्त में सोचती हूँ''।

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित अपठित गद्यांशों को पढ़ कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. बहुत से लोग 'अणु–विस्फोट' शब्द से 'महाविनाश' या 'अपरिमित शक्ति' की कल्पना करते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों को ज्ञात है कि हमारे कुछ सबसे अधिक महत्वपूर्ण अणु–विस्फोट परीक्षण शालाओं में हुए है। ये अणु विस्फोट न तो देखे जा सके और न इनसे किसी प्रकार की आवाज ही हुई। परीक्षण शालाओं में हुए इन आणविक विस्फोटों द्वारा महत्वपूर्ण सफलताएँ प्राप्त की गयी हैं और आज मानव जाति अणुयुग का उदय होते देख रही है।

    1. उक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिए ।
    2. उक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।
    3. लोग अणु विस्फोट से किस बात की कल्पना करते है ?

2. छब्बीस जनवरी उन्नीस सौ पचास के शुभ दिन हमनें अपने लिए एक ऐसे संविधान को अपनाया, जिसकी आत्मा में हमारी आकांक्षा तथा नागरिक स्वतन्त्रता की उज्ज्वल परम्पराएं निहित है। राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है, क्यों कि स्वतन्त्रता के नवीन मार्ग प्रशस्त कर दिए हैं और अब पिछले दिनों की जड़ता निराशा तथा हीनता लुप्त होकर भविष्य कहीं अधिक सुन्दर और आकर्षक बन गया है। यही नहीं, हमारी स्वाधीनता विश्व के उन सभी राष्ट्रों की आजादी का प्रतीक बन गई है, जो अभी गुलामी की जंजीरों में जकड़े हुए है ।

    1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
    2. इस गद्यांश का सारांश लगभग तीस शब्दों में लिखिए।
    3. हमने संविधान को कब अपनाया ?

3. प्रत्येक देश में एक मूल संस्कृति होती है, जिसके अनुयायी स्वाभाविक रूप से बहुसंख्या में होते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक देश में कुछ अल्पसंख्यक अथवा उप–संस्कृतियां होती है। मूल सांस्कृतिक राष्ट्रीय स्तर को मान्यता देते हुए उप–संस्कृतियों को भी उचित संरक्षण दिया जाता है । इन संस्कृतियों को परस्पर प्रतिद्वन्द्वी न मानकर एक दूसरे का पूरक माना जाता है। परन्तु हमारे देश में दीर्घकाल तक ऐसा नहीं हो सका। भारतीय संस्कृति को केवल हिन्दुओं तक सीमित कर दिया गया और विभिन्न उप–संस्कृतियों को अपने संकुचित क्षेत्र में ही रहने का परामर्श दिया गया। परिणामतः भारतीय जनता विभाजित रही और ऐक्य भावना का विकास नहीं हो सका । हम परस्पर एक–दूसरें के विरोधी बने और देश की शक्ति क्षीण होती गई । परिणामतः आजादी की लड़ाई के दौरान भी सारे विश्व में हमारा कोई विश्वस्त सहायक नहीं था ।

1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
2. इस गद्यांश का सारांश लगभग पचास साठ शब्दों में लिखिए।
3. भारतीय जनता में ऐक्य भावना का विकास क्यों नहीं हो सका ?

4. लोकतांत्रिक व्यवस्था केवल केन्द्र तथा राज्य स्तर पर क्रमशः लोकसभा तथा विधान सभाओं के निर्माण का नाम नहीं है। उसका वास्तविक स्वरूप है एक विशिष्ट जीवन – पद्वति । जब सामान्य जन को प्रशासन के निम्नतम स्तर पर यह अनुभव होता है कि शासन तन्त्र उसके वास्तविक हित एवं कल्याण के लिए सक्रिय है तथा न्याय–व्यवस्था निष्पक्ष और स्वतन्त्र है, तभी लोकतन्त्र में उसकी आस्था निरन्तर अभिवृद्व होती जाती है। ग्राम पंचायतों का विकास भारतीय जनता में इन मूल्यों का विकास विस्तार नहीं कर पाया है । क्योंकि राज्य सरकारों ने इनकी व्यवस्था और आयोजन को अधिकारियों के संरक्षण में रखा है। जो अपने को जनता के प्रति उत्तरदायी न मानकर सरकार के मुखापेक्षी बने रहने में अपना कल्याण समझते है ।

1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
2. इस गद्यांश का सारांश चालीस पचास शब्दों में लिखिए।
3. व्यक्ति की लोकतंत्र में आस्था किस प्रकार विकसित होती है ?

5. जब से मुझे याद है मैं देख रहा हूँ, यह नीम का पेड़ इसी तरह खड़ा है । मोटा खुरदरा तथा दो मोटी जड़े जमीन से ऊपर उठकर नीचे गहरी चली गई है । ये जड़े हम सभी की कुर्सियाँ हैं । हम चारों इन पर बैठकर गप्पें लड़ाते है । पेड़ दादा कभी–कभी हमारी भोली–भाली बातों से हँसकर मीठी पकी निबोलियां हमें दे देता है, तो किसी–किसी मौसम में छोटी–छोटी टहनियों से हमें डांटता हुआ कहता है ''बैठे रहोगे, पढ़ोगे नहीं ? '' गर्मियों में अपनी घनी पत्तियों से हमारे ऊपर ठण्डी छाया करता है । दूर तक फैली हुई शाखाओं और टहनियों का छाता ताने दिन रात खड़ा रहता है । सुबह–सुबह पक्षियों की चहचाहट से वह हमें जगाता है । दिनभर छाया में खेलने को बुलाता है । जाड़ों में पेड़ दादा जब हमें अपनी छाया से दूर धूप में खेलता देखता है तो दुःखी हो जाता है कि प्यारे बच्चे मेरे पास नहीं खेल रहे है। हवा के साथ अपनी पत्तियां हमारे पास भेज देता है, और कहता है जाओ मेरे बच्चों के साथ खेलो । गर्मियों में जब हम फिर उसके नीचे खेलने लगते है पेड़ दादा खुश हो जाता है। नई–नई पत्तियों से ठण्डक फैलाता है । कितना अच्छा है पेड़ दादा !

1. नीम के पेड़ के कोई ऐसे चार काम बताइए, जिसके कारण बच्चे उसे पेड़ दादा कहते है।
2. उपरोक्त गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिये।
3. उपरोक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिये।

6. विद्यार्थियों में अनेक बुराइयां कुसंगति के प्रभाव से उत्पन्न होती है। जो विद्यार्थी पहले पढ़ाई में खूब रूचि लेता था, किन्तु अब सिनेमा देखने में मस्त रहता है, निश्चित ही वह कुसंगति का प्रभाव है। शुरू में उसे कोई विद्यार्थी सिनेमा दिखाना प्रारंभ करता है, बाद में उसे सिनेमा देखने की आदत पड़ जाती है । यही हालत धूम्रपान करने वालों की होती है । जब उन्हे धूम्रपान की आदत पड़ जाती है, तब वह छूटनें का नाम तक नहीं लेती। प्रारंभ में कुछ लोग शौकिया तौर पर बीड़ी सिगरेट पीना आरंभ कर देते है, अन्त में उसके आदी बन जाते है और लाख कोशिश करने पर भी उससे पीछा नहीं छुड़ा पाते । इसलिए तो पंडित रामचन्द्र शुक्ल ने कहा है कि ''कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । वह न केवल मान–मर्यादा का विनाश करता है बल्कि सात्विक चित्तवृति को भी नष्ट कर देता है।'' जो भी कभी कुसंग के चक्कर में फंसा है, नष्ट हुए बिना नहीं रहा । कुमार्गगामी दूसरे को भी अपने जैसा बना लेता है।

1. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
2. कुमार्गगामी को क्यों बुरा कहा गया है ?
3. गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

7. आधुनिक युग को यदि कोई सार्थक नाम दिया जा सकता है तो वह वैज्ञानिक युग ही है। हमारे खान–पान रहन–सहन, पठन–पाठन आदि नित्य के साधारण कर्मो में भी विज्ञान का बड़ा हाथ है, और यह इतना सामान्य हो गया है कि हम उसको सहसा अनुभव नहीं करते । मनुष्य ने विविध यंत्रों का आविष्कार किया है कि जिनकी कल्पना ही चकित कर देती है । अब हमको भारत के प्राचीन वैज्ञानिक चमत्कार पुष्पक विमान, आग्नेयास्त्र, मोहनास्त्र, वारूणास्त्र आदि कपोल कल्पित नहीं प्रतीत होते।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
2. लगभग एक तिहाई में सार लिखिए।
3. विज्ञान का जीवन में क्या महत्व है ?

8. अकबर का मस्तिष्क विश्व–बन्धुत्व तथा मानव–भ्रातृत्व के विचारों का पूर्ण आगार था। भिन्न–भिन्न धर्मो का भीषण संघर्ष देखकर उसके इन विचारों को भयंकर ठेस लगती थी, कठोर आघात पहुँचता था। कुछ ऐसे मूल तत्वों का संग्रह कर वह ऐसे मत को प्रारम्भ करना चाहता था, जहाँ किसी भी प्रकार का वैषम्य न हो, जिसमें कोई धार्मिक संकीर्णता न पाई जाए। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वह विभिन्न धर्मानुयायियों के कथन को सुना करता था। उस महान् स्तंभ की ही तरह ''ईश्वर एक है'' इस एक सत्य पर ही अकबर ने दीन–ए–इलाही का महान् भवन निर्माण किया। ज्यों –ज्यों यह स्तंभ ऊपर चढ़ता जाता है, त्यों–त्यों उसका आकार बढ़ता जाता है और अंत में ऊपर पहुँचकर एक ऐसा स्थान आता है, जहाँ पर ध र्मानुयायी समान अवस्था में भाई–भाई की तरह मिल सकें। उस महान् धर्म दीन–ए–इलाही में जा पहुंचने के लिए अकबर ने चार राहें बनाई जो हिन्दू–मुसलमान, बौद्ध और ईसाइयों को सीधे विश्व–बन्धुत्व की उस विशद् परिधि में ले जा सकें।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
3. अकबर विभिन्न धर्मानुयायियों के कथन क्यों सुनता था ?

9. उत्तम चरित्र हमें सफलता की राह दिखाता है । ये विश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करता है। चरित्र के अभाव में ये सभी अस्तित्व हीन से रह जाते हैं। जीवन में यश और गौरव की प्राप्ति श्रेष्ठ चरित्र से ही अर्जित की जा सकती हैं।

1. उत्तम चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
2. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक बताईये।
3. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

10. किसी भी देश की सीमा और जनसंख्या उसका भौतिक शरीर है लेकिन संस्कृति और सभ्यता उसकी आत्मा के तुल्य है। राष्ट्रीय निर्माण में तीन महत्वपूर्ण अंग होते हैं – भूमि जन और संस्कृति, रामायण गीता, अजंता–एलोरा की गुफायें, ताजमहल आदि भारत राष्ट्र की पहचान हैं।

1. राष्ट्र का वास्तविक निर्माण किस किस से होता है ?
2. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।
3. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

11. ''निंदा कुछ लोगो की पूंजी होती है । निंदा के द्वारा वे बड़ा – लंबा चौड़ा व्यापार फैलाते हैं। रसविभोर होकर वे जिस–जिस की सत्य कल्पित कलंक कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समपर्ण की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

1. निन्दा करने वालो को किस बात से संतोष होता है ?
2. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
3. गद्यांश का सारांश लिखिए।

12. अहिंसा मनसा–वाचा–कर्म तीनों से होती है। अहिंसा के पीछे ''जिओ और जीने दो'' का सिद्धांत रहता है। अहिंसा मानवता का पर्याय है। हिंसा केवल जान लेने में नहीं है, वरन् दूसरों के स्वत्वों और स्वाभिमान को आद्यात पहुंचाने में भी होती है।

1. हिंसा का व्यापक आशय क्या है ?
2. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये।
3. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिये ।

13. जीवन जोखिम से भरा है, गुफा मानव ने जब भी आग जलाई, उसने जल जाने का खतरा उठाया । जीवनयापन के आधुनिक तरीकों ने कुछ खतरों को कम किया है, पर कुछ खतरे अनेक गुना बढ़ गए है। ये खतरे नुकसान और शारीरिक चोट के रूप में है। हम सभी अपने दैनिक जीवन में जोखिम उठाते हैं। जैसे जब हम सड़क पार करते हैं, स्टोव जलाते हैं, कार में बैठते हैं, खेलते हैं, पालतू जानवरों को दुलारते हैं, घरेलु कामकाज करते हैं या केवल पेड़ के नीचे बैठे होते हैं, जो हम जोखिम उठा रहे होते हैं। इन जोखिमों मे से कुछ तात्कालिक है, जैसे जलने का गिरने का या अपने ऊपर कुछ गिर जाने का खतरा । कुछ खतरे ऐसे हैं जिनके प्रभाव लंबे समय के बाद सामने आते हैं। जैसे लम्बे समय तक शोर–गुल वाले पर्यावरण में रहने वाले व्यक्तियों की श्रवण–शक्ति कम हो सकती है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।
3. जीवन में हम जेखिम किस प्रकार से उठाते हैं ?

14. रसायन हमारी आवश्यकता है। ये हमारे पर्यावरण में हमेशा मौजूद है, इनकी सूक्ष्म अथवा लेशमात्र भी कमी ''अर्थपूर्ण'' हो सकती है। इन लेशमात्र रसायनों के बारे में हमें और अधिक जानने की जरूरत है। हमें इस बारे में भी और जानकारी हासिल करनी है कि इनसे क्या हो सकता है। जब तक कोई रसायन बिना किसी संदिग्धता के गैरजरूरी और हानिकर सिद्व न हो जाए तब तक उसका इस्तेमाल जारी रहने देना चाहिए । लेकिन यह इस्तेमाल सुरक्षित ढंग से और सुरक्षित मात्रा में होना चाहिए । तात्पर्य यह है कि संभावी लाभकारी पदार्थो का इस्तेमाल उनके गलत इस्तेमाल से हो सकने वाली सभी हानियों को पूरी तरह जानते–समझते हुए, पूरे विवेक के साथ किया जाना चाहिए।

1. उपरोक्त अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये।
2. उपरोक्त अपठित का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।
3. रसायनों का उपयोग हमें किस प्रकार करना चाहिये ?

15. समय के सदुपयोग का अर्थ है, उचित अवसर पर उचित कार्य पूरा करना । जो व्यक्ति आज का काम कल पर कल का काम परसों पर और परसों का काम बरसों पर टालते जाते है वे समय के महत्व को नहीं जानते, जो जाति समय का सम्मान करना जानती है वे अपनी शक्ति को कई गुना बढ़ा लेती है। यदि सभी गाड़ियाँ निश्चित समय पर चलने लगी, तो देश में कितनी कार्य कुशलता बढ़ जाएगी । यदि कार्यालय के सभी अधिकारी व कर्मचारी समय के पाबंद हो तो कितना लाभ होगा सभी को, यदि रोगी को समय पर दवा मिल जाये, यदि सभी समय पर काम करें तो, देश व व्यक्ति का कितना कल्याण होगा, विद्यार्थियों को भी समय का सदुपयोग करना चाहिए।

1. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिये ।
2. उक्त अपठित का सारांश अपने शब्दों में लिखिये ।
3. समय के सदुपयोग का जीवन में क्या महत्व है ?

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित अपठित पद्यावतरणों को पढ़ कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हमें जीवनधार अन्न तू ही देती है,
बदले में कुछ नहीं किसी से तू लेती है।
श्रेष्ठ एक से एक विविध द्रव्यों के द्वारा,
पोषण करती प्रेम भाव से सदा हमारा ।।

1. उपरोक्त पंक्तियों में कवि ने किसे सम्बोधित किया है ?
2. उपरोक्त पंक्तियों का सरल शब्दों में भावार्थ लिखिये ।
3. उपरोक्त पंक्तियों के लिये सार्थक शीर्षक लिखिये ।

2. हे देवो यह नियम सृष्टि में सदा अटल हैं,
रह सकता है वही सुरक्षित जिसमें बल है।
निर्बल का है नहीं जगत में कहीं ठिकाना,
रक्षा साधन उसे प्राप्त हों चाहे नाना ।।

1. इस जग में किस प्रकार का व्यक्ति सुरक्षित रह सकता है ?
2. ''निर्बल'' और ''सुरक्षित'' शब्द का विलोम लिखिये ।
3. उपरोक्त पंक्ति का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।

3. आज की दुनिया विचित्र नवीन,
प्रकृतिपर सर्वत्र है पुरूष आसीन ।
हैं बधे नर के करों में वारि विद्युत भाष
हुक्म पर चढ़ता उतरता है पवन का ताप ।।

1. आज की दुनियाँ किस प्रकार की है ?
2. उक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये।
3. पवन का ताप किसके हुक्म पर चढ़ता और उतरता है ?

4. युवक प्राप्त कर सैनिक शिक्षा भारत के अभिमान बनेंगे,
वे विद्वान बनेंगे पढ़कर पुष्ट और बलवान बनेंगे ।
नहीं माँगनी हमें पड़ेगी कभी प्राण रक्षा की भिक्षा,
है उपयोगी बहुत देश के विद्यालय में सैनिक शिक्षा ।।

1. युवक भारत का अभिमान किस प्रकार बनेंगे ?
2. उक्त पंक्तियों का सारांश अपने शब्दों में लिखिये ।
3. उपरोक्त पद्यावतरण का सटीक शीर्षक दीजिये ।

5. आँधियाँ नहीं जिनमें उमंग भरती है,
छातियाँ जहाँ संगीनों से डरती हैं ।
शोणित के बदले जहाँ अश्रु बहता है
वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है ।।

1. कवि को शोणित बदले से क्या अभिप्राय है ।
2. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये।
3. प्रस्तुत पंक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये ।

6. त्याग, तप, करूणा, क्षमा से भीग कर
व्यक्ति का मन तो बली होता मगर,
हिंसक पशु जब घेर लेते हैं उसे
काम आता बलिष्ठ शरीर ही ।।

1. व्यक्ति का मन किस प्रकार बलवान होता है।
2. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ अपनें शब्दों में लिखिये ।
3. उपरोक्त पंक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये।

7. झुक जाते हैं उसके सम्मुख गर्वित ऊँचे सिंहासन ।
बाँध न पाया उन्हें आज तक कभी किसी का अनुशासन ।।
निज विचार धारा के पोषक हैं प्रचार के दूत महान ।
समाचार पत्रों का करते इसीलिये तो सब सम्मान ।।

1. समाचार पत्रों की कोई दो विशेषताएँ लिखिये ।
2. उपरोक्त पंक्तायों का सरल भाषा में सार लिखिये ।
3. उक्त पंक्ति के लिये सटीक शीर्षक लिखिये ।

8. जिसको न निज का गौरव तथा,
निज देश का अभिमान है ।
वह नर नहीं नर पशु निरा है
और मृतक समान है ।।

1. मनुष्य मृतक और पशु के समान क्यों है ?
2. ''गौरव'' और 'अभिमान' शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिये ।
3. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।

9. शीघ्र आ जाओ जलद स्वागत तुम्हारा हम करें
ग्रीष्म से संतप्त मन के ताप को कुछ कम करें ।।

1. कवि ने 'जलद' से शीघ्र आने के लिये क्यों कहा है ?
2. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।
3. 'जलद' शब्द के कोई चार पर्यायवाची लिखिये ।

10. सुनो स्वर्ग क्या है ? सदाचार है मनुष्यत्व ही मुक्ति का द्वार है ।।
नहीं स्वर्ग कोई धरा वर्ग है। जहाँ स्वर्ग का भाव है, स्वर्ग है ।।
सदाचार ही गौरवागार है मनुष्यत्व ही मुक्ति का द्वार है ।।

1. कवि ने स्वर्ग किसे कहा है ?
2. उक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।
3. उक्त पद्यावतरण का उचित शीर्षक लिखिये।

11. आदमी लाख सम्हलने पे भी गिरता है, मगर
झुकके उसको जो उठाले वो खुदा होता है।।

1. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।
2. ''खुदा'' शब्द के चार पर्यायवाची लिखिये।
3. उक्त पंक्तियों के लिये सटीक शीर्षक लिखिये ।

12. देश को बल युक्त करने
यदि न चले अनुशासन से हम ।
तो काल देगा फिर हमें,
दासता की जंजीर पहना
है सरल आजाद होना
पर अठिन आजाद रहना ।।

1. जीवन में अनुशासन की आवश्यकता क्यों है ?
2. उक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।
3. ''अनुशासन'' और दासता शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिये।

13. अपने सहायक आप बनों होगा सहायक प्रभु तभी ।
बस चाहने ही से किसी को सुख नहीं मिलता कभी ।।
कर, पद, ह्रदय, दृग, कर्ण तुमको ईश ने सब कुछ दिया ।
है कौन ऐसा काम जो तुमसे न जा सकता किया ?

1. ईश्वर ने मनुष्य को क्या–क्या दिया है ?
2. उपरोक्त पंक्तियों में कवि ने मनुष्य से क्या आह्वान किया है।
3. कर, पद, दृग, कर्ण शब्द के अर्थ लिखिये ।

14. स्वावलंबन ही हमारी मनुजता का मर्म हो
षड् रिपु समर के हित सतत, चारित्रय रूपी वर्म हो ।

1. उपरोक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिये।
2. प्रस्तुत पंक्तियों के लिये सटीक शीर्षक दीजिये।
3. ''चारित्रय रूपी'' वर्म से कवि का क्या अभिप्राय है।

15. रणभेरी बज उठी वीरवर पहनों के सरिया बाना ।
मिट जाओ वतन पर इसी तरह जिस तरह शमा पर परवाना ।।

1. कवि ने वीरों को देश पर किस प्रकार मिटने के लिये कहा है ?
2. बाना, शमा, मिटजाना, रणमेरी शब्द का अर्थ लिखिये ।
3. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ लिखिये।

16. अरूण यह मधुमय देश हमारा ।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस ताम रस गर्भ विभा पर नाच रही तरू शिखा मनोहर
छिटका जीवन हरियाली पर मंगल कुंकुम सारा,
अरूण यह मधुमय देश हमारा ।।

1. उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये ।
2. उपरोक्त पंक्तियों के लिये उचित शीर्षक लिखिये ।
3. ''तरू शिखा मनोहर'' के नाचने से कवि का क्या अभिप्राय है ?

पत्र लेखन

औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र (प्रत्येक के लिये पांच अंक)

औपचारिक पत्र –

1. औपचारिक पत्र किसे कहते हैं ? औपचारिक पत्रों की श्रेणी में किस प्रकार के पत्र आते हैं ?
2. औपचारिक पत्रों के सम्बन्ध में ध्यान रखने योग्य किन्ही चार बातों का उल्लेख कीजिये।
3. किन्हीं दो औपचारिक पत्रों का उल्लेख उदाहरण सहित कीजिये।
4. औपचारिक पत्रों की संरचना किस प्रकार की होनी चाहिये ? उदाहरण स्वरूप किसी एक पत्र का उल्लेख विस्तार से कीजिये।
5. भोपाल नगर के सहायक जल यंत्री को कोलार क्षेत्र में हो रही अनियमित जल आपूर्ति के सम्बन्ध में शिकायती पत्र लिखिये।
6. विदिशा जिले के विद्युत अभियंता को पत्र लिखिये जिसमें आपके मोहल्ले में अनियमित विद्युत व्यवस्था का उल्लेख हो।
7. ध्वनि विस्तारक यंत्रो के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने हेतु जिलाधीश को पत्र लिखिये।
8. सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश को पत्र लिखिये जिसमें हाईस्कूल परीक्षा के केन्द्र परिवर्तन के लिये निवेदन किया गया हो।
9. नगर पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिये जिसमें आपकी कॉलोनी में बढ़ती जा रही चोरी की वारदातों का उल्लेख हो।
10. हाई स्कूल एवं हायर सेकेन्ड्री परीक्षाओं के नजदीक होने पर नगर में बिजली कटौती रोकने के लिये सम्बन्धित अधिकारी को पत्र लिखिये।
11. परीक्षा का समय नजदीक होने के कारण प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिये जिसमें गणित एवं विज्ञान विषय के दो कालखण्ड अतिरिक्त लगाने का उल्लेख हो।
12. आप अत्यंत निर्धन छात्र हैं बाजार से पुस्तक क्रय नहीं कर सकते हैं, विद्यालय के पुस्तक बैंक से पुस्तक उपलब्ध कराने हेतु प्राचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिये।
13. अपने प्राचार्य को पत्र लिखिये जिसमें विद्यालय में बास्केट बाल कोच की व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया हो।
14. अपने विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिये जिसमें विद्यालय में आयोजित वाद –विवाद प्रतियोगिता में आपकी भागीदारी का उल्लेख हो।

15. स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये अपने विद्यालय के प्राचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिये जिसमें आपके पिताजी का स्थानांतरण अन्यत्र शहर में होने का उल्लेख हो।
16. आपके मोहल्ले में नियमित सफाई नहीं होती है। संबंधित अधिकारी को उक्त विषयक शिकायती पत्र लिखिये।
17. गन्दगी के कारण आपकी कॉलोनी में मच्छरों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। डी.डी.टी. छिड़काव हेतु सम्बन्धित विभाग के सम्बन्धित अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिये।
18. आपके मोहल्ले की सड़कों की लाइट खराब हो गई है जिससे आपराधिक घटनाएँ निरंतर बढ़ती जा रही है। सम्बन्धित अधिकारी को लाइटें सुधारने की व्यवस्था करने हेतु, आवेदन पत्र लिखिए।
19. अस्वस्थता के कारण प्राचार्य को चार दिवस के अवकाश हेतु शिकायती पत्र लिखिये।
20. अपने बड़े भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिये एक सप्ताह के अवकाश हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य को पत्र लिखिये।
21. आपने गणित विषय लिया है जो आपको कठिन लगता है प्राचार्य को पत्र लिखकर अन्य विषय लेने के सम्बन्ध में आवेदन पत्र लिखिये।
22. शरदकालीन अवकाश पर कक्षा के सहपाठियों के साथ भ्रमण पर जाने हेतु प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिये।
23. परीक्षा की तैयारी हेतु विद्यालयीन समय में पुस्तकालय में बैठ कर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिये एक कालखण्ड निर्धारित करने हेतु प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिये।

अनौपचारिक पत्र –

1. अनौपचारिक पत्र किसे कहते हैं ? इस श्रेणी में किस प्रकार के पत्र आते हैं ?
2. अनौपचारिक पत्र लेखन के संबंध में ध्यान रखने योग्य किन्हीं चार महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख कीजिये।
3. किन्ही दो अनौपचारिक पत्रों का उल्लेख विस्तार से कीजिये।
4. अनौपचारिक पत्रों की संरचना किस प्रकार की होनी चाहिये किसी एक अनौपचारिक पत्र का उल्लेख विस्तार से कीजिये।
5. मित्र को पत्र लिखिये जिसमें नित्य समाचार पत्र पढ़ने से होने वाले लाभ का उल्लेख हो।

6. आप तिलक छात्रावास, भोपाल के रहवासी हैं अपने पिता को पत्र लिखिये जिसमें छात्रावास की व्यवस्थाओं का उल्लेख हो।
7. आप अपने शहर से दूर रहकर अध्ययन कर रहे हैं, पिताजी को पत्र लिखिये जिसमें आपके अकेले रहकर अध्ययन करने एवं अन्य गतिविधियों का उल्लेख हो।
8. आपको अध्ययन हेतु कुछ पुस्तकें क्रय करना है अपने पिताजी को पत्र लिखिये जिसमें पाँच सौ रूपये मँगाने का उल्लेख हो।
9. अपने घनिष्ट मित्र को पत्र लिखिये जिसमें आपकी बहन के विवाह में सम्मिलत होने का आत्मीय निवेदन हो।
10. आपका मित्र परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है उसे संवेदना पत्र लिखिये कि वह पुनः एकाग्र चित्त होकर भली प्रकार से परीक्षा की तैयारी कर सके।
11. अपने मित्र को पत्र लिखिये जिसमें आपके देखे हुए किसी पर्यटन स्थल का आँखों देखा वर्णन हो।
12. छोटी बहन परीक्षा में अच्छे प्रतिशत से उत्तीर्ण हुई है उसे बधाई देते हुए विषय चयन की उचित सलाह दीजिये।
13. मित्र की माताजी की अस्वस्थता पर मित्र को संवेदना पत्र लिखिये।
14. आपका भोपाल में नवीन गृह निर्मित हुआ है मित्र को पत्र लिखिये तथा उसे गृह प्रवेश में सपरिवार सम्मिलित होन का निमंत्रण दीजिये।
15. बहन का बेटा एक सप्ताह से अस्वस्थ है उसके शीघ्र स्वास्थय की कामना करते हुए बहन को संवेदना पत्र लिखिये।
16. आपकी परीक्षा निकट आ गई है अपने पिताजी को पत्र लिखिये जिसमें आपकी परीक्षा सम्बन्धी उचित तैयारी का उल्लेख हो।
17. पिताजी को पत्र लिखिये जिसमें छोटे भाई के अनुत्तीर्ण होने पर पिताजी द्वारा उसे प्रताड़ित न करने का उल्लेख हो।
18. माताजी को पत्र लिखिये जिसमें उनकी मधुर स्मृति तथा छोटे भाई, बहन के स्मरण का उल्लेख हो।
19. अपने मित्र को निमंत्रण पत्र लिखिये जिसमें आपके छोटे भाई के जन्म दिवस के अवसर पर उपस्थित होने का उल्लेख हो।
20. अपने चाचा जी को पत्र लिखिये जिसमें आपके पिताजी के अचानक अस्वस्थ हो जाने पर उनकी सेवा करने का उल्लेख हो।

21. अपनी बहन को पत्र लिखिये जिसमें आपके छात्रावास में रहने के आनंद का उल्लेख हो।

22. अभी अभी आप विश्वकप क्रिकेट मैच देखकर लौटे हैं। अपने मित्र को पत्र लिखकर जानकारी दीजिये तथा यह भी उल्लेख कीजिये कि उसके साथ होने पर आनंद दोगुना हो जाता।

23. शरद पूर्णिमा नजदीक आ रही है अपने मित्र को पत्र लिख कर उक्त अवसर पर नर्मदा नदी में नौका विहार करने का आग्रह कीजिये।

24. आपका छोटा भाई कुसंगति का शिकार हो गया है। उसे पत्र लिखकर समझाइश दीजिये तथा कुसंगति से होने वाले नुकसानों की जानकारी भी दीजिये।

25. अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखिये जिसमें आपके विद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव में आपकी सक्रिय भागीदारी का उल्लेख हो।

26. मित्र की रचना विद्यालय की वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुई है उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिये तथा प्रकाशित रचना की एक प्रति भेजने का अनुरोध भी करिये।

निबंध लेखन

सामाजिक, सांस्कृतिक तथा समसामयिक समस्याओं पर निबंध लेखन हेतु कुछ संभावित विषय –

साहित्यिक विषय –

1. साहित्य और समाज ।
2. साहित्य की जीवन में उपयोगिता ।
3. छात्र जीवन में पाठ्येत्तर साहित्य की भूमिका ।
4. साहित्य समाज का दर्पण है।

विद्यार्थी सम्बन्धी –

1. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन ।
2. मेरी प्रिय पुस्तक ।
3. मेरा प्रिय गुरू ।
4. वर्तमान गुरू शिष्य संबंध ।
5. गुरू का जीवन में महत्व ।
6. छात्र के बीच गुरू की भूमिका ।

राष्ट्रीय महत्व के विषय –

1. राष्ट्रीय एकता ।
2. मेरा भारत महान ।
3. आदर्श नागरिक की देश हित में भूमिका ।
4. देश प्रेम ।

राष्ट्रीय सामाजिक समस्याएँ –

1. दहेज प्रथा ।
2. प्रदूषण एक समस्या ।
3. आपदा प्रबंधक ।
4. बेरोजगारी एक ज्वलंत समस्या ।
5. नशाखोरी एवं नशा उन्मूलन ।
6. जनसंख्या वृद्धि ।
7. साम्प्रदायिकता एक अभिशाप ।
8. साम्प्रदायिक एकता ।
9. साम्प्रदायिक सौहार्द एवं भाईचारा ।

विचारात्मक समसामयिक निबंध –

1. समय का सदुपयोग ।
2. परहित सरिस धरम नहीं भाई ।
3. संतोष धन पर धन ।
4. मन के हारे हार है मन के जीते जीत ।
5. सदाचार सबसे बड़ा सुख ।
6. परिश्रम सफलता की कुंजी है।
7. आवश्यकता आविष्कार की जननी है।
8. जननी जन्म भूमि स्वर्ग से भी महान है।
9. आपदा प्रबंधन।
10. अतिवृष्टि, ओला वृष्टि।
11. महंगाई की समस्या ।
12. वर्तमान शिक्षा प्रणाली गुण दोष ।
13. पर्यावरण प्रदूषण ।
14. प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा ।
15. वन संरक्षण ।
16. वृक्षारोपण ।
17. प्रकृति की ओर रूख ।
18. पुस्तकालय की छात्र जीवन में भूमिका ।

खेल, शिक्षा, विज्ञान एवं अन्य विषय –

1. स्त्री शिक्षा ।
2. राजनीति में स्त्रियों की भूमिका ।
3. अंतरिक्ष और स्त्री ।
4. कम्प्यूटर आज की आवश्यकता ।
5. विज्ञान की दैनिक जीवन में भूमिका ।
6. दूरदर्शन का जीवन में महत्व ।
7. जीवन में खेलों का महत्व ।
8. राष्ट्रीय एकता और हमारा दायित्व ।
9. आकर्षक क्रिकेट मैच का आँखों देखा वर्णन ।

10. पहाड़ी स्थल की यात्रा का रोमांचक वर्णन ।

11. योग और ध्यान की जीवन में आवश्यकता ।

12. विद्यालय का वार्षिकोत्सव और आपका योगदान ।

13. सत्संगति का जीवन में महत्व ।

14. भविष्य निर्धारण और उचित मार्गदर्शन ।